दैनिक

नव प्रदेश

प्रदेश के साथ पूरा देश...

अंदर के पृष्ठों पर ❖❖ 2 | मध्यप्रदेश 4 | अभिव्यक्ति 7 | कारोबार/खेल

RNI NO - MPHIN/2020 /81503 जबलपुर, शनिवार 3 जनवरी 2026 , शुक्ल पक्ष पूर्णिमा , विक्रम संवत -2082 , वर्ष -5 अंक - 154 पृष्ठ -08 मूल्य-4 रूपए जबलपुर, भोपाल, रायपुर, बिलासपुर व रांची से एक साथ प्रकाशित

आज बेबाक

जिधर बम उधर हम की नीति पर चलने वाले नेता हरदम पाला बदलने के लिए पर तौलते रहते हैं। सत्ता के लिए जल बिन मछली की तरह तड़पते ऐसे कुर्सीजीवी कपड़ो की तरह निष्ठा बदल देते हैं। आईएनडीआईए में शामिल घटक दल अब एनडीए में अपना ठिकाना तलाश रहे हैं ताकि सत्ता सुंदरी का सानिध्य पाने का सुख मिले। इसके लिए सबसे ज्यादा बेचैन हैं कब्र में पैर लटकाए बैठे शरद पवार। ये चच्चा अपने भतीजे अजीत पवार को पटा रहे हैं जिसने उनकी राकांपा हथिया रखी है। बहुत जल्द भतीजे के साथ चाचा एनडीए शरणं गच्छामि हो सकते हैं।

प्रदेश के विकास की गति अब होगी और भी तेज : सीएम यादव

खाचरौद को दी सांदीपनि विद्यालय और नवीन कृषि उपज मंडी की सौगात

खाचरौद में बनेगा संयुक्त तहसील कार्यालय और जनपद पंचायत का नया भवन

मुख्यमंत्री ने खाचरौद में 78.61 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का किया लोकार्पण एवं भूमिपूजन

भोपाल/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हमारी सरकार प्रदेश के समग्र विकास के संकल्प के साथ काम कर रही है। हमारा मध्यप्रदेश अब विकास की नई ऊंचाइयों की ओर तेजी से बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि हम सुनिश्चित कर रहे हैं कि विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और कोई भी वर्ग या व्यक्ति विकास की मुख्यधारा से वंचित न रहे। विकास की बात पर हम सबका सहयोग लेंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश के सभी क्षेत्रों में विकास की बयार है। विकास की यह गति अब और तेज होगी। आप सबके सेवक के रूप में वे खुद

चौबीसों घंटे सातों दिन प्राण-प्रण से सेवा में जुटे हुए हैं। सबका कल्याण ही हमारा लक्ष्य है। नागरिकों की समृद्धि और खुशहाली ही हमारा पारितोषिक है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को उज्जैन जिले के खाचरौद में विकास कार्यों के लोकार्पण-भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने खाचरौद को विभिन्न विकास कार्यों की सौगात दी। मुख्यमंत्री ने यहां 78 करोड़ 61 लाख रुपये की लागत वाले पूर्ण एवं प्रस्तावित 39 विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन किया। इसमें 48 करोड़ 51 लाख रुपये की लागत के 16 कार्यों का लोकार्पण एवं 30 करोड़ 10 लाख रुपये की लागत वाले 23 कार्यों का भूमिपूजन शामिल है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इन सभी कार्यों से खाचरौद के विकास को एक नई दिशा मिलेगी। यह विकास कार्य खाचरौद के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला हैं।

सांदीपनि विद्यालय शिक्षा के पवित्र मंदिर, बच्चों के बेहतर भविष्य की लिखेंगे नई इबारत

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने खाचरौद में 35 करोड़ ■ शेष पृष्ठ 6 पर

डिप्टी सीएम अरुण साव के नए ओएसडी होंगे अजय त्रिपाठी

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ सरकार ने उपमुख्यमंत्री अरुण साव की निजी स्थापना में बड़ा प्रशासनिक बदलाव किया है। सामान्य प्रशासन विभाग ने आदेश जारी कर विपुल कुमार गुप्ता को साव के विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी के पद से हटा दिया है। उन्हें उनके मूल विभाग/कार्यालय में वापस भेजा गया है। वहीं, कबीरधाम जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अजय कुमार त्रिपाठी को उपमुख्यमंत्री अरुण साव का ओएसडी नियुक्त किया गया है। इस बदलाव के साथ अजय कुमार त्रिपाठी अब उपमुख्यमंत्री के कार्यालय में सभी प्रशासनिक और समन्वयात्मक जिम्मेदारियां देखेंगे। अधिकारियों का कहना है कि इस कदम का उद्देश्य निजी स्थापना के कामकाज में दक्षता और बेहतर प्रशासनिक समन्वय सुनिश्चित करना है। सरकारी आदेश में साफकिया गया है कि नियुक्ति और स्थानांतरण शासन की उच्च प्राथमिकताओं के अनुरूप किए गए हैं।

रायपुर साहित्य उत्सव की वेबसाइट लोकार्पित

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने मंत्रालय महानदी भवन में रायपुर साहित्य उत्सव की वेबसाइट का लोकार्पण किया। वहीं 23 से 25 तक रायपुर साहित्य उत्सव आयोजित किया जाएगा। उल्लखेनीय है कि, रायपुर साहित्य उत्सव 23 से 25 जनवरी तक आयोजित किया जाएगा। साहित्य उत्सव में देशभर के प्रख्यात साहित्यकारों, लेखकों, कवियों, पत्रकारों, समीक्षकों और पाठकों की सहभागिता होगी। कार्यक्रम में साहित्य, संस्कृति, सृजनात्मक लेखन, प्रकाशन जगत, युवा साहित्य और नई पीढ़ी के रचनाकारों से जुड़े विषयों पर विविध सत्र आयोजित किए जाएंगे।

गांधीजी की दुनिया में सबसे ऊंची मूर्ति गांधी सरोवर में बनेगी: रेवंत रेड्डी

हैदराबाद(वार्ता)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने शुक्रवार को राज्य विधानसभा में कहा कि राज्य सरकार महत्वाकांक्षी मूसी नदी जीर्णोद्धार परियोजना के अंतर्गत गांधी सरोवर (बहू घाट), लंगर हाउस में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा

स्थापित करेगी। मुख्यमंत्री ने विधानसभा में प्रश्न काल में एक सवाल के जवाब में कहा कि बापू घाट का बहुत ऐतिहासिक महत्व है, क्योंकि यह मूसी और ईसा नदियों का संगम स्थल है, जहां महात्मा गांधी की अस्थियों का विसर्जन किया गया था। इस बात पर बल देते हुए कि मानव सभ्यता हमेशा नदी घाटियों के किनारे ही फली-फूली है, उन्होंने काकातीयों से लेकर निजाम युग तक हैदराबाद की जल प्रबंधन विरासत पर बात की।

बंगलादेश के साथ जल संधि की उलटी गिनती शुरू

नई दिल्ली। भारत और बांग्लादेश ने 1996 में साइन की गई गंगा जल बंटवारा संधि के नवीकरण पर औपचारिक वार्ता शुरू कर दी है। यह संधि दिसंबर 2026 में समाप्त हो रही है, जो इसके हस्ताक्षर के ठीक 30 वर्ष बाद होगी। अधिकारियों के अनुसार, दोनों देशों ने गुरुवार से गंगा और पद्मा नदियों में जल स्तर का संयुक्त मापन शुरू कर दिया है। यह मापन हर 10 दिन में दर्ज किया जाएगा और 31 मई तक जारी रहेगा। यह कदम संधि के प्रावधानों के अनुरूप है, जो सूखे मौसम (जनवरी से मई) के दौरान फरक्का बैराज पर जल बंटवारे को नियंत्रित करता है। संधि के अंतिम वर्ष में प्रवेश करने के साथ ही दोनों देश नवीकरण पर चर्चा कर रहे हैं, ताकि क्षेत्रीय जल प्रबंधन में निरंतरता बनी रहे। भारतीय केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) के उप निदेशक सौरभ कुमार और सहायक निदेशक सनी अरोड़ा बांग्लादेश में हैं, जबकि बांग्लादेश जल विकास बोर्ड की उत्तर-पूर्वी मापन जलविज्ञान प्रभाग के कार्यकारी इंजीनियर अरिफ्फि जुबेद के नेतृत्व में चार सदस्यीय बांग्लादेशी दल भारत में है।

जबलपुर में अंतर्राष्ट्रीय रामायण सम्मेलन को जनप्रतिनिधियों सहित स्वामी रामभद्राचार्य ने भी किया संबोधित

भगवान श्रीराम के जीवन में मिलते हैं जटिल प्रश्नों के उत्तर : सीएम यादव

अंतर्राष्ट्रीय रामायण सम्मेलन है बहुआयामी

भोपाल/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भगवान श्रीराम और श्रीकृष्ण के जीवन को देखें तो अनेक जटिल प्रश्नों के उत्तर आसानी से मिल जाते हैं। भगवान श्रीराम और श्रीकृष्ण के माध्यम से दुनिया में भारत का नाम है। जहां अंधेरा है, वहां प्रकाश फैलाना ही सनातन संस्कृति है। इसी भाव से हमारे आदर्श भगवान श्रीराम ने लाखों वर्ष पहले अन्याय और अत्याचार की समाप्ति के लिए कार्य किया। वैसे तो भारतीय सनातन संस्कृति में 33 करो? देवी-देवताओं का उल्लेख है, लेकिन भगवान श्रीराम और भगवान श्रीकृष्ण से पूरे विश्व में भारत की पहचान बनी। ऐसे ऐतिहासिक आधार के कारण भारत विश्व गुरू की संज्ञा प्राप्त

करता रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को जबलपुर में अंतर्राष्ट्रीय रामायण सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि रामायण काल में महर्षि विश्वामित्र श्रीराम और लक्ष्मण को अपने साथ ले गए और संतों के यज्ञ में बाधा डालने वाले असुरों का अंत कराया। भगवान श्रीराम ने अपनी बुद्धि, पराक्रम के बल पर राजा जनक के दरबार में स्वयंवर जीता। भगवान श्रीराम ने निषादराज और शबरी माता के प्रसंगों से मित्रता एवं प्रेम का संदेश दिया है। राम राज्य का स्मरण करने से जीवन में कठिन से कठिन समय दूर हो जाता है। लगभग 550 वर्ष के संघर्ष के बाद अयोध्या में श्रीराम का भव्य मंदिर बनकर तैयार हुआ है। महाराज रामभद्राचार्य की तर्क शक्ति से अयोध्या में राम मंदिर बनाने का मार्ग प्रशस्त हुआ। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जबलपुर जाबालि ऋषि की पावन भूमि है, यहां अंतर्राष्ट्रीय आयोजन होना उल्लेखनीय है। नर्मदा मैया और प्रकृति की लीला भी यहां देखने को मिलती है, जब काले पत्थर भी उज्ज्वल और धवल स्वरूप में संगमरमर के रूप में दिखाई देते हैं। प्रकांड विद्वान स्वामी रामभद्राचार्य जी का आशीर्वाद इस सम्मेलन को प्राप्त हो रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश सरकार की तरफ से इस सम्मेलन में पधारे देश-विदेश के प्रतिनिधियों को बधाई और शुभकामनाएं दीं। केंद्रीय मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि ऋषि जाबाली की पावन भूमि-जबलपुर में ■ शेष पृष्ठ 6 पर

तमनार में शर्मनाक करतूत

आंदोलन की आड़ में उपद्रवियों ने महिला आरक्षक के फाड़े कपड़े

■ **रो-रोकर करती रही मिन्नतें भाई छोड़ दो**

रायगढ़/नवप्रदेश। रायगढ़ जिले के तमनार ब्लॉक में जेपीएल कोयला खदान के खिलाफ प्रदर्शन के हिंसा की एक शर्मनाक तस्वीर सामने आई।

प्रदर्शन के दौरान एक महिला आरक्षक के साथ मारपीट की गई। प्रदर्शनकारियों ने उसे लगभग आधा किलोमीटर तक दौड़ाया और जब वह खेत में गिर गई, तो उसकी वर्दी फाड़ दी गई, जिससे वह अर्धनग्न हो गई।

तमनार में उपद्रवियों ने महिला आरक्षक के फाड़े कपड़े

तमनार ब्लॉक में महिला आरक्षक के साथ हुई अमानवीय व्यवहार का वीडियो भी वायरल हो रहा है। करीब 40 सेकंड की इस वीडियो में एक महिला आरक्षक रोती हुई और प्रदर्शनकारियों से मिन्नतें करती हुई दिख रही है। महिला आरक्षक प्रदर्शनकारियों से कह रही है, 'भाई मुझे माफकर दो, मुझे जाने दो।' वीडियो में प्रदर्शनकारी महिला पुलिस कर्म से पूछते हैं, 'तुम यहां क्या कर रही थी? तुम्हें चप्पल से मारूं? यहां से चली जाओ।' फिर वे उसे अकेला छोड़ देते हैं। इससे पहले महिला आरक्षक को भीड़ ने करीब आधा किलोमीटर तक दौड़ाया और जब वह खेत में गिर गई, तो उसकी वर्दी फड़-फड़कर उसे अर्धनग्न कर दिया गया। यह घटना 27 दिसंबर 2025 की बताई जा रही है। बता दें इस घटना से पहले एक हिंसक झड़प के दौरान एक महिला पुलिस इंस्पेक्टर को लात मारे जाने का वीडियो भी सामने आया था।

हाईकोर्ट में सरकार बोली-4 ही मरे

इंदौर में जहरीला पानी दो अफसरों को हटाया

■ **राहुल ने कहा-हत्या के लिए डबल इंजन जिम्मेदार, उमा भारती बोलीं- घोर प्रायश्चित करना होगा**

इंदौर/नवप्रदेश। इंदौर में दूषित पानी से 15 मौतों के मामले में नगर निगम कमिश्नर दिलीप यादव और एडिशनल कमिश्नर रोहित सिसोनिया को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। एडिशनल कमिश्नर सिसोनिया को इंदौर से हटा दिया गया है। इंचार्ज सुपरिंटेंडिंग इंजीनियर संजीव श्रीवास्तव से जल वितरण कार्य विभाग का प्रभार वापस ले लिया है। सिसोनिया को किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग में उप सचिव के पद पर भेजा गया है। ■ शेष पृष्ठ 6 पर

भाजपा के पूर्व गृह मंत्री ने कहा- दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाए

पूर्व गृह मंत्री और बीजेपी नेता हिम्मत कोठारी ने कहा- इस मामले में जांच केवल औपचारिकता तक सीमित न रहे। दोषियों की स्पष्ट जिम्मेदारी तय कर उनके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाए ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। कोठारी ने नगर निगम को सतर्क रहकर प्रभावी कार्रवाई के लिए आगाह किया है।

जयशंकर बोले-दुर्भाग्य से हमारे पड़ोसी बुरे

■ **हमें अपने लोगों को आतंकवाद से बचाने का अधिकार**

चेन्नई/ए.। विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर शुक्रवार को तमिलनाडु की आईआईटी मद्रास पहुंचे। यहां विदेश मंत्री ने कहा कि पड़ोसी बुरे भी हो सकते हैं, दुर्भाग्य से, हमारे हैं। अगर कोई देश यह तय करता है कि वह जानबूझकर, लगातार और बिना पछतावे के आतंकवाद जारी रखेगा तो हमें अपने लोगों को आतंकवाद से बचाने का अधिकार है। उन्होंने कहा कि हम उस अधिकार का इस्तेमाल कैसे करेंगे, यह हम पर निर्भर है। कोई हमें यह नहीं बता सकता कि हमें क्या करना चाहिए या क्या नहीं करना चाहिए। हम खुद को बचाने के लिए जो कुछ भी करना होगा, वह करेंगे। विदेश मंत्री ने कहा कि कई साल पहले हमने पानी बांटने की व्यवस्था पर सहमति जताई थी, लेकिन अगर दशकों तक आतंकवाद होता है तो अच्छे पड़ोसी होने की भावना नहीं रहती।

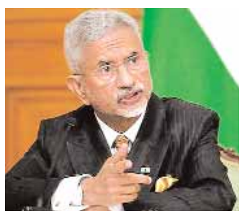

बांग्लादेश में अशांति पर विदेश मंत्री ने कहा- 'मैं अभी दो दिन पहले बांग्लादेश में था। मैं बांग्लादेश की पूर्व ■ शेष पृष्ठ 6 पर

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में हो रहा प्रदेश में सांस्कृतिक अभ्युदय : सीएम यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जबलपुर में किया प्रदेश के दूसरे गीता भवन का लोकार्पण

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को हितलाभ किये वितरित

भोपाल/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2014 के बाद संपूर्ण भारत में सांस्कृतिक अभ्युदय का वातावरण बना है। राज्य सरकार ने विरासत के संरक्षण के साथ विकास को गति प्रदान करने के लिए आधुनिक सुविधाओं से युक्त भव्य गीता भवन बनाने का संकल्प लिया है। प्रदेश का पहला गीता भवन इंदौर में लोकार्पित हो चुका है। इसी क्रम में आज जबलपुर को भी गीता भवन की सौगात मिली है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने संसद के माध्यम से शिक्षा नीति : 2020 में अनेक महत्वपूर्ण बदलाव ■ शेष पृष्ठ 6 पर

फ्लाइट से सस्ती होगी देश की पहली स्लीपर वंदे भारत ट्रेन

नई दिल्ली । रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा है कि गुवाहाटी और कोलकाता के बीच वंदे भारत स्लीपर ट्रेन का टिकट किराया हवाई यात्रा के मुकाबले काफी कम होगा। देश की पहली स्लीपर वंदे भारत ट्रेन का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस महीने के आखिर में करेंगे। वैष्णव ने गुरुवार को एक प्रेस ब्रीफिंग में कहा, वंदे भारत स्लीपर में 3-एसी का किराया लगभग 2,300, 2-एसी का लगभग 3,000 और 1-एसी का लगभग 3,600 होगा, जिसमें खाना भी शामिल होगा। किराया मध्यम वर्ग को ध्यान में रखकर तय किया गया है। उन्होंने कहा कि ट्रेन अगले 15-20 दिनों में चलना शुरू हो जाएगी।

गरमा-गरम

मत-पंथ, भाषा, जाति अलग हो सकती है, लेकिन हिंदू पहचान हमें जोड़ती है: मोहन भागवत

भोपाल/नवप्रदेश। भोपाल के रवींद्र भवन में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने कहा कि भारत की ताकत एकजुट हिंदू समाज में है, और संघ का काम लोगों में चरित्र, संयम और देशभक्ति जगाना है। उन्होंने सभी को अपनी संस्कृति, परिवार और देश के लिए समर्पित होने का आह्वान किया। भोपाल के रवींद्र भवन में आयोजित कार्यक्रम में संघ प्रमुख मोहन भागवत ने अपने उद्बोधन में समाज में एकता, अनुशासन और

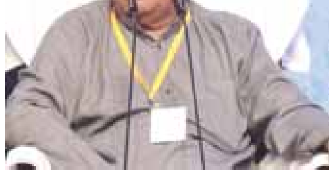

आत्मगौरव की बात कहीं। उन्होंने कहा कि संघ किसी मिलिट्री या सेवा संगठन की तरह नहीं है, बल्कि यह समाज के लोगों में चरित्र, संयम और जिम्मेदारी विकसित करता है। उन्होंने संघ के संस्थापक डॉ. हेडगेवार के स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान और उनकी सामाजिक कार्यप्रणाली का उदाहरण भी दिया। भागवत ने कहा कि भारत पर आक्रमण बार-बार हुए क्योंकि हम एकजुट नहीं थे, और आज भी देश की मजबूती के लिए एकता आवश्यक है। उन्होंने कहा कि भारत केवल भूगोल नहीं है, बल्कि यह एक विशेष स्वभाव और संस्कृति का प्रतीक है। हमारे मत-पंथ, सम्प्रदाय, भाषा, जाति अलग हो सकती है। लेकिन हिन्दू पहचान हम सबको जो?ती है। हम सबकी एक संस्कृति और धर्म है। हम सबके पूर्वज समान हैं। जब देश संकट में होता है, तो हम एकजुट होकर खड़े होते हैं। जिन्होंने देश के लिए बलिदान दिया, उन्हें सभी सम्मान की दृष्टि से देखते हैं, चाहे वे किसी भी पंथ के हों। मोहन भागवत ने हिंदू समाज को चार प्रकार में बताया कि एक वे जो गर्व से कहते हैं, ÷हम हिंदू हैं। दूसरे वे जो सोचते हैं, ÷गर्व की क्या आवश्यकता है। तीसरे, वे जो कहते हैं, ■ शेष पृष्ठ 6 पर

आरएसएस स्थापना के 100 साल पर बदल रहा अपना ढांचा

■ **सभी राज्यों में अब नहीं होंगे प्रांत प्रचारक**

नई दिल्ली/ए.। देश में 21वीं सदी में आ रहे सामाजिक व राजनीतिक बदलावों के बीच राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भी अपने संगठनात्मक ढांचे में बदलाव की तैयारी में है। संघ सौ साल का हो चुका है और वह नई स्थितियों में खुद का विस्तार कर रहा है। भाजपा और केंद्र की मोदी सरकार के विजन व मिशन विकसित भारत 2047 में भी संघ का यह बदलाव महत्वपूर्ण होगा, जिसमें

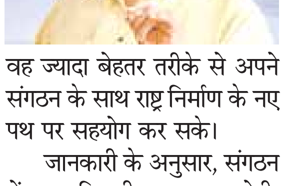

वह ज्यादा बेहतर तरीके से अपने संगठन के साथ राष्ट्र निर्माण के नए पथ पर सहयोग कर सके।

जानकारी के अनुसार, संगठन में अब त्रिस्तरीय व्यवस्था होगी, जिसमें केंद्र, राज्य व संभाग होंगे। अब तक पूरा देश क्षेत्र 11 में बंटा था जो अब 9 क्षेत्र तक सीमित रह जाएगा।

न्यूज गैलरी

लापरवाही या निजी सेंटर को फायदा पहुंचाने की प्लानिंग ?

24 करोड़ का सीटी स्कैन-एमआरआई सेटअप फिर भी नहीं हो रहीं जांच,अधिकारियों ने टेंडर में किया बदलाव

भोपाल/नवप्रदेश। भोपाल के हमीदिया अस्पताल सहित मध्यप्रदेश के पांच सरकारी मेडिकल कॉलेजों में सामने आई गंभीर लापरवाही ने सरकारी स्वास्थ्य तंत्र की तैयारियों पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। करोड़ों की अत्याधुनिक सीटी स्कैन और एमआरआई मशीनें मरीजों के लिए पूरी तरह उपयोगी साबित नहीं हो पा रही हैं। वजह बेहद चौंकाने वाली है। इन मशीनों को बिना प्रेशर इंजेक्टर के चलाया जा रहा है, जबकि इसकी कीमत महज 30 लाख रुपए है। प्रेशर इंजेक्टर के बिना सीटी स्कैन और एमआरआई से कॉन्ट्रास्ट स्टडी संभव नहीं हो पाती। इसके चलते कैंसर, ट्यूमर, हृदय रोग और न्यूरोलॉजी से जुड़ी जटिल बीमारियों की सटीक जांच प्रभावित हो रही है। कई मामलों में मरीजों को या तो अधूरी रिपोर्ट दी जा रही है या फिर स्पष्ट निष्कर्ष नहीं निकल पा रहा। इस कारण गंभीर मरीजों को मजबूरी में महंगे निजी जांच केंद्रों पर जाना पड़ रहा है। जिससे मरीजों पर आर्थिक बोझ बढ़ रहा है।

24 करोड़ का सेटअप, लेकिन अधूरा

राज्य सरकार ने जुलाई 2025 में प्रदेश के पांच मेडिकल कॉलेजों में सीटी स्कैन और एमआरआई जांच सुविधा शुरु की है। इस सेटअप की लागत करीब 24 करो? रुपए है। इसमें से अकेली एमआरआई मशीन 18 करोड़ की है। सरकार ने इसे स्वास्थ्य सेवाओं में बड़ा सुधार बताते हुए प्रचारित भी किया, लेकिन जमीनी हकीकत इससे उलट है। एमआरआई मशीनों के साथ जरूरी प्रेशर इंजेक्टर नहीं खरीदे गए। हैरानी की बात यह है कि जिस इंजेक्टर के बिना एमआरआई की कई अहम जांचें संभव ही नहीं हैं। सरकार ने सौ करोड़ से ज्यादा का हाईटेक सेटअप तो खड़ा कर दिया, लेकिन 30 लाख का एक उपकरण नहीं खरीद पा रही है।

फाइनल टेंडर से बाहर कर दिया इंजेक्टर

विशेषज्ञों का कहना है कि यह सिर्फ तकनीकी चूक नहीं, बल्कि गंभीर प्रशासनिक लापरवाही है। वहीं, हमीदिया अस्पताल के रेडियोलॉजी विभाग के वरिष्ठ डॉक्टर ने कहा कि पहले यह इंजेक्टर टेंडर का हिस्सा था। लेकिन मध्यप्रदेश के हेल्थ कॉर्पोरेशन ने इसे फाइनल टेंडर से बाहर कर दिया। जिससे अब यह एक नई समस्या खड़ी हो गई है। जब इसको लेकर सवाल किए गए तो केवल प्रेशर इंजेक्टर के लिए नए टेंडर करने का दावा किया गया है।

सरकारी मेडिकल कॉलेजों में लगाई गई एमआरआई मशीनें एडवांस और विश्वस्तरीय तकनीक से लैस हैं। इन मशीनों में कैंसर, हृदय रोग, न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर और जटिल संक्रमणों की बारीक जांच करने की क्षमता है, लेकिन प्रेशर इंजेक्टर के बिना ये क्षमताएं सिर्फ कागजों तक सीमित रह गई हैं। एमआरआई में कई जांचें ऐसी होती हैं, जिनमें कंट्रास्ट डाई का इस्तेमाल जरूरी होता है। यह डाई नसों के जरिए शरीर में एक निश्चित गति और दबाव के साथ पहुंचाई जाती हैं। इसी प्रक्रिया को प्रेशर इंजेक्टर नियंत्रित करता है। इंजेक्टर न होने की वजह से कैंसर, ट्यूमर, हार्ट डिजीज और ब्रेन से जुड़ी कई गंभीर बीमारियों में सटीक रिपोर्ट नहीं मिल पा रही है। डॉक्टरों का कहना है कि ऐसे मामलों में या तो जांच अधूरी रह जाती है या फिर रिपोर्ट स्पष्ट नहीं होती। नतीजतन मरीज को दोबारा जांच करानी पड़ती है, वह भी निजी डायग्नोस्टिक सेंटर में। इससे न सिर्फ इलाज में देरी होती है, बल्कि आर्थिक बोझ भी मरीज पर ही पड़ता है।

किन बीमारियों में इंजेक्टर सबसे ज्यादा जरूरी

ब्रेन ट्यूमर की पहचान- प्रेशर इंजेक्टर का मुख्य काम गैडोलिनियम आधारित कंट्रास्ट डाई को शरीर में सटीक समय और दबाव के साथ पहुंचाना है। यह कई गंभीर बीमारियों की पहचान में अहम भूमिका निभाता है। ट्यूमर और कैंसर के मामलों में इंजेक्टर की मदद से यह स्पष्ट देखा जा सकता है कि ट्यूमर सामान्य ऊतकों से कितना अलग है और उसकी आक्रामकता कितनी है। न्यूरोलॉजी में ब्रेन ट्यूमर, मल्टीपल स्केलेरोसिस और सूजन संबंधी बीमारियों की पहचान कंट्रास्ट एमआरआई से ही सही ढंग से हो पाती है।

हृदय रोग की पहचान- कार्डियोलॉजी में हृदय की मांसपेशियों में डैमेज, ब्लड फ्लो की कमी और हार्ट अटैक के बाद हुए बदलावों का आकलन इंजेक्टर के बिना संभव नहीं है।

भोपाल में दूषित पानी की सप्लाई...कांग्रेस बोली-गंभीर खतरा

निगम में नेता प्रतिपक्ष बोलीं- श्यामला हिल्स, गंगानगर में ज्यादा दिक्कत; तुरंत जांच हो

भोपाल/नवप्रदेश। इंदौर में दूषित पानी पीने से 15 लोगों की जान चली गईं। ऐसा ही खतरा भोपाल में भी मंडरा रहा है। शहर के कई इलाकों में दूषित पानी संबंधित शिकायतें सामने आ रही हैं। इसे लेकर नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष शबिस्ता जकी ने कमिश्नर को पत्र भी लिखा है, जिसमें श्यामला हिल्स, गंगानगर समेत कई इलाकों में दूषित पानी की सप्लाई और गंभीर खतरा होने की बात कही गई है। जकी ने कहा कि वह श्यामला हिल्स की निवासी हैं और यही पर रहती भी है। गंगा नगर, श्यामला हिल में पिछले कई दिन से नलों के माध्यम से जो पानी सप्लाई किया जा रहा है, वह बेहद गंदा, बदबूदार और सीवेज के पानी से मिला हुआ है। यह पानी मानव उपभोग योग्य नहीं है, जिससे क्षेत्रवासियों के सेहत पर गंभीर खतरा बन गया है। उल्टी-दस्त, पेट संबंधी रोग, त्वचा रोग और अन्य संक्रामक बीमारियों की प्रबल आशंका बनी हुई है। इस बारे में पहले

कई बार मौखिक शिकायतें कर चुकी हूं, लेकिन ठोस समाधान नहीं हुआ। ऐसे में खतरा बना हुआ है।

तुरंत जांच कराने की मांग

नेता प्रतिपक्ष जकी ने तुरंत जांच कराने की मांग की है। उन्होंने बताया, गंगा नगर और श्यामला हिल्स क्षेत्र की तत्काल स्थल जांच कराई जाए। जो पानी सप्लाई हो रहा है, उसके सैंपल लिए जाए। समस्या दूर होने तक नगर निगम पानी का वैकल्पिक इंतजाम करें।

पानी के सैंपल को लेकर सवाल...ड्राइवर के हवाले व्यवस्था

दूषित पानी के मुद्दे के बीच भोपाल में एक नया मामला भी सामने आया। जांच में पता चला कि यहां पर निगम के ड्राइवर पानी के सैंपल ले रहे हैं। बुधवार को टीटी नगर और रोशनपुरा से ड्राइवर जांगड़े ने सैंपल लिए थे। साथ ही कई जगह खुद ही टेस्ट ट्यूब में क्लोरीन चेक किया था। इस मामले में महापौर मालती राय ने कहा कि मामले में जांच करवाएंगे।

जेपी नगर में सीवेज में पानी की लाइनें

इधर, जेपी नगर में पानी की लाइनें सीवेज में होना सामने आई है। इसे लेकर गैस पीड़ित संगठनों ने कड़ी आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा कि नगर निगम पानी की लाइनों की तत्काल जांच करें।

महापौर दे चुकीं जांच के आदेश

इंदौर में हुए मामले के बाद भोपाल में भी इंजीनियर ऐसी लाइनों को ढूंढ रहे हैं। महापौर मालती राय ने सब इंजीनियर, असिस्टेंट इंजीनियर और सुपरवाइजरों को निरीक्षण करने को कहा है। वहीं, अधीक्षण यंत्री और कार्यपालन यंत्री को नजर रखने को कहा है। जिससे पता चल सके कि कहीं दूषित पानी की सप्लाई तो नहीं की जा रही है। निरीक्षण के बाद रिपोर्ट देने के आदेश भी दिए हैं। अब तक 500 से अधिक सैंपल लिए जा चुके हैं।

कई जगहों पर मटमैले पानी की शिकायत

जानकारी के अनुसार, कई जगहों पर एचएफए योजनाओं, जेएनएनयूआरएम, अवैध कॉलोनियों, झुग्गियों, हाउसिंग बोर्ड और बीडीए कॉलोनियों में सीवेज-पानी लाइनें आसपास ही है। वहीं, करोंद, ईदगाह हिल्स व 12 नंबर क्षेत्र की मल्टियों में वाल्व सीवेज में डूबे रहते हैं। इसके चलते नगर निगम कॉल सेंटर और सीएम हेल्पलाइन पर हर महीने गंदे पानी की औसत 10 शिकायतें दर्ज हो रही हैं। ईदगाह हिल्स के वाजपेयी नगर, करोंद की हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, रोशनपुरा और नीलबड़ की स्वास्तिक नगर कॉलोनी के रहवासियों ने भी गंदे पानी की सप्लाई की शिकायत की है। लोगों का कहना है कि नलों से बदबूदार और मटमैला पानी आता है, जिसे इस्तेमाल करना मुश्किल हो जाता है।

कांग्रेसी बोले-एक ही चैंबर से सप्लाई

इंदौर मामले के बाद भोपाल में भी प्रशासन अलर्ट है। दूसरी ओर, कांग्रेसी भी गली-मोहल्लों में घूमकर स्थिति का पता लगा रहे हैं। गुरुवार को कांग्रेस नेता मनोज शुक्ला के साथ स्थानीय पार्षद एवं नागरिकों ने जल स्रोत का निरीक्षण किया था और नगर निगम से इस मामले में तुरंत एक्शन लेने की मांग की थी। शुक्ला ने आरोप लगाया है कि लंबे समय से इस मामले की शिकायत नगर निगम से की गई, लेकिन नागरिकों की सुनवाई नहीं हुई है। यदि जल्द ही स्थिति में सुधार नहीं हुआ तो भोपाल में भी इंदौर की तरह अनहोनी होने की आशंका बनी हुई है। स्थानीय नागरिकों ने बताया कि नरेला और करोंद इलाके के रहवासी क्षेत्रों में नगर निगम ने सीवेज बनाने के लिए चैंबर बनाए थे और बाद में वाटर सप्लाई लाइन भी इन्हीं में से निकाल दी।

मुख्यमंत्री डॉ.यादव के नेतृत्व में सौर ऊर्जा संयंत्रों में लगातार होगी वृद्धि : एसीएस श्रीवास्तव

केंद्र शासन के अधिकारियों के साथ भोपाल में हुई बैठक

भोपाल/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश में हरित ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए निरंतर योजनाबद्ध प्रयास किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के मार्गदर्शन में किए जा रहे कार्यों से भविष्य में सौर ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। अपर मुख्य सचिव नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा श्री मनु श्रीवास्तव ने कहा कि केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का प्रदेश में बेहतर एवं प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा रहा है। उन्होंने योजना की प्रगति की समीक्षा एवं भविष्य की रणनीति को लेकर शुक्रवार को मध्यप्रदेश ऊर्जा विकास निगम, भोपाल में हुई महत्वपूर्ण बैठक में यह बातें कही। एमडी ऊर्जा विकास निगम श्री अमनबीर सिंह बैंस बताया कि प्रदेश में अब तक 83,330 घरों

में सौर ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना की जा चुकी है। वर्तमान में मध्यप्रदेश में लगभग 1150 वेन्डर्स सौर संयंत्र स्थापना के कार्य में सक्रिय रूप से संलग्न हैं। घरेलू उपभोक्ताओं की संख्या में वृद्धि के लिए व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार अभियान को और तेज किए जाने पर भी सहमति बनी।

बैठक में सौर संयंत्रों की स्थापना के दौरान आने वाली व्यावहारिक कठिनाइयों एवं उनके संभावित समाधानों पर विस्तार से चर्चा की गई। वेन्डर्स, बैंकों एवं विभागीय अधिकारियों द्वारा घरेलू क्षेत्रों में सौर संयंत्र स्थापना के 6 लाख के निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए विभिन्न बिंदुओं पर सहमति व्यक्त की गई।बैठक में विश्वास व्यक्त किया गया कि शासन स्तर पर किए जा रहे सतत प्रयासों के परिणामस्वरूप आने वाले समय मे यह पहल पर्यावरण संरक्षण की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी। साथ ही आम नागरिकों को सस्ती और स्वच्छ बिजली उपलब्ध कराने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

बैठक में भारत सरकार के नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी श्री जे.के. जेठानी (सीनियर डायरेक्टर), श्री अनुभव उप्पल (साइंटिस्ट-डी), श्री मनीष सिंह बिष्ट (साइंटिस्ट-डी), श्री सुभन खान (कंसल्टेंट, PMU) सहित तीनों विद्युत वितरण कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारी, REC लिमिटेड, विभिन्न बैंकों के प्रतिनिधि, वेन्डर्स एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

21 सूत्री मांगों को लेकर शिक्षक संघ का आक्रोश, भोपाल में सरकार के खिलाफ बड़ा प्रदर्शन

भोपाल/नवप्रदेश। 21 सूत्री मांगों को लेकर शिक्षक संघ ने भोपाल में जोरदार और कड़ा प्रदर्शन किया। शिक्षकों ने वेतन विसंगति, पदोन्नति, पुरानी पेंशन, भर्ती और सेवा शर्तों में सुधार जैसी मांगों को लेकर सरकार पर अनदेखी का आरोप लगाया। संघ ने चेतावनी दी कि मांगें नहीं मानी गईं तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। वर्षों से लंबित मांगों को लेकर शिक्षक संघ ने राजधानी भोपाल में कड़ा और आक्रामक प्रदर्शन किया। प्रदेशभर से बड़ी संख्या जुटे शिक्षकों ने 21 सूत्री मांगों को लेकर सरकार को चेतावनी दी कि यदि जल्द निर्णय नहीं हुआ तो आंदोलन और उग्र किया जाएगा। प्रदर्शन के दौरान शिक्षक संघ ने साफ कहा कि अब सिर्फ आश्वासन नहीं, ठोस फैसले चाहिए।

शिक्षा व्यवस्था को संभालने वाले शिक्षकों की अनदेखी

शिक्षकों का आरोप है कि शिक्षा व्यवस्था को संभालने वाले शिक्षकों की अनदेखी लगातार की जा रही है। वेतन, पदोन्नति और सेवा शर्तों से जुड़े मुद्दे वर्षों से अटके हैं, जिससे शिक्षकों में भारी असंतोष है। प्रदर्शन के दौरान नारेबाजी करते हुए शिक्षकों ने सरकार पर वादाखिलाफी का आरोप लगाया। शिक्षक संघ के प्रतिनिधिमंडल ने अपनी मांगों का ज्ञापन शासन-प्रशासन को सौंपा। संघ नेताओं ने दो टूक कहा कि यदि सरकार ने जल्द संवाद कर निर्णय नहीं लिया, तो चरणबद्ध आंदोलन, कार्य बहिष्कार और प्रदेशव्यापी प्रदर्शन किया जाएगा।

जुए में रकम हारने के बाद गार्ड का सुसाइड: सुसाइड नोट में लिखा- 70 हजार हारा था

भोपाल/नवप्रदेश। बिलखिरिया इलाके में जुए में 70 हजार रुपए हार जाने से दुखी सिक्योरिटी गार्ड ने अपने घर में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। परिजनों ने फड़ संचालक पर प्रताड़ित करने के आरोप भी लगाए हैं। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। घटना गुरुवार की रात की है। कटनी स्थित गांव से लौटे परिजनों की मौजूदगी में शुक्रवार को शव का पीएम कराया गया। पुलिस के मुताबिक महाकाल सिटी में रहने वाले 50 वर्षीय राजेश त्रिपाठी एक निजी कॉलेज में सिक्योरिटी गार्ड थे। उसकी पत्नी और बच्चे गांव चले गए थे, और वह घर में अकेला था। शुक्रवार की सुबह उसने अपने घर में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतक का शव बरामद कर उसे पीएम के लिए भेज दिया।

सुसाइड नोट में पैसों का जिक्र

कमरे की तलाश में पुलिस को एक सुसाइड नोट मिला। जिसमें उसने लिखा था कि वह जुए में 70 हजार रुपए हार गया था। उसे 2 जनवरी को 11 हजार रुपए उधारी के देने थे, लेकिन उसके पास रुपयों की व्यवस्था नहीं हो पाई। इसलिए वह अपनी जान दे रहा है।

बेटा बोला गांव का सुदीप प्रताड़ित करता था

मृतक के बेटे रोहित त्रिपाठी ने बताया कि गांव में रहने वाला सुदीप जुआ चलाता है। हम बीते पांच दिन से पारिवारिक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए कटनी स्थित गांव गए थे। गुरुवार की रात पिता की मौत की सूचना पुलिस ने दी। इसके बाद शुक्रवार को सीधा गांधी मेडिकल कॉलेज की मर्चुरी में आए हैं। पिता को गांव के सुदीप ने सुसाइड के लिए मजबूर किया है।

आरजीपीवी में गड़बड़ियों के साए के बाद नए कुलपति की तलाश, राजभवन ने शुरू की आवेदन प्रक्रिया

भोपाल/नवप्रदेश। आरजीपीवी में प्रशासनिक और अन्य गड़बड़ियों के आरोपों के बाद कुलपति के इस्तीफे से पद खाली हुआ, जिसके बाद अब नए कुलपति की नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू की गई है। राजभवन ने ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए हैं। नए कुलपति के सामने विश्वविद्यालय में पारदर्शिता बहाल करने, प्रशासनिक सुधार और शैक्षणिक गुणवत्ता को मजबूत करने की बड़ी चुनौती रहेगी। राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (आरजीपीवी) में लंबे समय से चल रहे विवादों और गड़बड़ियों के आरोपों के बाद अब नए कुलपति की नियुक्ति की प्रक्रिया औपचारिक रूप से शुरू कर दी गई है। राजभवन की ओर

से जारी अधिसूचना के अनुसार कुलपति पद के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इच्छुक अभ्यर्थी 10 फरवरी 2026 तक आवेदन कर सकते हैं। दरअसल, आरजीपीवी हाल के वर्षों में लगातार विवादों में रहा है। विश्वविद्यालय के प्रशासन, वित्तीय लेनदेन और शैक्षणिक प्रक्रियाओं को लेकर सवाल उठते रहे हैं। इन्हीं आरोपों के बीच हाल ही में कुलपति ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था, जिसे राज्यपाल ने स्वीकार कर लिया। इसके बाद से विश्वविद्यालय का प्रशासन अस्थायी व्यवस्था के सहारे संचालित हो रहा है। दरअसल, कुलपति के खिलाफ विश्वविद्यालय की आंतरिक कार्यप्रणाली, मूल्यांकन प्रक्रिया और प्रशासनिक फैसलों को लेकर गंभीर आपत्तियां सामने आई थीं। छात्र संगठनों ने इन मुद्दों को लेकर विरोध दर्ज कराया था। बढ़ते दबाव और विवाद की स्थिति को देखते हुए कुलपति ने पद छोड़ना उचित समझा। इसके बाद उच्च स्तर पर यह निर्णय लिया गया कि नए कुलपति की नियुक्ति पारदर्शी प्रक्रिया के तहत की जाए। गौरतलब है कि आरजीपीवी प्रदेश का सबसे बड़ा तकनीकी विश्वविद्यालय है, जिससे सैकड़ों इंजीनियरिंग और तकनीकी संस्थान जुड़े हुए हैं। ऐसे में कुलपति की नियुक्ति को लेकर सरकार और राजभवन दोनों ही बेहद सतर्क नजर आ रहे हैं। माना जा रहा है कि नए कुलपति के सामने विश्वविद्यालय की छवि सुधारने, प्रशासनिक पारदर्शिता बढ़ाने और शैक्षणिक गुणवत्ता को मजबूत करने की बड़ी चुनौती होगी। राजभवन की अधिसूचना में स्पष्ट किया गया है कि कुलपति की नियुक्ति राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय अधिनियम 1998 के तहत गठित चयन समिति की अनुशंसा पर राज्यपाल द्वारा की जाएगी। नियुक्त कुलपति का कार्यकाल पदभार ग्रहण करने की तिथि से चार वर्ष का होगा।

भोपाल में जेसीबी की टक्कर से युवक की मौत

भोपाल/नवप्रदेश। भोपाल के सूखी सेवनिया इलाके में एक जेसीबी ने बाइक सवार तीन युवकों को टक्कर मार दी। हादसे में एक युवक की मौत हो गई। घटना गुरुवार की रात की है। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। आरोपी जेसीबी चालक की गिरफ्तारी फिलहाल नहीं हो सकी है। पुलिस के मुताबिक अभिषेक कुशवाह पिता रामकिशन कुशवाह (19) निवासी इमलिया कॉलोनी मजदूरी करता था। 6 भाईयों में दूसरे नंबर का अभिषेक, दोस्त राजा और भोला के साथ बाइक पर सवार होकर सब्जी लेने के लिए निकला था। इमलिया हाईवे पर आते ही उनकी बाइक को सामने से आ रही एक जेसीबी ने टक्कर मार दी। हादसे में बाइक चला रहे अभिषेक की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि टक्कर लगने से दोनों दोस्त दूर जा गिरे, जिससे उन्हें मामूली चोट आई हैं।

सीमेंट फैक्ट्री की जेसीबी से हुआ हादसा

मृतक के प?ोसी गौरव मीणा ने बताया कि जिस जेसीबी ने टक्कर मारी है, वह मुगालिया में स्थित एक सीमेंट फैक्ट्री थी। हादसे के बाद आरोपी चालक जेसीबी को लेकर मौके से फरार हो गया था। हालांकि वाहन नंबर पुलिस को दिया, जिसके बाद जेसीबी को थाने में खड़ा कर लिया गया है। आरोपी चालक की अभी गिरफ्तारी नहीं की जा सकी है।

भोपाल में राजू की तलाश में 6 राज्यों की पुलिस

देशभर में डेरे को संरक्षण देने वालों का डेटा तैयार होगा, पुलिस नेटवर्क ध्वस्त करने में जुटी

भोपाल/नवप्रदेश। भोपाल के ईरानी डेरा अमन कॉलोनी के प्रमुख कुख्यात राजू ईरानी और उसके गिरोह के पांच सदस्यों की तलाश में 6 राज्यों की पुलिस ने भोपाल में डेरा डाल रखा है। इसी के साथ भोपाल पुलिस ईरानी डेरा को अपराधियों को संरक्षण देने वाले तमाम राज्यों में मौजूद उनके करीबियों का डेटा तैयार कर रही है। गिरफ्तार ईरानी गैंग के सदस्यों से उनके काम करने के तरीके, संरक्षण देने वाले और अन्य राज्यों में रहने वाले उनके रिश्तेदारों की जानकारी पुलिस ने हासिल की थी। भोपाल के ईरानी गैंग के सदस्य वारदातों के बाद प्रमुख रूप से नर्मदापुरम, देवास, मुंबई, बैंगलुरू, दिल्ली, छत्तीसगढ़ जैसे जगहों में फरारी काटने जाते हैं। इसी प्रकार उनके अन्य राज्यों में

रहने वाले रिश्तेदार वहां वारदातों के बाद भोपाल की अमन कॉलोनी में फरारी काटने आते हैं।

भोपाल में ईरानी गैंग पर तीन और लूट के केस दर्ज

तीन थाना क्षेत्रों में ईरानी डेरे के बदमाशों ने मोबाइल फोन की झपटमारी की थी। आरोपियों के पकड़े जाने के बाद खुलासा होने पर पुलिस ने केस दर्ज किया। टीटी नगर पुलिस के अनुसार गणेश दोहरे नाम का युवक प्राइवेट काम करता है। गत 25 दिसंबर को वह डिपो चौराहे के पास से पैदल ही गुजर रहा था। इसी दौरान अज्ञात बाइकसवार युवक आया और गणेश के हाथ से मोबाइल झपटकर भाग निकला। पुलिस ने इस मामले में गत दिवस शिकायत मिलने पर प्रकरण दर्ज किया। तस्दीक के दौरान पता चला मोबाइल झपटमारी का आरोपी ईरानी डेरा गैंग का सदस्य है। पिछले दिनों दी गई दबिश में उसे दबोचा गया था।

2 दिसंबर की वारदात, अब केस दर्ज

गोविंदपुरा इलाके में पिछले साल 2 दिसंबर को भी एक वारदात हुई थी। फरियादी सौरभ गजभिए रचना नगर अंडरब्रिज के पास से गुजर रहे थे। इसी दौरान बाइकसवार बदमाशों ने उनके हाथ से मोबाइल फोन छीन लिया था। मामले की शिकायत उन्होंने पोर्टल पर पुलिस को की थी। यहां से वह शिकायत साइबर सेल चली गई। साइबर सेल में जब झपटे गए मोबाइल फोन की ट्रेकिंग की गई तो पता चला कि वह फोन अमन कॉलोनी स्थित डेरे में सक्रिय है। साइबर सेल ने यह शिकायत गोविंदपुरा थाने में की। पुलिस ने झपटमारी का प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। निशातपुरा पुलिस ने भी लूट की एफआईआर दर्ज की है। पुलिस ने बताया की 18 वर्षीय विशाल शाक्य पिता राधेश्याम शाक्य गत 3 दिसंबर को रात पौने ग्यारह बजे जेपी नगर के पास से गुजर रहा था। इसी दौरान बाइकसवार तीन बदमाशों ने विशाल का मोबाइल झपट लिया था। इस मामले में भी पुलिस ने शिकायत मिलने पर गत दिवस प्रकरण दर्ज किया। केस लंबी जांच के बाद दर्ज किया जाना बताया जा रहा है। तीनों ही मामलों आरोपी ईरानी डेरा गैंग दबिश के दौरान पकड़े जा चुके हैं। तथा उन्होंने झपटमारी और चोरी की गई वारदातें कबूल भी की हैं। अमन कॉलोनी में बने ईरानी डेरे के कागजात की छानबीन प्रशासन की टीम कर रही है। इसी के साथ नगर निगम की बिल्डिंग परमिशन और अतिक्रमण शाखा भी डेरे पर बने मकानों की जांच कर रही है। नियम विरुद्ध बने मकानों पर जल्द प्रशासन का बुल्डोजर चल सकता है।

■ न्यूज गैलरी

जिला पंचायत कार्यों की विस्तृत समीक्षा बैठक संपन्न

गुना/नवप्रदेश। कलेक्ट्रेट सभागार में आज कलेक्टर श्री किशोर कुमार कन्याल की अध्यक्षता में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री अभिषेक दुबे सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। बैठक के प्रारंभ में कलेक्टर श्री कन्याल द्वारा ÷एक बगिया माँ के नाम÷ अभियान की प्रगति की समीक्षा की गई। अभियान के अंतर्गत किए गए कार्यों, लगाए गए पौधों की संख्या, वित्तीय प्रगति एवं दीर्घकालिक लाभों पर विस्तार से चर्चा करते हुए उन्होंने निर्देश दिए कि अभियान से अधिकाधिक स्व-सहायता समूहों की महिलाओं को जोड़ा जाए, ताकि आजीविका संवर्धन के साथ पर्यावरण संरक्षण का उद्देश्य भी सुदृढ़ हो।जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत संचालित वाटर हार्वेस्टिंग कार्यों की फील्ड स्तर पर जांच सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए कलेक्टर ने कहा कि सभी कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण किए जाएं। उन्होंने खेत तालाब, डगवेल रिचार्ज एवं अमृत सरोवर जैसे कार्यों को प्राथमिकता के साथ शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), जनमन आवास तथा आवास प्लस योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने समय-सीमा में लक्ष्य पूर्ण करने पर बल दिया। साथ ही पंचायत स्तर पर निर्माणाधीन पंचायत भवन, सामुदायिक भवन एवं 15वें वित्त आयोग के अंतर्गत स्वीकृत कार्यों को तय समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में ÷लखपति दीदी÷ के अंतर्गत महिलाओं की संख्या में वृद्धि करने तथा जिले के स्व-सहायता समूहों को प्रदेश के शीर्ष पाँच में शामिल करने के लिए ठोस एवं परिणामोन्मुखी प्रयास करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर श्री कन्याल ने पंचायत स्तर पर आयोजित जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों का शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए कहा कि लंबित प्रकरणों की नियमित समीक्षा कर स्थिति रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। निर्माण कार्यों की समीक्षा के दौरान संबंधित इंजीनियरों को नियमित फील्ड विज़िट, ऑन-साइट निगरानी तथा गुणवत्ता नियंत्रण मानकों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही संविदाकारों के भुगतान समय पर करने एवं किसी भी प्रकार की अनावश्यक पेंडेंसी न रखने के निर्देश भी दिए गए

कलेक्टर की अध्यक्षता में एपीसी की बैठक आयोजित

अशोक नगर/नवप्रदेश। कलेक्टर श्री आदित्य सिंह की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में एपीसी की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कृषि, उद्यानिकी, सहकारिता, मत्स्य पशुपालन एवं डेयरी पालन विभाग की समीक्षा की गई। बैठक में वित्तीय वर्ष 2025-26 के लक्ष्यों की पूर्ति और विभागीय योजनाओं की प्रगति की विस्तार से समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर ने निर्देश दिए कि उर्वरक खाद वितरण व्यवस्था का संचालन सुचारू रूप से हो यह सुनिश्चित करें। उन्होंने विक्रय केन्द्रों के माध्यम से खाद वितरण के संबंध में विस्तार से समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिए। बीज वितरण के लक्ष्य,उपलब्धता,भण्डारन एवं वितरण की क्लस्टरवार समीक्षा की गई। साथ ही रबी बुवाई के लक्ष्य पूर्ति के संबंध में समीक्षा की गई। उन्होंने पीएम किसान,फॉर्मर रजिस्ट्री की प्रगति के बारे में आवश्यक निर्देश दिए। कृषि विभाग की सिंचाई योजनान्तर्गत ड्रिप स्प्रिंकलर की प्रगति,प्रेशराईज्ड पाईप प्रणाली,सूक्ष्म सिंचाई के लक्ष्य पूर्ति तथा भौतिक एवं वित्तीय प्रगति की समीक्षा की गई। उन्होंने अधिक से अधिक नवीन मिट्टी परीक्षण कराये जाने हेतु निर्देश दिए। उन्होंने जिला स्तर पर माह फरवरी में आयोजित होने वाले जिला स्तरीय कृषि विज्ञान मेला हेतु सभी आवश्यक तैयारियां तथा हितग्राहियों को लाभान्वित किये जाने के संबंध में विस्तृत निर्देश दिए। बैठक में नेचुरल फॉर्मिंग,जैविक हाट बाजार के संबंध में विस्तार से समीक्षा की गई। उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण के तहत सब्जी उत्पादन कृषक प्रशिक्षण,उद्यानिकी फसलों का रकबा बढाने एवं उद्यानिकी हाई वैल्यू क्रॉप,संरक्षित खेती के संबंध में समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिए गए। कृषि उपज मंडी के तहत कृषि उपज विक्रय की प्रगति,एमपी फॉर्म गेट एप पर संपादित संव्यवहार,ई-अनुज्ञा प्रणाली तथा ई-मंडी योजना की समीक्षा की गई।पशुपालन विभाग द्वारा संचालित दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान की प्रगति,नस्ल सुधार लक्ष्य एवं उपलब्धि,पशु टीकाकरण,राष्ट्रीय पशुधन मिशन,पशु क्रेडिट कार्ड,राष्ट्रीय गोकुल मिशन के अंतर्गत समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिए। मस्त्य विभाग के तहत मत्स्य संपदा प्रशिक्षण,किसान क्रेडिट कार्ड की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने सहकारिता के अंतर्गत पैक्स पुनर्गठन की प्रगति,डीबीटी के माध्यम से जिले के कृषकों को लक्ष्य एवं उपलब्धि के संबंध में समीक्षा कर निर्देश दिए। उन्होंने नागरिक आपूर्ति निगम द्वारा जिले में मध्यप्रदेश सिविल सप्लाईजर्स कॉर्पोरेशन लिमिटेड के माध्यम से सार्वजनिक वितरण प्रणाली का खाद्यान्न आवंटन,उठाव एवं वितरण के संबंध में विस्तार से समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री राजेश जैन सहित संबंधित विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित थे।

नये सत्र में और सुदृढ़ करें स्कूली शिक्षा व्यवस्था : मंत्री उदय प्रताप सिंह

भोपाल/नवप्रदेश। स्कूली शिक्षा, व्यक्ति, समाज और देश के भविष्य को तैयार करती है। यह हमारी जिम्मेदारी है कि, हम बच्चों को गुणवत्तायुक्त शिक्षा प्रदान कर बेहतर भविष्य प्रदान करें। स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह ने मंत्रालय के सभा भवन में स्कूल शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक में विभागीय अधिकारियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बैठक में विभागीय कार्यों की प्रगति की समीक्षा कर कक्षा-एक में नामांकन प्रगति और निःशुल्क पाठ्यपुस्तक, साइकिल, स्कूटी और लेपटॉप वितरण तथा विभिन्न हितग्राही राशियों के अंतरण जैसी योजनाओं के समयबध्द क्रियान्वयन पर प्रसन्नता व्यक्त की। प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा विगत 31 दिसम्बर 2025 को आयोजित राज्यों के मुख्य सचिव सम्मेलन में स्कूली शिक्षा से संबंधित प्रमुख बिंदुओं की जानकारी सचिव स्कूल शिक्षा डॉ. संजय गोयल ने बैठक में दी।

स्कूली शिक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने पर जोर

स्कूल शिक्षा मंत्री श्री सिंह ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अपेक्षाओं और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार स्कूली शिक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने पर जोर दिया। उन्होंने भविष्य की योजनाओं के क्रियान्वयन पर चर्चा करते हुए समयबध्दता के साथ क्रियान्वयन के निर्देश दिये। उन्होंने विभिन्न क्रय प्रक्रियाओं को नियमानुसार सरल बनाते हुए गुणवत्ता और समयसीमा में कार्य संपादित करने के निर्देश भी दिये।

विद्यार्थियों को मातृ भाषा में प्राथमिक शिक्षण और अन्य वैश्विक भाषाओं का भी ज्ञान

मंत्री श्री सिंह ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुक्रम में प्रदेश में अब तक हुए कार्यो पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि, बाल्यावस्था में सहज और रूचिकर शिक्षा के लिए मातृ भाषा में शिक्षण जितना आवश्यक है, वैश्विक समाज में प्रतिस्पर्धा और स्थापन के लिए अन्य वैश्विक भाषाओं का ज्ञान भी उतना ही आवश्क है। इस दिशा में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के दिशा निर्देशों के अनुरूप प्राथमिक और उच्च माध्यमिक स्तर पर शिक्षण व्यवस्था सुनिश्चित करने के प्रयास किए जाएं। विभाग द्वारा प्रदेश के समस्त शाला भवनों में विद्युत कनेक्शन करने के लिये आवश्यक राशि विद्युत वितरण कंम्पनियों को उपलब्ध कराई जा चुकी है। मंत्री श्री सिंह ने माह फरवरी 2026 तक समस्त शाला भवनों में विद्युत कनेक्शन सुनिश्चित करने के निर्देश प्रदान किये। इस कार्य की साप्ताहिक समीक्षा भी करने के लिये विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया।

निजी विद्यालयों को भी कम कीमत पर गुणवत्तायुक्त पाठ्य पुस्तकें

स्कूल शिक्षा मंत्री श्री सिंह ने आगामी सत्र के पूर्व ही समस्त पाठ्य पुस्तकें मुद्रित कराने के निर्देश प्रदान किए। उन्होंने एमपी बोर्ड पाठ्यक्रम संचालित करने वाले निजी विद्यालयों के विद्यार्थियों को भी कम कीमत पर उक्त पाठ्य पुस्तकें उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निजी विद्यालयों के साथ बैठकें कर उनकी आवश्यकता का आंकलन किया जाए। आवश्यकता अनुसार निजी विद्यालयों के विद्यार्थियों के लिये भी गुणवत्तायुक्त पाठ्य पुस्तकों की कम कीमत पर उपलब्धता सुनिश्चित करें। विभाग की इस सुविधा का विद्यार्थियों और अभिभावकों के मध्य व्यापक प्रचार प्रसार भी किया जाये।

एआई और आईटी की व्यवसायिक शिक्षा

माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों को कोडिंग का प्रशिक्षण

विभागीय प्रयासों की प्रशंसा करते हुए मंत्री श्री सिंह ने प्रदेश के लगभग 3 हजार 300 हाई और हायर सैकण्डरी विद्यालयों में कक्षा 9वीं से व्यवसायिक शिक्षा अंतर्गत एआई एवं आईटी विषयों पर आधारित कोर्स के संचालन तथा कक्षा 6वीं से 8वीं तक के विद्यार्थियों के लिये कोडिंग के प्रशिक्षण का सुचारू संचालन के निर्देश दिये।

कायाकल्प अभियान अंतर्गत विद्यालयों में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार

स्कूल शिक्षा मंत्री श्री सिंह ने कायाकल्प अभियान अंतर्गत विद्यालयों में आधारभूत सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करते हुए प्रगति की साप्ताहिक समीक्षा करने के दिशा-निर्देश दिए। शाला परिसरों की बाउड्रीवॉल के प्रस्ताव आगामी वार्षिक कार्य योजना में भेजने और भारत सरकार से इसके लिये आग्रह करने को भी कहा। उन्होने यथाशीघ्र पूर्ण रूपेण क्रियाशील बालिका शौचालयों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश भी प्रदान किए। मंत्री श्री सिंह ने कहा कि, शालाओं के उचित रख-रखाव के लिये नियत आकस्मिक निधि की राशि में बढौतरी के लिये आवश्यकतानुसार अतिरिक्त बजट प्रावधान भी किया जाये। मंत्री श्री सिंह ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि, बच्चों की प्रतिभा अनुसार खेलों ओर प्रशिक्षण की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएं। प्रधानमंत्री की मंशानुसार हमें वर्ष 2036 के ओलपिंक खेलों को ध्यान में रख खिलाडी और खेल सुविधाएं

अंतर्राष्ट्रीय सहयोग से मध्यप्रदेश के कौशल विकास को बनाएंगे सशक्त : मंत्री टेटवाल

वैश्विक स्किलिंग मॉडल से प्रदेश के युवाओं के लिए खुलेंगे अवसरों के द्वार

जीएसपी के 16 बच्चों ने सिंगापुर में पूरा किया प्रशिक्षण

भोपाल/नवप्रदेश। कौशल विकास एवं रोजगार राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री गौतम टेटवाल ने कहा कि सिंगापुर की आईटीईईएस (ITEES) जैसी प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय संस्था का सहयोग प्रदेश के कौशल विकास इकोसिस्टम के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि यही संस्था भोपाल में स्थापित विश्वस्तरीय संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल पार्क की प्रमुख सहयोगी रही है और इस साझेदारी ने मध्यप्रदेश को अंतर्राष्ट्रीय स्किलिंग मानचित्र पर सशक्त पहचान दी है। मंत्री श्री टेटवाल ने शुक्रवार को ढ्ढञ्जश्वश्वस् के भ्रमण के दौरान यह बात कही। मंत्री श्री टेटवाल 2 से 7 जनवरी तक सिंगापुर भ्रमण पर हैं। मंत्री श्री टेटवाल ने कहा कि इस भ्रमण का उद्देश्य केवल संस्थागत अध्ययन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह समझना है कि भविष्य की जरूरतों के अनुरूप युवाओं को कैसे वैश्विक प्रतिस्पर्धा एवं इंडस्ट्री के मांग के अनुरूप कौशल प्रशिक्षण दिया जाकर तैयार किया जाए। उन्होंने बताया कि सिंगापुर का स्किलिंग मॉडल उद्योग से सीधे जुड़ा हुआ है, जहां प्रशिक्षण, तकनीकी दक्षता और रोजगार के बीच स्पष्ट तालमेल दिखाई देता है। ऐसे अनुभव मध्यप्रदेश में कौशल प्रशिक्षण को और अधिक प्रभावी बनाने में सहायक होंगे। मंत्री श्री टेटवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सपनों और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के दूरदर्शी मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश कौशल विकास के क्षेत्र में लगातार नए आयाम स्थापित कर रहा है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार का फोकस यह सुनिश्चित करना है कि कौशल प्रशिक्षण का लाभ समाज के गरीब और वंचित तबके के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और युवाओं को आत्मनिर्भर बनाया जा सके। मंत्री श्री टेटवाल ने कहा कि कभी यह कल्पना करना भी कठिन था कि प्रदेश के साधारण परिवारों के बच्चे सिंगापुर जैसी अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं में प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे, लेकिन आज यह संभव हो सका है। उन्होंने इसे प्रदेश के लिए गौरव का विषय बताया। मंत्री डॉ. टेटवाल ने बताया कि एसएसआर ग्लोबल स्किल पार्क 16 विद्यार्थियों का 17 से 25 दिसम्बर तक एक्सपोज़र प्रशिक्षण सिंगापुर में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ है। जिसमें 7 ल?कियां भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि इस बात का प्रमाण है कि मध्य प्रदेश में कौशल विकास को लेकर अपनाई गई नीतियां जमीनी स्तर पर सकारात्मक परिणाम दे रही हैं। मंत्री श्री टेटवाल ने कहा कि सिंगापुर प्रवास के दौरान हुए संवाद और अनुभव भविष्य में अंतरराष्ट्रीय सहयोग को और सुदृढ़ करेंगे। उन्होंने बताया कि कौशल विकास एवं रोजगार विभाग का लक्ष्य ऐसे प्रशिक्षण मॉडल विकसित करना है, जो स्थानीय आवश्यकताओं के साथ-साथ वैश्विक इंडस्ट्री की मांगों के अनुरूप हों और प्रदेश के युवाओं को अंतरराष्ट्रीय कार्यबल का हिस्सा बनने का अवसर प्रदान करें।

विदिशा एनआरसी वार्ड में कुपोषित बच्चों को पोषण किट का वितरण किया गया

जिला प्रशासन की नवीन पहल पोषण संजीवनी अभियान अंतर्गत अब तक 1235 कुपोषित बच्चों को पोषण किट वितरण की गई

विदिशा/नवप्रदेश। कुपोषण मुक्त विदिशा हेतु कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता की नवीन पहल एवं नवाचार पोषण संजीवनी अभियान विदिशा एनआरसी में आज शुक्रवार को महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती विनीता कांसबा द्वारा कुपोषित बच्चों को किट वितरण किया गया। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता एवं जिला पंचायत सीईओ श्री ओपी सनोडिया के मार्गदर्शन में जिले में 5 वर्ष तक की उम्र के बच्चों में गंभीर (तीव्र) कुपोषण से लड़ने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए पोषण संजीवनी अभियान (कुपोषण मुक्त विदिशा)शुरू किया गया है गंभीर कुपोषण से प्रभावी ढंग से निपटने हेतु एक महत्वपूर्ण पहल की गई है।

उक्त कार्यक्रम में जन सहयोग के माध्यम से अति कुपोषित बच्चों के लिए पोषण किट तैयार करवाया गया है बिना जन सहयोग एवं जन जागरूकता के पोषण से लड़ना आसान नहीं है इसी बात को ध्यान में रखते हुए जिले के विभिन्न क्षेत्र में कार्य करने वाले समाजसेवी जन प्रतिनिधि शासकीय अधिकारियोंध् कर्मचारियों के सहयोग लेते हुए बच्चों के लिए पोषण किट तैयार किया गया है। पोषण किट में कुपोषित बच्चों को तीन माह तक की पोषण सामाग्री प्रदाय की जाती है जिसमें मूंगफली , मिश्रित सत्तू, बेसन ,चावल ,मूंग दाल ,गुड ,तेल, चना ,सोयाबीन बड़ी एवं घी इत्यादि शामिल हैं इसके अतिरिक्त सभी किट में एक टिफिन बॉक्स एवं पानी बोतल भी प्रदाय की जाती है इस किट में माता एवं बच्चों के देखभाल करने वाले के लिए एक प्रशिक्षण मॉड्यूल भी दिया गया है जो उन्हें इन सामग्रियों से विभिन्न आयु वर्ग के बच्चों के लिए विभिन्न व्यंजन बनाने का तरीका बताता है यह किट आंगनबाड़ी केंद्रों से मिलने वाले नियमित आहार के अतिरिक्त है।

खाद एवं शासकीय योजनाओं का लाभ लेने हेतु फार्मर आईडी अनिवार्य है, एक भी किसान फार्मर आईडी से न छूटे- कलेक्टर

फार्मर आईडी बनवाने की कलेक्टर ने किसानों से की अपील

ग्रामों में लंबित न रहे फौती नामांतरण का एक भी प्रकरण - कलेक्टर

कलेक्टर ने भैरूंदा जनपद के अनेक ग्रामों में विकास कार्यों, वन व्यवस्थापन एवं फार्मर आईडी कैंप सहित अनेक गतिविधियों का किया निरीक्षण

सीहोर/नवप्रदेश। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने भैरूंदा जनपद के अनेक ग्रामों में पहुंचकर विकास एवं निर्माण कार्यों, फॉर्मर रजिस्ट्री, वन व्यवस्थापन सहित विभिन्न गतिविधियों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं का उद्देश्य तभी पूरा होता है जब उनका क्रियान्वयन समय-सीमा में, गुणवत्ता के साथ और पारदर्शिता से किया जाए, इसलिए सभी अधिकारी नियमित मॉनिटरिंग करते हुए कार्यों को प्राथमिकता से पूर्ण कराएं। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री बालागुरू के. सर्वप्रथम ग्राम सेवनिया पहुंचे, जहां उन्होंने पंचायत भवन, आंगनबाड़ी केंद्र एवं विद्यालय की बाउंड्री वॉल का निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि आंगनबाड़ी एवं विद्यालय परिसरों में स्वच्छता तथा मूलभूत सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा जाए और किसी भी प्रकार की कमी पाए जाने पर उसे तत्काल दूर किया जाए, ताकि बच्चों को बेहतर वातावरण मिल सके। इसके साथ ही उन्होंने वन ग्रामों से राजस्व ग्रामों में संपरिवर्तन की कार्यवाही की विस्तार से समीक्षा की।

कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने ग्राम महागांव करिमा में फार्मर रजिस्ट्री के लिए लगाए गए कैंप का निरीक्षण किया और किसानों से संवाद किया। उन्होंने संबंधित पटवारी को निर्देशित किया कि आगामी दिनों में खाद का वितरण ई-टोकन प्रक्रिया से किया जाएगा, जिसके लिए फार्मर आईडी आवश्यक है, इसलिए सहकारी समितियों में पंजीकृत सभी किसानों की फार्मर आईडी शत-प्रतिशत तैयार की जाए। उन्होंने कहा कि कोई भी किसान इससे वंचित न रहे, इसके लिए गांव-गांव जाकर किसानों को फार्मर आईडी बनवाने के लिए प्रेरित किया जाए, क्योंकि खाद प्राप्त करने और शासकीय योजनाओं का लाभ लेने के लिए फार्मर आईडी अनिवार्य है। इसके पश्चात कलेक्टर ग्राम वासुदेव पहुंचे, जहां उन्होंने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्य की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने गांव के दोनों मतदान केंद्रों पर पहुंचकर बीएलओ से अब तक किए गए कार्यों की जानकारी ली और यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि नो-मैपिंग वाले मतदाताओं को नोटिस समय पर तामील किए जाएं, ताकि मतदाता सूची शुद्ध और अद्यतन रह सके। इसके साथ ही उन्होंने ग्राम पंचायत द्वारा किए जा रहे विकास एवं निर्माण कार्यों की भी समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने राजस्व विभाग के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी ग्राम में फौती नामांतरण का कोई भी प्रकरण लंबित न रखा जाए। उन्होंने कहा कि यदि किसी किसान की मृत्यु हो जाती है तो पंचायत द्वारा शीघ्र मृत्यु प्रमाण पत्र जारी किया जाए और उसके पश्चात वैध वारिसों के नाम राजस्व अभिलेखों में तत्काल दर्ज किए जाएं, जिससे हितग्राहियों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। इसी क्रम में कलेक्टर ग्राम नवलगांव पहुंचे, जहां उन्होंने ग्राम पंचायत द्वारा कराए जा रहे विभिन्न विकास कार्यों का निरीक्षण किया तथा वन व्यवस्थापन से संबंधित कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ ग्रामीण विकास को संतुलित रूप से आगे बढ़ाया जाए और पौधारोपण एवं संरक्षण कार्यों में स्थानीय नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित की जाए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने ग्राम गोपालपुर पहुंचकर आयुष विभाग के लिए आवंटित भूमि का निरीक्षण किया तथा राष्ट्रीय राजमार्ग का भी निरीक्षण किया।

बीएसएनएल की विस्तार सेवाओं के प्रचार प्रसार के लिए कार्यक्रम आयोजित

शिवपुरी/नवप्रदेश। भारतीय संचार निगम कार्यालय करेरा के प्रांगण में बुधवार के दिन प्रशासन एवं निगम के शीर्ष अधिकारियों के आतिथ्य में बीएसएनएल की विस्तारित सेवाएं को प्रारंभ किए जाने को लेकर एक भव्य समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अमूल्य कुमार राय द्वितीय कमान अधिकारी आईटीबीपी करेरा थे। वहीं इस कार्यक्रम की अध्यक्षता एसडीएम करेरा अनुराग निगवाल द्वारा की गई, जबकि बतौर विशिष्ट अतिथि डॉ आयुष जाखड़ एसडीओपी करेरा एक दौरान मौजूद रहे। बीएसएनएल के सहायक महाप्रबंधक आर.के.अग्रवाल ने निगम द्वारा शुरू हुई नवीन योजनाओं ,सेवाओं व प्लान उनके विस्तार के बारे में बताया। श्री अग्रवाल ने बताया कि बीएसएनएल फाइबर कनेक्शन मात्र 999 में तीन माह के लिए 25 द्वढ्ढश्चह्य इंटरनेट उपभोक्ताओं को उपलब्ध कराया जा रहा है जिसमें मॉडम या राउटर चार्ज भी उपभोक्ताओं से नहीं लिया जा रहा। उन्होंने बताया कि स्मार्ट टीवी के लिए 499 रूपए प्रतिमाह में 150 चैनल तथा 850 रूपए में 268 चैनल अनलिमिटेड इंटरनेट एवं कॉलिंग के साथ उपलब्ध कराई जा रही है। पुराने टेलीफोन नंबरों को एफटीटीएच पर पुनः चालू कराया जा रहा है जिसमें न्यूनतम 150 रुपए के प्लान शुरू किए गए हैं। उन्होंने कहा कि बीएसएनएल ने करेरा क्षेत्र में 30 नए टावर खड़े करके 4 जी सेवाएं समूचे क्षेत्र में

गांव गांव शुरू कर दीं हैं। बीएसएनएल अपने ग्राहकों को नेटवर्क में जोड़ने को वापस लाने के लिए निःशुल्क पोर्ट इन सुविधा भी प्रदान कर रहा है। इस कार्यक्रम में बीएसएनएल के ग्वालियर डीजीएम एस.के.त्रिषिश्वर एवं सहायक यंत्री अखिलेश कुमार भी उपस्थित रहे। इस दौरान आयोजित पत्रकार वार्ता में करेरा अंचल के समस्त पत्रकार मीडिया साथी भी मौजूद रहे। इस कार्यक्रम का संचालन आर.के.अग्रवाल सहायक महाप्रबंधक शिवपुरी एवं आभार प्रदर्शन कोणार्क कटारे

सुविचार

जिनके पास बहुत पैसा हो ऐसे ढेरों अमीर हैं लेकिन सबसे बड़े अमीर बिरले ही मिलेंगे जिनके पास जिंदगी को खुल कर जीने के लिए बहुत समय होता है।

अर्थव्यवस्था को मजबूती देती आस्था

इस बार नए साल में देश के प्रमुख मंदिरों में श्रद्धालुओं का जो अभुतपूर्व जनसैलाब उमड़ा उसने एक नया कीर्तिमान रच दिया है। धार्मिक स्थलों के प्रति हिन्दुओं की बढ़ती आस्था से वहां की स्थानीय अर्थव्यवस्था को तो मजबूती मिली ही है। साथ ही साथ संबंधित राज्यों और देश की अर्थव्यवस्था भी मजबूत हुई है। अयोध्या, बनारस, मैहर, वैष्णोदेवी और उज्जैन सहित सभी प्रमुख धर्मस्थलों में पिछले एक सप्ताह से प्रतिदिन लाखों की संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। स्थिति यह है कि वहां घंटों का चक्कजाम लग रहा है और भक्तों की मिलों लंबी कतारें लग रही है। इतना कष्ट उठाने के बाद भी श्रद्धालुओं का अपार जनसमूह धर्म स्थलों में लगातार पहुंच रहा है। जिसकी वजह से इन स्थानों पर होटल कम पड़ रहे हैं और टेक्सियों की भी कमी मेहसूस हो रही है। भारी भीड़ की वजह से लोगों को ऐसे स्थानों में दो से तीन दिनों तक रूकने पर बाध्य होना पड़ रहा है। नतीजतन स्थानीय कारोंबार फलफूल रहा है। लोगों की आस्था प्रदेश व देश की अर्थव्यवस्था को जो मजबूती दे रही है वह उन लोगों के मुंह पर करारा तमाचा है जो आयोध्या में श्रीराम मंदिर के निर्माण पर सवालिया निशान लगाते थे और कहा करते थे कि मंदिर बनाने की जगह वहां स्कूल या अस्पताल बनाया जाना चाहिए। ताकि लोगों को लाभ मिले। मंदिर बनाने से क्या होगा? आज आयोध्या में हजारों लोगों को रोजगार के नए साध मिले हैं। फूल माला और प्रसाद बेचने वालों से लेकर ऑटो टैक्सी वाले और होटल वालों की कमाई में कई गुना वृद्धि हो गई है। देश और उत्तरप्रदेश में डबल इंजन की सरकार होने के कारण आयोध्या नगरी और सुंदर व व्यवस्थित हो गई है। रेलवे स्टेशन व हवाई अड्डा अत्याधुनिक व्यवस्था से लैंस हो चुके हैं। श्री राम मंदिर निर्माण के बाद से ही वहां अरबों रूपये की लागत से विभिन्न विकास कार्य अभी भी हो रहे हैं जिनसे हजारों लोगों को रोजगार मिल रहा है जो लोग कहते थे कि मंदिर से क्या रोटी मिलेगी? वे देख सकते हैं कि मंदिर से रोजी और रोटी दोनों ही मिल रहे हैं। इसी तरह प्रयागराज में महाकुंभ के दौरान भी वहां करोड़ो पून्य स्नान करने पहुंचे थे जिससे उत्तरप्रदेश सरकार को करोड़े के राजस्व की प्राप्ति हुई थी। इस बार नए साल में अयोध्या की तरह ही अन्य आस्था के केन्द्रों में भी श्रद्धालुओं का तांता लगा हुआ है। स्थिति यह है कि अब इन धर्मस्थलों में घोषणा कराई जा रही है कि कम से पांच जनवरी तक लोग यहां न आयें। अगले साल उज्जैन में होने वाले कुंभ के लिए वहां विकास की गंगा बहाई जा रही है जिसकी वजह से हजारों लोगों को काम मिल रहा है और उनका परिवार पल रहा है। जबकि कश्मीर और गोवा जैसी जगहों पर पर्यटकों का टोटा बना हुआ है। वहां के होटल विरान पड़े हैं। इससे स्पष्ट है कि अब लोगों की पर्यटन स्थलों की बजाय धार्मिक स्थलों के प्रति रूझान बढ़ रहा है।

नया साल नया संकल्प

डॉ. राजेश कुमार शर्मा

नये साल में नये संकल्प करें
अपने परिवेश को हराभरा करें
जहाँ भी दिखे गंदगी फैली हुई
मिट्टी से गड्ढे भरें स्वच्छता करें
जो अनपढ़ हैं गली मोहल्ले में
उन्हें पढ़ाएं लिखाएं आगे बढ़ाएं
समाज को करें शिक्षित मिलकर
फिर नये साल की खुशियां मनाएं
नये साल में बढ़ती महंगाई रोकें
युवाओं को रोजगार से जोड़ें
जो बैठे हताश होकर घरों में
उन्हें छोटे छोटे उधोगो से जोड़ें
नई उमंग के संग नववर्ष मनाएं
अतीत की घटनाएं भुलाकर
नये विचारों के साथ आगे बढ़ें
नये संकल्प लेकर नये काम करें
ज्ञान विज्ञान कला में नाम कमाएं
खेलकूद में अपना नाम चमकाएं
नये साल में विश्व पटल पर जा
भारत का तिरंगा उँचा लहराएं।

सद्गुरू बोधामृतम्

सदगुरू श्री ऋतेश्वर

◆ सदगुरू कहते हैं विचार प्रमुख है पर विचारों को जन्म देने वाली इंद्रियां है। इंद्रियों का प्लेसमेंट जिन्होंने गुरूमुखी होकर लियाउनके विचार कभी पॉल्यूटेड नहीं होते और विचारों में अगर पाल्यूशन नहीं होगी तो आपके कर्म श्री कृष्ण की प्राप्ति योग्य होंगे।

आज का इतिहास

नई दिल्ली (वार्ता)। 1833 - ब्रिटेन ने दक्षिण अटलांटिक के फ़ॉकलैंड द्वीप पर क़ब्ज़ा जमाया। 1894 - रवीन्द्र नाथ टैगोर ने 'शांति निकेतन' में 'पौष मेला' का उद्घाटन किया। 1901 - 'शांति निकेतन' में ब्रह्मचर्य आश्रम खुला। 1911 - अमेरिका में डाक बचत बैंक का उद्घाटन हुआ। 1929 - महात्मा गांधी लॉर्ड इरविन से मिले। 1943 - टेलीविजन पर पहली बार गुमशुदा लोगों के बारे में सूचना का प्रसारण किया गया। 1956 - फ्रांस में 'एफिल टॉवर' के ऊपरी हिस्से में आग लगने से नुकसान। 1957 - अमेरिका के पेनसिल्वेनिया में पहली बार बिजली घड़ी प्रदर्शित की गयी। 1959 - अलास्का को अमेरिका का 49वां राज्य घोषित किया गया। 1968 - देश के पहले मौसम विज्ञान रॉकेट 'मेनका' का प्रक्षेपण। 1974 - बर्मा में संविधान को अंगीकार किया गया।1991 - इजरायल ने 23 साल बाद सोवियत संघ में वाणिज्य दूतावास को दोबारा खोला। 1993 - अमेरिकी राष्ट्रपति जार्ज बुश एवं रूस के राष्ट्रपति बोरिस येल्तसिन द्वारा 'स्टार्ट द्वितीय' संधि पर हस्ताक्षर किया गया।

ग्रामीण रोजगार योजना अब रामजी भरोसे

डॉ देवेन्द्र नाथ शर्मा

ग्रामीण रोजगार योजना का नाम बदलने पर राजनैतिक बबाल भी उठा है। हिंदी व अंग्रेजी की खिचड़ी भाषा का प्रयोग कर मनरेगा से महात्मा गांधी को विदा कर इसके स्थान पर ग्रामीण रोजगार योजना में राम को लाने के पीछे राजनैतिक कारण तो हैं, पर यह इतना महत्वपूर्ण नहीं है जितना मनरेगा में स्थापित जनता के सवैधानिक 'कार्य के अधिकार' के वैधानिक मूल्य का अंत होना। बेहतर होता कि मनरेगा के क्रियान्वयन संबधी समस्याओं, त्रुटिपूर्ण प्रक्रियाओं, मैदानी कमियों की पहचान कर उनके समाधान का संशोधन इस 'काम के अधिकार' आधारित योजना को और अधिक प्रभावी बनाया जाता जिससे भूमिहीनों और सीमांत व लधु कृषक ग्रामीण परिवारों के आर्थिक-सामाजिक स्थितियों का मजबूत होना और अधिक सुनिश्चित होता।

संसद के शीतकालीन सत्र में जल्दबाज़ी में लाया गया 'विकसित भारत जी राम जी बिल' को 14 घंटे की बहस के बाद विपक्षी दलों के विरोध तथा स्टैंडिंग कमेटी में भेजने की उनकी माँग को नज़रअंदाज़ कर केंद्र सरकार द्वारा ध्वनिमत से आखिर पास करा लिया गया। राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के बाद अब यह एक क़ानून बन गया हैं विकसित भारत ग्रामीण रोज़गार व आजीविका मिशन (वीबी जी राम जी) के नाम से यह नया क़ानून देश में चल रहे देश 20 वर्षों से चल रहे विश्व के सबसे बड़े ग्रामीण रोज़गार योजना मनरेगा की आत्मा और उसके शारीरिक ढांचे को पूर्णतः ध्वस्त व निरस्त करता है। ग्रामीण क्षेत्रों में रोज़गार के अधिकार को प्रदान करने वाला मनरेगा क़ानून अब ऐसी केंद्र प्रवर्तित योजना में बदल गया है जिसमें केंद्र सरकार अपनी मर्जी से प्रदेशों के चयनित क्षेत्रों या ग्राम पंचायतों में ग्रामीणों को उनकी मांग पर रोज़गार उपलब्ध कराएगी।अर्थात रोज़गार की गारंटी उन्हीं ग्रामीणों के लिए होगी जिनकी ग्राम पंचायत का चयन भारत सरकार ने किया होगा। पूरे देश के ग्रामीणों का अब माँग कर रोजगार पाने का वैधानिक अधिकार नहीं रह जाएगा जबकि संविधान के नीति निर्देशक सिद्धांत के तहत अनुच्छेद 39ए और 41 सरकार को हर व्यक्ति के लिए आजीविका के साधन और रोजगार का अधिकार सुनिश्चित करने का निर्देश देता है।

हर वर्ष औसतन 5 करोड़ परिवार मनरेगा का फायदा उठाते रहे हैं द्य कोविड के दौरान ग्रामीण मजदूरों के लिए जीवन रेखा बनी इस योजना से 2020-21 में रिकॉर्ड 7.55 करोड़ ग्रामीणों को रोजगार मिला था। कोविड जैसी राष्ट्रीय संकट और स्थानीय आपदाओं के दौरान मनरेगा ने लाखों परिवारों को भूख से बचाया। करोड़ों ग्रामीणों को पलायन से रोका। 2014 में अब तक 8 करोड ग्रामीणों को रोजगार पहुंचाने में सफल रही। 2006 में जब मनरेगा शुरू हुई तब ग्रामीण गरीबी बेरोजगारी बड़ी चुनौती थी। सरकार का दावा है कि 2011-12 में ग्रामीण बेरोजगारी 25.7 प्रतिशत थी जो अब घटकर 2023-24 में 4.86% से रह गई, आज ग्रामों की सामाजिक-आर्थिक संरचना बेहतर हो चुकी है और मनरेगा में भ्रष्टाचार बढ़ा अतः मनरेगा के स्थान पर जी राम जी योजना लानी पड़ी।

मनरेगा में पहले सौ दिन तक के रोज़गार की गारंटी थी जबकि इस नई योजना में अनुच्छेद 5(1) के अनुसार केंद्र सरकार उन क्षेत्रों को अधिसूचित करेगी जहां 125 दोनों का रोजगार मजदूरों को उपलब्ध कराया जाना है। यानि अब देश के सम्पूर्ण ग्रामीण क्षेत्र में रोजगार उपलब्ध कराने की गारंटी नहीं है। हालाकि, स्थिति यह है कि पिछले 6 वर्षों में औसतन 47 से 52 दिनों का ही रोजगार ग्रामीणों को मिल सका है। शेड्यूल 1 की धारा 6(4) में यह स्पष्ट है कि केंद्र सरकार

राज्यों, जिलों व पंचायती राज संस्थाओं का मार्गदर्शन करेगी ताकि वे प्राथमिकता के अधोसंरचना गैप, कार्यों के डिजाइन का मानकीकरण और कार्यों को पूर्ण करने में जन सहयोग जुटाना सुनिश्चित कर सके। रोजगार के लिए वही कार्य लिए जाएंगे जो प्रधानमंत्री गति शक्ति स्कीम तथा विकसित भारत एजेंडा की प्राथमिकताओं के अंतर्गत होंगे।

दूसरा नीतिगत बदलाव फंडिंग पैटर्न में है। मनरेगा में मज़दूरी भुगतान का 90% भार भारत सरकार तथा 10% राज्य सरकार वहन किया करती थी। अब अनुच्छेद 22(2) के अनुसार केंद्र सरकार मात्र 60% भार वहन करेगी जबकि राज्य सरकार को 40% भार वहन करना होगा। हालाकि उत्तर पूर्व के राज्यों 90:10 अनुपात में फंडिंग जारी रहेगी। देखना यह होगा कि जब केंद्र सरकार मज़दूरी का 90% भार वहन कर रही थी तब बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान जैसे अपेक्षाकृत ज्यादा ग़रीबी वाले राज्यों में 100 की बजाय अधिकतम 50 दिनों का रोज़गार ही उपलब्ध कराया जा सका। राज्यों की माली स्थिति भी ऐसी कमजोर थी जिसके कारण मात्र 10% का उनका योगदान के होने के बावजूद 100 दिनों का रोजगार वे गरीब ग्रामीणों को उपलब्ध नहीं करा सके। अब जब अधिकतर राज्य सरकारें मुफ्त व नगदी स्थानांतरण जैसी योजनाओं व वेतन-भत्तों में अपनी आय का लगभग 80% खर्च कर रहीं हैं और इस कारण से गंभीर आर्थिक संकट से गुजर रहीं हैं, तो वे इस रोजगार योजना में 10% के स्थान पर 40% मज़दूरी का व्यय-भार कितना और कैसे वहन कर सकेंगी ? ऐसी स्थिति में राज्य सरकारें कितनी रुचि व उत्साह से इस योजना के क्रियान्वयन में कितना सहभागी हो पाएंगी। साफहै कि ग्रामीणों को रोजगार मिलने की गारंटी स्लगित होगी और उनकी आर्थिक दशा और खराब होगी, जिससे उनका सामाजिक विकास पर दुष्प्रभाव पड़ेगा। रोजगार की तलाश में मज़दूरों का पलायन बढ़ेगा । अनुच्छेद 4(5) केंद्र सरकार को यह अधिकार देता है कि वह प्रत्येक वित्तीय वर्ष में राज्यों के लिए केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित उद्देश्यों के मापदंडों के अनुरूप अपनी मर्जी से बजट प्रावधान करे। अनुच्छेद 4(6) में यह उल्लेखित है कि राज्य सरकार केंद्र सरकार के द्वारा निर्धारित प्रक्रिया व तरीके से ही राशि का व्यय कर सकेगी। अनुच्छेद 11 के अनुसार बेरोजगारी भत्ता तभी दिया जावेगा जब केंद्र सरकार द्वारा अधिसूचित ग्राम पंचायतों में ही मांग के 15 दिनों के भीतर रोजगार न मिला हो। अनुच्छेद 22(8) के अनुसार इस बेरोजगारी भत्ते के भुगतान का शत प्रतिशत भार राज्य सरकार को ही वहन करना होगा । कुल मिलाकर मांग आधारित 'रोजगार की गारंटी की योजना' अब 'बजट नियंत्रित योजना' में तब्दील हो गई है। अनुच्छेद 6(2) के अनुसार फसलों की बुआई व कटाई के समय 60 दिवसों के लिए ग्रामीणों को रोजगार उपलब्ध नहीं कराया जावेगा। इससे कृषक उद्योगपति व कार्पोरेट्स तथा बड़े किसानों को अपने खेतों में बुवाई व कटाई के समय कम दर पर मजदूर उपलब्ध हो सकेंगे। सशक्तों के हित की ओर जाते इस निर्णय से भूमिहीनों व सीमांत किसान परिवारों को जीवन व्यापन के लिए मजबूरी में समझोता कर शोषित होना होगा। इस नई योजना में ग्राम पंचायतों का चयन, कार्य का निर्धारण, कार्य की अवधि, क्रियान्वयन तथा व्यय व भुगतान की विधि, डिजिटल निगरानी आदि का संपूर्ण नियंत्रण केंद्र सरकार का होगा। राज्य सरकार की जिम्मेदारी केवल 40 प्रतिशत योगदान देने तथा मैदानी स्तर पर तय योजना का क्रियान्वयन करवाने की ही रह जाएगी।

पश्चिम में कम्युनिटी लिविंग का बढ़ता चलन

डॉ. नीलम महेंद्र

पर सवाल यह है कि क्या भावनाओं की भरपाई सेवाओं से हो सकती है? हमें यह समझ नहीं पाए कि संयुक्त परिवार व्यक्ति की पहचान को कुचलता नहीं था, (जैसा आज कहा जाता है) बल्कि वह उसे विस्तार देता था। वहाँ व्यक्ति अकेला नहीं होता था क्योंकि वहाँ असफलता साझा होती थी और सफलता सामूहिक। आज भारतीय समाज जिस तनाव, अवसाद और पारिवारिक टूटन से जूझ रहा है, उसका बड़ा कारण यही है कि हमने रिश्तों की लागत को सुविधाओं के तराजू में तौलना शुरू कर दिया है। हम भूल गए कि परिवार कोई अनुबंध नहीं होता, जिसे लाभ-हानि देखकर निभाया जाए। अपितु वह एक उत्तरदायित्व होता है जो पीढ़ियों को जोड़ता है।

हाल ही में एक रिसर्च में यह बात सामने आई कि ब्रिटेन में परिवार के सदस्यों (दादा-दादी, माता-पिता, बच्चे) या गैर-पारिवारिक सदस्यों के साथ एक छत के नीचे रहने का चलन बढ़ रहा है। सिर्फ माता-पिता के साथ ही नहीं, बल्कि ब्रिटेन, जर्मनी, फ्रांस और अमेरिका जैसे देशों में सैकड़ों कम्युनिटी लिविंग ग्रुप्स बन गए हैं, जहाँ लोग सस्ते में रहते हैं और अकेलेपन से बचते हैं। वहां समाजशास्त्रियों की रिसर्च में यह बात सामने आई है कि कम्युनिटी लिविंग या मल्टी-जेनरेशनल घरों में रहने वाले लोग अकेले या न्यूक्लियर फैमिली (एकल परिवार) में रहने वालों की तुलना में अधिक संतुष्ट और खुश महसूस करते हैं। नतीजन जो लोग अपने घर का खर्च उठा सकते हैं, वे भी अब कम्युनिटी लिविंग चुन रहे हैं, जिससे यह सिर्फ आर्थिक मजबूरी नहीं, बल्कि वहां एक जीवनशैली का विकल्प बनता जा रहा है। इसके विपरीत हम पर्सनल स्पेस और प्राइवेसी की ओर भाग रहे हैं।आज भारत एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है जहाँ आर्थिक प्रगति, तकनीकी विकास और वैश्विक पहचान के शोर में एक अत्यंत मौन लेकिन गहरी सामाजिक त्रासदी घट रही है और वो है संयुक्त परिवारों का विघटन।

विडंबना यह है कि जिस संयुक्त परिवार व्यवस्था को भारत ने पिछड़ेपन का प्रतीक मानकर त्यागना शुरू किया, वही व्यवस्था आज पश्चिमी देशों में नए सामाजिक समाधान के रूप में अपनाई जा रही है। भारत में संयुक्त परिवारों का विघटन केवल जीवन-शैली का बदलाव नहीं है बल्कि यह हमारे मूल सामाजिक दर्शन से विचलन है।

दरअसल भारत में संयुक्त परिवार कभी केवल साथ रहने की व्यवस्था मात्र नहीं रहा। अपितु यह एक ऐसा सांस्कृतिक सुरक्षा कवच था जहाँ बच्चे संस्कार सीखते थे, युवा जिम्मेदारी निभाते थे और बुज़ुर्ग सम्मान पाते थे। यह वह व्यवस्था थी जिसने बिना किसी मनोवैज्ञानिक परामर्श के पीढ़ियों को भावनात्मक रूप से संतुलित रखा। लेकिन आज वही व्यवस्था ÷स्पेस÷, ÷प्राइवेसी÷ और

÷इंडिविजुअल फ्रीडम÷ जैसे शब्दों के नीचे दम तोड़ रही है।और जब परिवार टूटते हैं, तब केवल दीवारें अलग नहीं होतीं,तब संस्कार, संवेदनाएँ और सामाजिक संतुलन भी दरकने लगता है।

आंकड़े इस सामाजिक बदलाव की पुष्टि करते हैं। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (NFHS-5, 2019-21) के अनुसार भारत में लगभग 58.2% परिवार अब एकल (न्यूक्लियर) संरचना के हैं, जबकि संयुक्त परिवारों की हिस्सेदारी लगातार घट रही है। यह स्पष्ट संकेत है कि संयुक्त परिवार अब अपवाद बनते जा रहे हैं। शहरीकरण और रोजगार की मजबूरियाँ इस टूटन को और तेज़ कर रही हैं। शोध बताते हैं कि शहरी युवाओं में स्वतंत्रता और निजता को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की प्रवृत्ति बढ़ी है, जिससे संयुक्त परिवारों के साथ रहना ÷असुविधाजनक÷ समझा जाने लगा है। पर क्या सुविधा का अर्थ संवेदना का त्याग होना चाहिए, क्या स्वतंत्रता का अर्थ रिश्तों से मुक्ति है?

नतीजन आज भारत में परिवार छोटे हो रहे हैं और समस्याएँ बड़ी। पति-पत्नी दोनों कामकाजी हैं, फिर भी मानसिक थकान बढ़ रही है। बच्चे सुविधाओं से घिरे हैं, फिर भी भावनात्मक रूप से असुरक्षित हैं। और बुज़ुर्ग,जिनके अनुभव किसी भी समाज की सबसे बड़ी पूँजी होते हैं,आज उपेक्षा और अकेलेपन के शिकार हैं।

जिस समाज में कभी बुज़ुर्ग परिवार का केंद्र होते थे, आज वहीं ÷ओल्ड एज होम÷ एक आवश्यक व्यवस्था बनती जा रही है। यह विकास नहीं, यह सामाजिक विफलता का संकेत है। इसके उलट, यदि हम पश्चिमी देशों की ओर देखें तो एक बिल्कुल अलग तस्वीर उभरती है। अमेरिका, यूरोप और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में अब कम्युनिटी लिविंग, मल्टी-जेनरेशन होम्स और फैमिली सपोर्ट सिस्टम को बढ़ावा दिया जा रहा है। वहाँ सरकारें और समाज यह समझ चुके हैं कि अकेलापन सबसे महँगी बीमारी है,जिसका इलाज न दवाओं से होता है, न धन से। जहाँ भारत संयुक्त परिवार से भाग रहा है, वहीं पश्चिम उसकी ओर आकर्षित ही नहीं हो रहा बल्कि उसे अपना भी रहा है। यह विरोधाभास केवल सामाजिक नहीं, बल्कि बौद्धिक भी है। हमने परंपरा को बोझ समझा, उन्होंने अनुभव को संपत्ति माना। हमने बुज़ुर्गों को ÷डिपेंडेंसी÷ कहा, उन्होंने उन्हें मेंटल स्टेबिलिटी का आधार माना। हम भूल गए कि संयुक्त परिवार व्यवस्था की सबसे बड़ी ताकत थी,सामूहिक उत्तरदायित्व। बच्चे केवल माता-पिता के नहीं, पूरे परिवार के होते थे। किसी एक के गिरने पर पूरा परिवार उसे संभाल लेता था। आज इसके स्थान पर हमने संस्थागत विकल्प चुने हैं ,डे-केयर, ट्यूटर, काउंसलर और केयरटेकर।

पाठकों की बात

पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

अनुभवी बुजुर्गो के

अनुभवी बुजुर्गो के अपमान का जिनका इतिहास रहा हो वे अपने अहंकार में उसी को दोहराएंगे ही। रामभक्त कमलापति त्रिपाठी जी का अपमान किसी समय पार्टी हाईकमान ने किया था जो इतिहास में दर्ज है। न जाने कितने ही बुजुर्गो का अपमान इस पार्टी ने किया है वार्ता का मर्म जाने बिना बुजुर्गो का अपमान किले की दिवार ढहा देता है। भविष्य में देखते हैं किले की ढहती हुई दिवारों को।

– नवीन शंकर शर्मा

बीती बातों को

बीती बातों को बिसराना! नई सुबह से हाथ मिलाना!! नए वर्ष में कार्य नया हो! नया-नया इतिहास बनाना!! चलते रहना मंथर-मंथर! एक जगह पर ठहर न जाना!! कर लेना फूलों का स्वागत! काँटों में भी नित मुस्काना!! भागम-भाग-भरा जीवन है! साथ स्वयं के समय बिताना!! खुशी मनाना हर क्षण जग में! दूजों का दिल नहीं दुखाना!! **– दिनेश रोहित चतुर्वेदी**

प्रिय तुम, तुम्हारा जाना महज़

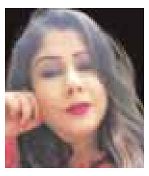

प्रिय तुम, तुम्हारा जाना महज़ एक विदाई नहीं थी, वह चटक रंगों का एक साथ बुझ जाना था। जब तक तुम थे, धूप सुनहरी थी, शामें सिंदूरी थीं, और बारिश की हर बूंद में एक हरापन था। तुम्हारे होने से ही नीले आसमान की गहराई थी, और मेरे आंगन की तुलसी में वह गहरा सांवलापन। पर तुम्हारे जाने के बाद– हवाओं से खुशबू उड़ गई, जैसे किसी ने चलती फिल्म को 'ब्लैक एंड व्हाइट' कर दिया हो। अब गुलाब सिर्फ एक फूल है, 'लाल' नहीं, समंदर सिर्फ पानी है, 'गहरा नीला' नहीं। अब समझ आता है कि मेरे सारे इन्द्रधनुषी रंग तुम्हारी आँखों में कैद थें, और जिसे मैं कुदरत की खूबसूरती समझती थी, वह दरअसल तुम्हारी मौजूदगी का अक्स था। तुम क्या गए... दुनिया की सारी चमक अपने साथ ले गए, पीछे छोड़ गए– एक धूसर सन्नाटा, और बेनूर यादों का एक अंतहीन सिलसिला। **– रश्मि अभय**

जीवन का हर मार्ग प्रशस्त हो

जीवन का हर मार्ग प्रशस्त हो सुख की ज्योति जले
हर पल यश वैभव खुशियों की सरिता बहती रहे सदा
कल कल नए वर्ष की शुभ बेला पर हृदय की है चाह यही स्वस्थ रहे तन मन विचार, अपनों का मिले प्रेम निश्छल। **– पूजा बंसल**

समाचार ख़बर नहीं, प्रायोजित बकवास

समाचार ख़बर नहीं, 1?? प्रायोजित बकवास बन चुका है। जहाँ सच से ज़्यादा शोर बिकता है। एंकर चीखता है और तथ्य हकलाने लगते हैं। स्टूडियो अदालत बन चुका है। जिसमे बहस नहीं होती, बल्कि पटकथा पढ़ी जाती है। कोई निष्पक्ष नहीं, सब एजेंडा के शिकार हैं। इसलिए मैंने टीवी देखना ही छोड़ दिया है। **– मीनाक्षी सिंह**

कुछ मेरे सवाल हैं सुनो तो कहूँ जवाब

कुछ मेरे सवाल हैं सुनो तो कहूँ जवाब मिलेंगे सच्चे कहो तो कहूँ भीड़ चल रही क्या सरोकार मुझे अगर तुम मेरे साथ चलो तो कहूँ शिकवे कितने कभी तो कहा नहीं मेरे अपनों में अपना बनो तो कहूँ माना इस शहर में बहुत हुनरमंद हैं एक हुनर मुझमें भी मिलो तो कहूँ।

– सपना चन्द्रा

राशि फल

पं. देवव्रत शर्मा

मेष -आज का दिन आपके लिए मध्यम फलदायी रहेगा। आज आप प्रत्येक कार्य को विचार कर ही करेंगे परन्तु फिर भी दिन के मध्यान तक प्रत्येक कार्य में विघ्न आएंगे।

वृष-आज का दिन आपके लिए शुभ फलदायी रहेगा परन्तु अत्यंत खर्चीला भी रहेगा। आज कुछ दिन से चली आ रही गृहस्थ की समस्याओं से निजात मिलने से शारीरिक एवं मानसिक रूप से दृढ़ रहेंगे।

मिथुन-आज का दिन विषम परिस्थितियों वाला रहेगा फिर भी आपका मन मौजी व्यवहार अन्य लोगो के लिये मुश्किलें बढ़ाएगा।

कर्क-आज का दिन आपके लिए हर प्रकार से लाभदायी रहेगा। आज सेहत उत्तम रहने से प्रत्येक कार्य उत्साह के साथ करेंगे ।

सिंह-आज का दिन आपके लिए कार्य सिद्धि दायक रहेगा। आज आपको प्रत्येक कार्य भर जैसा लगेगा लेकिन एक बार आरम्भ करने पर इससे आशाजनक फल प्राप्त होगा।

कन्या-आज का दिन आपके लिए मिश्रित फलदायी रहेगा। वैसे तो आज आप धर्म कर्म के प्रति निष्ठावान रहेंगे ।

तुला-आज का दिन आपके लिए थोड़ा उतार चढ़ाव से भरा रहेगा। दिन के पूर्वार्ध में आपके सब कार्य व्यवहार कुशलता के बल पर सरलता से पूर्ण होंगे।

वृश्चिक-ाज का दिन आपको लंबे समय तक याद रखने वाली स्मृतियां देकर जाएगा।

धनु-आज का दिन आपके लिए बीते दिनों की अपेक्षा राहत भरा रहेगा। कुछ दिनों से चल रही शारीरिक एवं पारिवारिक समस्या आज भी मध्यान तक यथावत बानी रहेगी।

मकर-आज का दिन आपको मिला-जुला फल देगा। प्रातः काल का समय किसी के पुराने मतभेद सुलझाने में व्यतीत होगों।

कुंभ-आपको आज का दिन भी धैर्य से बिताने की सलाह है। कार्य में असफलता अथवा किसी व्यक्ति विशेष के कारण आज आवेश से भरे रह सकते है विशेषकर कार्य क्षेत्र पर सहयोगियों का विपरीत व्यवहार परेशान करेगा।

मीन-आज का दिन आपको शुभ फल की प्राप्ति कराएगा। स्वभाव से आप मनमौजी ही रहेंगे फिर भी आज मध्यान बाद तक सभी से सम्बन्ध मधुर रहेंगे तथा किसी स्वजनं द्वारा लाभ भी हो सकता है। व्यापर नौकरी में भी मामूली उलझनों के बाद अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा। लेकिन आज अधिकारी वर्ग से सतर्क रहना पड़ेगा।व्यवसायी वर्ग को संध्या तक रुक रुक कर लाभ होगा। आज किसी प्रिय व्यक्ति से भेंट आनंद देगी। मध्यान पश्चात परिजनों के साथ पर्यटन पर जा सकते है। संध्या के आस पास का समय विशेष खर्चीला सिद्ध होगा। यात्रा में हानि का डर है सतर्क रहें।

QUIZ TIME

Ramaquiz

1) जंजीरा किला अरब सागर में स्थित एक छोटे से द्वीप पर किस राज्य के तट पर स्थित है?

2) भारत में नहरों का सबसे बड़ा जाल किस सुल्तान ने बनवाया था?

3) प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 2025 कितने बच्चों को दिए गए?

4) हरिवल्लभ संगीत सम्मेलन का 150वां संस्करण कहाँ आयोजित हुआ?

5) हाल ही में दिवंगत बिस्व बंधु सेन किस राज्य की विधानसभा के स्पीकर थे?

उत्तरमाला- (1) महाराष्ट्र (2) फिरोजशाह तुगलक (3) 20 (4) जालंधर (5) त्रिपुरा

शब्द सागर

शब्द सामर्थ्य -276

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं
1. भारत के वर्तमान वित्तमंत्री 6. हित, उपकार 7. असमान, पूर्वोत्तर का एक राज्य 8. किसी वस्तु व्यक्ति आदि के पहचान सूचक संबोधन का शब्द, संज्ञा 10. शवस्थल पर बनाया गया मकान, योग का अंतिम अंग, तपस्या 13. इंकार करना, ना कहना 14. पिता, क्लर्क, सम्मानीय व्यक्ति 15. आय पर लगने वाला टैक्स, इंकमटैक्स 16. प्रतिद्वंद्वी, प्रेमिका का दूसरा प्रेमी 17. परंपरा, रीति, रिवाज 20. रूप से युक्त, चिन्ह, लक्षण, नाटक, एक साहित्यिक अलंकार 23. लोग, प्रजा 25. नामी, नामवर, प्रसिद्ध 27. संसार का स्वामी, बादशाह, सम्राट, ईश्वर 28. फैलाना, खिंचाव पैदा करना।

ऊपर से नीचे
1. मारना, प्रहार करना, आघात करना 2. मिथ्याअभिमान, आडंबर 3. विपत्ति, आफत 4. मालदार, धनवान, अमीर 5. ज्ञान प्राप्त करना, अनुमान लगाना, कल्पना करना 7. हक 9. विवश, लाचार 11. मानकंद, नापने का पैमाना 12. अपमानित और तिरस्कृत 17. संतान उत्पन्न करने की क्रिया, जन्म देने की क्रिया 18. लंबे कपड़े का गट्ठा, पशुओं को रखने की जगह 19. जलयान, वायुयान, जलपोत 21. आश्रय, सहारा 22. थोड़ा, जरा, तनिक 24. जुर्म, गुनाह 26. बाघ की तरह का धारीदार हिंसक एवं विशाल पशु।

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 275 का हल

भू	कं	प		फा	य	दा		स
प		ल	ला	ट		य	ती	म
ति	ल	क		क	न	क		झ
	क्ष				रे			
ग	ण	क		सं	श	य		सी
ह		या	च्च	क		म	न्न	त
रा	क्ष	स		र	क्ष	क		न
	त्रि				मि			
शा	य	री		का	त	र		गो

न्यूज गैलरी

शिप्रा तर्ज पर हुई संत श्री बालीनाथ जी महाराज की महाआरती

उज्जैन/नवप्रदेश। बैरवा दिवस के उपलक्ष्य एवं नववर्ष के स्वागत में बैरवा युवा ब्रिगेड व समस्त बैरवा समाज द्वारा श्रीश्री 1008 महर्षि संत श्री बालीनाथ जी महाराज की भव्य आरती का आयोजन किया गया। तीन बत्ती चौराहा स्थित संतश्री बालीनाथ जी की प्रतिमा के सम्मुख शिप्रा आरती की तर्ज पर महाआरती की गई। मनीष जाटवा व राहुल अखंड ने बताया कि महाआरती के आयोजन में पूर्व महापौर मदनलाल ललावत, पूर्व महापौर मीना जोनवाल, सुरेंद्र मरमट, राजकुमार खलीफा, हरीश ललावत, दिनेश जाटवा, राजेंद्र गब्बर कुवाल, कमल बैरवा, महंत सरस्वती बालीनाथ, महंत महेंद्र गिरी, बाबूलाल गोठवाल, ओमप्रकाश विश्वप्रेमी, डॉ. प्रभुलाल जाटवा, रोशन वाडिया, सुरेंद्र मेहर, मनोज नागवंशी, लालचंद भारती, प्रकाश मेहरा, मनोहर चावंड, बाबूलाल टटवाल, आनंद बागोरिया, बृजमोहन नागवंशी, आशीष भदाले, सतीश मरमट, मनोज लोदवाल, कमलेश वाडिया, प्रदीप मेहर, शीला मरमट, प्रेमलता बैंडवाल, सुशीला जाटवा, सुनील गोठवाल, सुरेश जीनवाल, मोहनलाल गेहलोद, जयप्रकाश जुनवाल, डॉ. कैलाशचंद्र नागवंशी, जगदीश अखण्ड, प्रभुलाल टटवाल, प्रभुदयाल बिलावल, जगदीश मरमट, सत्यनारायण मरमट, राजेश पल्ली, यशपाल लोदवाल, कुलदीप बैंडवाल, रितेश खलीफा, शुभम अंजान, रजनीश मरमट, देवेंद्र नागवंशी, राहुल गुरु, ऋतिक सिसोदिया, डॉ. मनी कुमार मिमरोट, सीमा नागवंशी, जाटवा, अनिल गोठवाल, राकेश जूनवाल, अशोक मेहर, विक्रम सिसौदिया, जितेंद्र सिसौदिया, अक्षय बेतौड, तपन वासेन, शुभम मरमट, आनन्द जूनवाल, आयुष बागोरिया, मयंक कोलवाल, हेमंत जुनवाल, अंशुल जाटवा, शिवम बड़गोत्या, कृष्ण बड़गोत्या आदि बड़ी संख्या में उपस्थित थे। आरती पश्चात प्रसादी वितरण किया गया। साथ ही सभी समाजजनों ने एक दूसरे को बैरवा दिवस व नववर्ष की शुभकामनाएं दीं। जानकारी मनीष जाटवा, राहुल अखंड ने दी।

श्री अर्जीवाले हनुमान मंदिर पर 3 जनवरी को प्रारंभ होगा सर्वे भवन्तु सुखीन: अभियान

संगीतमय सुन्दर काण्ड के साथ होगा महाप्रसादी का आयोजन, देव वृक्ष का करेंगे वितरण

उज्जैन/नवप्रदेश। श्री अर्जी वाले हनुमान जी की कृपा एवं गुरुदेव श्री श्री 1008 वरिष्ठ महामण्डलेश्वर स्वामी प्रेमानंदपुरी जी महाराज के आशीर्वाद से सर्वे भवन्तु सुखीनः अभियान का शुभारंभ नववर्ष के प्रथम शनिवार 3 जनवरी को मंदिर प्रांगण में संगीतमय सुन्दरकाण्ड के माध्यम से आरंभ किया जा रहा है। जिसके अंतर्गत देव वृक्षों का वितरण भक्तों को किया जाएगा। अभियान अंतर्गत श्री अर्जीवाले हनुमान मंदिर मोहनपुरा, बड़नगर रोड़ पर 3 जनवरी की शाम 4 से 7 संगीतमय सुन्दर काण्ड होगा वहीं महाप्रसादी सांय 7 बजे से 8.30 बजे तक होगी। महामण्डलेश्वर स्वामी प्रेमानंदपुरी जी महाराज के अनुसार इस अभियान का उद्देश्य प्रत्येक परिवार में देव वृक्षों के माध्यम से सुख-शांति, समृद्धि, धन वैभव, यश किर्ती परिवार को मिले है। मंदिर के श्रीमहंत आदित्यपुरी ने अभियान का प्रभारी प्राणेश शुक्ला एवं निलेश पांचाल को नियुक्त किया है। अभियान प्रभारी प्राणेश शुक्ला, निलेश पांचाल एवं महंत आदित्य पूरी जी ने सभी भक्तों से अनुरोध किया है कि परिवार सहित पधारकार सुन्दरकाण्ड के माध्यम से हनुमान बाबा को नववर्ष में अर्जी लगाकर अपने परिवार के लिये एक देव वृक्ष अपने घर ले जाकर बाबा की कृपा को परिवार में स्थापित करें। नववर्ष पर अर्जीवाले हनुमान मंदिर में भक्तों का तांता लगा रहा। भक्तों ने हनुमान जी के समक्ष अपनी अपनी मनोकामना की अर्जी लगाई। पंकज जायसवाल, योगेश जोशी, टीना झाला, पंडित रोहन आदि ने पूरे समय व्यवस्था संचालित की।

जिला स्तरीय उत्कृष्ट विद्यालय प्रवेश हेतु चयन परीक्षा 8 फरवरी को

आवेदन भरने की अंतिम तिथि 18 जनवरी 2026

उज्जैन/नवप्रदेश। लोक शिक्षण संचालनालय म.प्र.द्वारा जारी आदेशानुसार जिला स्तरीय उत्कृष्ट विद्यालय चयन परीक्षा सत्र-2026-27 हेतु कार्यक्रम की घोषणा कर दी गई है । उक्त जानकारी देते हुए उत्कृष्ट विद्यालय माधवनगर की प्राचार्य डॉ विभा शर्मा ने बताया की नवीन शिक्षा सत्र में 9 वीं कक्षा में प्रवेश लेने के लिए उत्कृष्ट विद्यालय की चयन परीक्षा विधार्थीयों को देना आवश्यक है ।जिसके लिए परीक्षा की तिथि 8 फ़रवरी 2026,,आवेदन भरने की अंतिम तिथि 18 जनवरी 2026 की गई है ।परीक्षा शुल्क 200 रुपये प्रति विद्यार्थी (सभी कार्यों हेतु)रखा गया है ।जो विद्यार्थी 8 वीं कक्षा में अध्ययनरत है, वे ही 9 वीं कक्षा की प्रवेश परीक्षा में आवेदन कर सकते हैं ।अधिक जानकारी के लिए विधालय समय में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

पौरोहित्य संस्कृत प्रशिक्षण कार्यशाला 4 जनवरी से

उज्जैन। नीलकंठेश्वर महादेव मंदिर पिपली नाका चौराहा उज्जैन स्थित सभागार में 4 जनवरी से 10 जनवरी तक अपराह्न 4 से 6 बजे तक पौरोहित्य संस्कृत प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन (कार्यशाला) अवंतिका उज्जैन की प्रतिष्ठित संस्था स्मृति विज्ञान अवंतिका शोध समिति एवं संस्कृत भारती (मालवा प्रांत) के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित की जा रही है। यह संभाषण कार्यशाला पौरोहित्य विषयों पर केंद्रित रहेगी। इस कार्यक्रम के सत्राध्यक्ष प्रख्यात ज्योर्तिविद आचार्य पंडित कैलाशपति जी अशोकनगर रहेंगे एवं सारस्वत अतिथि के रूप में आचार्य उपेंद्र भार्गव विभाग अध्यक्ष महर्षि पाणिनि संस्कृत वैदिक विश्वविद्यालय उज्जैन तथा इस कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में वेद शिरोमणि आचार्य उमेश शर्मा जी उपस्थित रहेंगे। प्रशिक्षण का समय अपराह्न 4 से 6 तक रहेगा। इस कार्यक्रम में उज्जैन के संस्कृत प्रेमी विद्यार्थी भाग लेकर संस्कृत संभाषण विषय का लाभ प्राप्त करेंगे।

विवाह संस्कार और रीति-रिवाज हमारी भारतीय गौरवशाली परंपरा का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं : सीएम यादव

नागदा में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव विवाह कार्यक्रम में हुए शामिल

नव दंपति को दिया आशीर्वाद

उज्जैन/नवप्रदेश। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शुक्रवार को भाजपा जिला अध्यक्ष श्री राजेश धाकड़ के यहाँ ज्योति श्री रिसॉर्ट में आयोजित विवाह कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। मुख्यमंत्री के आगमन पर परिवारजनों द्वारा आत्मीय स्वागत किया गया। कर्नाटक के महामहिम राज्यपाल श्री थावरचंद गेहलोत एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नवविवाहित वरवधू रितिक एवं वर्षा को आशीर्वाद प्रदान किया तथा उनके सुखद, समृद्ध एवं मंगलमय दांपत्य जीवन की कामना की। हल्दी प्रोगाम में भाग लिया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने परिवारजनों के साथ सामूहिक फोटो सेशन में सहभागिता की एवं सहभोज भी किया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि विवाह संस्कार हमारी भारतीय संस्कृति एवं परंपरा का अत्यंत पवित्र और महत्वपूर्ण अंग है। पाणिग्रहण संस्कार भारतीय समाज में विशेष महत्व रखता है। विवाह के माध्यम से कन्या अपने नए जीवन की शुरुआत करती है और माताङ्कपिता का आशीर्वाद उसके जीवन को नई दिशा प्रदान करता है। ये सभी रीतिङ्करिवाज हमारी गौरवशाली परंपरा के प्रतीक हैं। मुख्यमंत्री ने नव दंपत्ति एवं परिवारजनों को अपनी ओर से हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर कर्नाटक के महामहिम राज्यपाल श्री थावरचंद गेहलोत, राज्यसभा सांसद श्री बाल योगी उमेशनाथ, घटिया विधायक श्री सतीश मालवीय, नागदा विधायक श्री तेजबहादुर चौहान, शाजापुर विधायक श्री अरुण भीमावत सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी एवं बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

श्री राधा कृष्ण गौशाला एवं पाटीदार परिवार द्वारा समाज के विभिन्न प्रकल्प हेतु 31 लाख का दान दिया

उज्जैन/नवप्रदेश। श्री राधा कृष्ण गौशाला इटावा एवं ज्ञान वर्षा इंटरनेशनल स्कूल के तत्वावधान में उमिया धाम में समाज के समाजसेवियों सहयोग के लिए सम्मान समारोह आयोजित किया गया इस अवसर पर आयोजित सुंदरकांड पाठ में सैकड़ो भक्तों ने भाग लेकर धर्म लाभ लिया इस संदर्भ में जानकारी देते हुए समाज के मीडिया प्रभारी श्री कैलाश पाटीदार ने बताय की सम्मान समारोह कार्यक्रम में चार धाम मंदिर के संस्थापक स्वामी शांति स्वरूपानंद जी महाराज ने भक्तों को आशीर्वचन देते हुए कहा कि पाटीदार समाज सदैव देश एवं धर्म हित में कार्य करता है

मीडिया प्रभारी श्री पाटीदार ने बताया कि मां उमिया धाम के निर्माण में पूरे समाज का सहयोग प्राप्त हो रहा है जो बहुत ही सुखद है श्री राधा कृष्ण गौशाला के संचालक वरिष्ठ हिंदूवादी नेता पूर्व सरपंच श्री कैलाश पाटीदार ज्ञान वर्षा इंटरनेशनल स्कूल के संचालक और समाजसेवी श्री मुकेश पाटीदार श्री राजेश पाटीदार श्री स्वयं प्रकाश पाटीदार श्री सुरेश पाटीदार सत्य प्रकाश पाटीदार चेतन पाटीदार धैर्य पाटीदार दर्शन पाटीदार राधेश्याम पाटीदार रामबाबू पाटीदार परिवार द्वारा 31 लाख रुपए का दान समाज के विभिन्न प्रकल्पों हेतु विभिन्न पाटीदार समाज की विभिन्न समितियां को दान दिया गया मां उमिया धाम मंदिर में चद्दर शेड हेतु 777 7777 रूपों का दान किया गया इसके अलावा परिवार द्वारा समाज की इटावा धर्मशाला के लिए 301000 रुपए का दान दिया गया पाटीदार विवाह समिति तराना 12 कन्या विवाह हेतु 218000 दान किया गया विवाह समिति पाटपाला को भी 21 कन्याओं के विवाह हेतु 377000 का और कुशलपुरा उज्जैन स्थित समाज की धर्मशाला के लिए 1000000/दस लख रुपए का दान चेक द्वारा दिया गया ग्राम इटावा के समस्त मंदिरों की रंग की पुताई टाइल्सके लिए पाटीदार परिवार द्वारा समाज के विभिन्न निर्माण एवं आयोजन हेतु लगभग 31 लख रुपए का दान मुक्त हस्त से दिया गया जिसकी कार्यक्रम में आए समाज जनों ने काफी प्रशंसा की कार्यक्रम के आयोजक पाटीदार परिवार द्वारा समाज में अपनी सेवा एवं समय देने वाले समाजसेवियों का प्रशस्ति पत्र देकर सम्मान भी किया गया कार्यक्रम में मुख्य रूप से श्री ईश्वर सिंह पाटीदार अशोक कटारिया प्रहलाद सिंह नायक रामेश्वर गामी माखन सिंह मान सिंग पाटीदार कचनारिया मदनलाल पाटीदार बलराम पाटीदार कैलाश गोठी जयनारायण पा लोतरा लक्ष्मी नारायण पाटीदार रमेश पाटीदार आनंदीलाल पाटीदार राम प्रसाद पाटीदार बद्रीलाल पाटीदार जगदीशपाटीदार रामचंद्र पाटीदार जगदीशअमर्तिया के अलावा समाजसेवी दिनेश शर्मा विशाल सिंह चौहान हरि सिंह यादव महिपाल सिंह चौहान मदन लाल राठौर कैलाश बोडाना जसमत जी परमार मुकेश पाटीदार अशोक पाटीदार संतोष पाटीदार श्री राम औरा ममता पाटीदार अनीता पाटीदार ज्योति पाटीदार कृष्ण पाटीदार लीला पाटीदार मनोरमा पाटीदार। रिया पाटीदार पूजा पाटीदार सहित सैकड़ो समाज जन एवं मातृशक्ति उपस्थित थे कार्यक्रम का सफल संचालन श्री प्रवीण पाटीदार ने किया आभार सत्य प्रकाश पाटीदार ने व्यक्त किया कार्यक्रम के अंत में स्नेह भोज भी हुआ।

नववर्ष पर आस्था का महासैलाब, महाकाल दर्शन को उमड़े 6.12 लाख श्रद्धालु

उज्जैन/नवप्रदेश। पहली जनवरी अंग्रेजी नववर्ष के पावन अवसर पर विश्वप्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग भगवान श्री महाकालेश्वर जी के दर्शन हेतु श्रद्धालुओं का अभूतपूर्व जनसैलाब उमड़ा। रात्रि 9 बजे तक कुल 6 लाख 12 हजार श्रद्धालु बाबा महाकाल के दर्शन कर पुण्य लाभ प्राप्त कर चुके थे। श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा एवं सुगम दर्शन व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति, जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन एवं नगर निगम द्वारा आपसी समन्वय से व्यापक व्यवस्थाएं की गईं। दर्शन मार्गों पर सतत निगरानी रखी गई, कतारबद्ध एवं सुचारू दर्शन व्यवस्था लागू की गई।

इसके साथ ही श्रद्धालुओं के लिए पेयजल, चिकित्सा सहायता, स्वच्छता एवं अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं, जिससे दर्शन प्रक्रिया शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित रूप से संपन्न हुई। नववर्ष पर बाबा महाकाल के दरबार में उमड़ी यह अपार श्रद्धा उज्जैन की आध्यात्मिक महत्ता को एक बार फिर उजागर करती है।

सरल जयन्ती पर माल्यार्पण और काव्य पाठ आयोजित

उज्जैन/नवप्रदेश। संस्था सरल काव्यांजलि द्वारा देश के अमर शहीदों पर सैकड़ों पुस्तकों के रचयिता, राष्ट्रकवि श्रीकृष्ण सरल की 106वीं जयन्ती मनाई गई। जानकारी देते हुए संस्था के राजेन्द्र देवधरे दर्पण ने बताया कि सरल जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण के पश्चात् मानसिंह शरद, सुगनचंद्र जैन, डॉक्टर रफीक नागौरी, तरुण उपाध्याय और कितामी (जापान) से पधारे डॉक्टर अभिजीत रावणकर ने सरल जी की कविताओं का वाचन किया। संचालन संतोष सुपेकर ने किया। डॉक्टर संजय नागर, डॉक्टर पुष्पा चौरसिया, प्रदीप सरल, नितिन पोळ, आशागंगा शिरड़ोणकर, डॉक्टर नेत्रा रावणकर, वी.एस. गहलोत साकित उज्जैनी, महेंद्रसिंह भदौरिया, सुमन नागर, संजय जौहरी, अशोक रावणकर, भावना शर्मा, रमेश जाजू, कमलेश कुशवाह और पंडित जयराम तिवारी ने भी अपने शब्दों से महाकवि को श्रद्धांजलि अर्पित की।

अशोक योगी की सेवा निवृत्ति पर सम्मान समारोह आयोजित

देवास/नवप्रदेश। जिला पंचायत देवास में पदस्थ रहे श्री अशोक योगी की सेवा निवृत्ति के अवसर पर सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा श्री योगी का शाल, श्रीफल, माला एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने श्री अशोक योगी की सेवाओं की सराहना करते हुए कहा कि उनकी सम्पूर्ण सेवा अवधि अनुशासित, कर्तव्यनिष्ठ एवं निष्कलंक रही। उन्होंने अपने कार्यकाल में प्रशासनिक दायित्वों का ईमानदारी एवं समर्पण के साथ निर्वहन किया। सम्मान समारोह के दौरान सहयोगी अधिकारियों, कर्मचारियों एवं शुभचिंतकों ने श्री योगी के उज्ज्वल भविष्य एवं स्वस्थ जीवन की कामना की।

उज्जैन में 5 जनवरी को ऐतिहासिक श्री भस्मलिंगार्चन समारोह

विश्वशांति व मानव कल्याण हेतु होगा भव्य आयोजन

उज्जैन/नवप्रदेश। मुरलीपुरा बड़नगर रोड पर स्थित निरंजनी अखाड़ा परिसर में मीडिया को जानकारी देते हुए आयोजकों ने बताया कि समस्त मानवजाति के सर्वांगीण कल्याण, आने वाले संकटों पर विजय तथा विश्वशांति की स्थापना के उद्देश्य से श्रीक्षेत्र उज्जैन में सोमवार, दिनांक 5 जनवरी को ऐतिहासिक श्री भस्मलिंगार्चन समारोह का आयोजन किया जा रहा है। यह भव्य आध्यात्मिक आयोजन परमपूज्य गुरुमाऊली के पावन मार्गदर्शन में तथा समस्त सेवेकरी परिवार की सक्रिय सहभागिता से संपन्न होगा। हिंदू धर्म परंपरा में अवंतिका उज्जैन नगरी को मोक्षपुरी, ज्योतिर्लिंग क्षेत्र एवं महाकुंभ पर्वस्थल के रूप में विशेष महत्व प्राप्त है। काल पर विजय प्राप्त करने वाले, अकाल मृत्यु एवं भय का निवारण करने वाले दक्षिणाभिमुख एकमात्र ज्योतिर्लिंग श्री महाकालेश्वर में होने वाला भस्मलिंगार्चन समारोह अत्यंत पुण्यदायी माना जाता है। ब्रह्ममुहूर्त में संपन्न होने वाली भस्म आरती एवं सामूहिक उपासना से श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक शांति, सकारात्मक ऊर्जा तथा जीवन की कठिनाइयों पर विजय पाने की शक्ति प्राप्त होती है। इस पावन अवसर पर भूपाली आरती, प्रधान संकल्प, ऐतिहासिक श्री भस्मलिंगार्चन, नैवेद्य आरती, श्री गुरुमाऊली का हितगुज आशीर्वचन एवं प्रसाद वितरण जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। आयोजकों ने बताया कि देशभर से बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं सेवेकरी इस ऐतिहासिक समारोह में सहभागी होंगे। साथ ही, रविवार दिनांक 4 जनवरी को श्रीक्षेत्र उज्जैन में श्री मंगल ग्रह विशेष अनुष्ठान का आयोजन भी किया जाएगा, जो मंगल दोष निवारण एवं व्यक्तिगत प्रगति के लिए विशेष रूप से लाभकारी माना जाता है। यह आयोजन आध्यात्मिक चेतना, सामाजिक समरसता एवं मानव कल्याण का सशक्त संदेश देने वाला होगा। आयोजकों की ओर से समस्त श्रद्धालुओं से इस ऐतिहासिक अवसर पर अधिक से अधिक संख्या में सहभागिता करने का आवाहन किया गया है।

हम सब समाज की बेहतरी एवं क्षेत्र के विकास के लिए कार्य करें- गुप्ता

सांसद गुप्ता की अध्यक्षता में दिशा कमेटी की बैठक सम्पन्न

नीमच/नवप्रदेश। सभी जनप्रतिनिधि एवं विभिन्न विभागों के अधिकारीगण समाज की बेहतरी एवं क्षेत्र के विकास के लिए मिलजुलकर कार्य करें। यह बात सांसद श्री सुधीर गुप्ता ने शुक्रवार को नीमच के कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में दोपहर पूर्व एवं दोपहर पश्चात दो सत्रों में आयोजित दिशा कमेटी की बैठक में विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं, कार्यो की विभगवार समीक्षा करते हुए कही। बैठक में विधायक जावद श्री ओमप्रकाश सखलेचा, नीमच विधायक श्री दिलीप सिह परिहार, मनासा विधायक श्री अनिरूद्ध मारू, न.पा.अध्यक्ष श्रीमती स्वाति चौपड़ा, कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा, एस.पी.श्री अंकित जायसवाल, डीएफओ श्री एस.के.अटोदे, जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव एवं अन्य जिला अधिकारी एवं समिति के सदस्यगण उपस्थित थे। शुक्रवार को सुबह सुबह 10 बजे से प्रारंभ हुई यह बैठक शाम को 7 बजे तक चली। बैठक के दूसरे सत्र में निर्माण विभागों द्वारा संचालित निर्माणाधीन कार्यो की समीक्षा दौरान सांसद श्री गुप्ता ने निर्देश दिए, कि निर्माण कार्यो में निर्धारित गुणवत्ता, मानकों एवं सुरक्षा मानकों के अनुरूप निर्माण कार्य सुनिश्चित हो। उन्होने एमपीआरडीसी के प्रबंधक को निर्देश दिए, कि नीमच, सिंगोली सडक निर्माण में हटाए जा रहे पेडों का मूल्यांकन करवाकर, रिर्पोट प्रस्तुत करे। सड़क निर्माण दौरान हटाए जा रहे रॉ मटेरियल के उपयोग के बारे में रिर्पोट प्रस्तुत करें।

■ न्यूज गैलरी

राइस मिल में आग लगने से खाली बारदाने बराबद

दंतेवाड़ा/नवप्रदेश। जिले के टेकनार रोड स्थित अनिशा राइस मिल में गुरुवार को एक बार फिर आग की घटना सामने आई। सुबह करीब 3 से 4 बजे के बीच अचानक मिल परिसर से धुआं उठता दिखाई दिया। आग की चपेट में मिल में रखे खाली बारदाने आ गए, जिससे लाखों के नुकसान की आशंका जताई जा रही है। हालांकि राहत की बात यह रही कि मिल में रखा धान और चावल सुरक्षित बचा लिया गया। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और आग पर समय रहते काबू पा लिया। प्रारंभिक जांच में आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट बताई जा रही है।खास बात यह है कि इसी राइस मिल में करीब दो साल पहले भी आग लग चुकी है। तब भी आग की चपेट में केवल बारदाने ही आए थे। लगातार दूसरी बार आग लगने से सुरक्षा इंतजामों पर सवाल खड़े हो रहे हैं। फिलहाल पुलिस और प्रशासन आग के कारणों की विस्तृत जांच में जुटा है।

नए साल पर पुलिस की सख्ती 35 नशेड़ी चालक पकड़े गए

जगदलपुर/नवप्रदेश। नए साल के जश्न के दौरान किसी भी तरह की अनहोनी रोकने के लिए पुलिस पूरी तरह मुस्तैद रही। शहर के प्रमुख चौक-चौराहों पर देर रात तक पुलिस बल तैनात रहा। डीजे की तेज आवाज को लेकर कई जगहों पर पुलिस को सख्ती बरतनी पड़ी। हाटगुड़ा रोड स्थित एक निजी लॉन में तय समय के बाद भी डीजे बजाया जा रहा था। कई बार समझाइश के बावजूद डीजे बंद नहीं हुआ तो सिटी कोतवाली टीआई मौके पर पहुंचे।पुलिस ने सख्ती दिखाते हुए पार्टी को बंद करवाया। ड्रिंक एंड ड्राइव रोकने के लिए चार जगह चेक पोस्ट लगाए गए थे। जांच के दौरान 35 से अधिक लोग शराब पीकर वाहन चलाते पकड़े गए। बोधघाट थाने के सामने एक कार चालक नशे में पाया गया, जिसमें पूरा परिवार सवार था। पुलिस ने साफ किया कि सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

कमार जनजाति तक पहुंचेगी इलाज की सुविधा

कांकेर/नवप्रदेश। जिले में विशेष पिछड़ी कमार जनजाति के लिए स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूती मिली है। कलेक्टर निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर ने मोबाइल मेडिकल यूनिट को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह वाहन पीएम-जनमन योजना के तहत उपलब्ध कराया गया है। मोबाइल यूनिट में डॉक्टर, स्टाफनर्स, फार्मासिस्ट और लैब टेक्नीशियन तैनात रहेंगे। खून जांच, दवाइयों और प्राथमिक उपचार की पूरी सुविधा वाहन में मौजूद है। यह यूनिट नरहरपुर ब्लॉक के 13 से अधिक दूरस्थ गांवों में पहुंचेगी। कमार जनजाति की बस्तियों में सीधे जाकर इलाज किया जाएगा। इससे ग्रामीणों को अस्पताल तक आने की परेशानी से राहत मिलेगी। कार्यक्रम के दौरान स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारी और स्टाफ मौजूद रहे। प्रशासन का कहना है कि इससे जनजातीय क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएं सशक्त होंगी।

19 जनवरी को माता पहुचानी 27 को देव मेला आयोजित

अंतागढ़। / नवप्रदेश। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी नगर अंतागढ़ में माता पहुंचानी एवं देवा मेला का आयोजन मांघी पूर्णिमा के शुभ अवसर पर आयोजित किया जाता है जहां इस बार परंपरा एवं आस्था से जुड़ा अंतागढ़ का देव मेला जनवरी माह में हो रहा है जबकि माघी पूर्णिमा फरवरी माह में अक्सर पड़ता है और यहां का मेला फरवरी माह में होता है किंतु इस बार जनवरी माह में मांघी पूर्णिमा पड़ने से आयोजन 19 जनवरी को माता पहुचानी तथा 25 जनवरी को हिन्दू बिनापाल का देव मेला रखा गया है वही 27 जनवरी से अंतागढ़ का देव मेला आयोजित किया जाएगा जो कि चार दिवसीय होगा नगर पटेल हेमंत धनेलिया ने जानकारी देते हुए बताया कि माता पहुचानी एवं देव मेला के अवसर पर आस-पास के 40 परगना के देवी-देवताओं की डांग-डोली, आंगा, गायता-पटेल एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन शामिल होंगे।इस धार्मिक आयोजन में क्षेत्र के श्रद्धालु परंपरागत विधि-विधान के साथ सहभागिता कर आस्था और सांस्कृतिक परंपराओं को जीवंत बनाएंगे। आयोजकों ने सभी ग्रामीणों एवं श्रद्धालुओं से आयोजन में शामिल होने की अपील की है।

धूल से परेशान ग्रामीणों ने कोंडागांव-नारायणपुर मार्ग किया जाम

कोंडागांव/नवप्रदेश। जिला मुख्यालय से लगे ग्राम पंचायत कुम्हारपारा के सैकड़ों ग्रामीणों ने उड़ती धूल की समस्या को लेकर बुधवार शाम करीब 5 बजे कोंडागांव-नारायणपुर मार्ग पर चक्का जाम कर दिया। ग्रामीणों के विरोध के चलते नेशनल हाइवे 130-डी पर भारी वाहनों की लंबी कतारें लग गई और यातायात पूरी तरह बाधित हो गया।

चक्का जाम की सूचना मिलते ही जिला प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों से चर्चा की। अधिकारियों ने धूल नियंत्रण के लिए शीघ्र आवश्यक कदम उठाने और समस्या के स्थायी समाधान का आश्वासन दिया। इसके बाद ग्रामीणों ने जाम समाप्त किया ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही ठोस कार्रवाई नहीं की गई तो वे पुनः आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे।

ग्रामीणों की माने तो मार्ग पर लंबे समय से सड़क निर्माण चल रहा है, लेकिन निर्माण की गति बेहद धीमी है। इससे पूर्व भी इसी समस्या को लेकर चक्का जाम किया गया था। उस समय जिला प्रशासन के हस्तक्षेप के बाद ठेकेदार द्वारा प्रतिदिन तीन बार सड़क पर पानी का छिड़काव कराया जा रहा था, लेकिन अब इस व्यवस्था को पूरी तरह नजरअंदाज किया जा रहा है। प्रतिदिन सैकड़ों ट्रकों की आवाजाही से धूल की समस्या और भी गंभीर हो गई है।

भारी वाहनों की आवाजाही बनी कारण

ग्रामीणों ने बताया खनिज परिवहन में लगे भारी वाहनों की लगातार आवाजाही के कारण सड़क की स्थिति जर्जर हो चुकी है, जिससे अत्यधिक धूल उड़ रही है। इससे गांव के घरों, बर्तनों और खाद्य सामग्री पर धूल की मोटी परत जम रही है। बच्चों के कपड़े खराब हो रहे हैं और ग्रामीणों को सांस लेने में परेशानी सहित अन्य स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

गारंटी के दावे हवा-हवाई, कर्मचारियों ने खोला मोर्चा

डीए-डीआर, एरियर्स और 11 सूत्रीय मांगों पर सरकार मौन

सुकमा/नवप्रदेश। विधानसभा चुनावों के दौरान गारंटी और कर्मचारी हित के बड़े-बड़े दावों के बीच सत्ता में आई सरकार अब उन्हीं कर्मचारियों के सवालों से आंखें चुराती नजर आ रही है। महंगाई भत्ता (डीए), महंगाई राहत (डीआर), लंबित एरियर्स और वर्षों से अटकी 11 सूत्रीय मांगों पर ठोस निर्णय नहीं होने से प्रदेशभर के शासकीय कर्मचारियों में भारी आक्रोश है। इसी नाराजगी के चलते छत्तीसगढ़ कर्मचारी-अधिकारी फेडरेशन ने सरकार के खिलाफ आंदोलन का बिगुल फूंक दिया है।

फेडरेशन के पदाधिकारियों का कहना है कि जुलाई 2025 में कलेक्टरों के माध्यम से मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव को ज्ञापन सौंपा गया था। उस दौरान शीघ्र निराकरण के आश्वासन भी मिले, लेकिन पांच माह बीतने के बाद भी न डीए-डीआर में वृद्धि हुई और न ही लंबित एरियर्स के भुगतान पर कोई फैसला सामने आया। कर्मचारियों का आरोप है कि सरकार सिर्फ समय टालने की नीति पर चल रही है।

कर्मचारियों का दर्द: बढ़ती महंगाई, घटती आय

कर्मचारी संगठनों का कहना है कि लगातार बढ़ती महंगाई ने घरेलू बजट को पूरी तरह बिगाड़ दिया है। केंद्र सरकार के समान डीए-डीआर की मांग वर्षों से लंबित है, जबकि अन्य कई राज्यों में यह सुविधा लागू हो चुकी है। ऐसे में छत्तीसगढ़ के कर्मचारियों को पीछे धकेला जा रहा है। 9 प्रतिशत लंबित डीए एरियर्स का भुगतान न होना कर्मचारियों के आर्थिक शोषण का बड़ा उदाहरण बताया जा रहा है।

125 संगठनों की एकजुटता, आंदोलन तेज

छत्तीसगढ़ कर्मचारी-अधिकारी फेडरेशन से जुड़े 125 मान्यता प्राप्त संगठनों ने 29 से 31 दिसंबर 2025 तक चरणबद्ध आंदोलन का ऐलान किया है। धरना-प्रदर्शन, ज्ञापन और विरोध सभाओं के माध्यम से सरकार का ध्यान खींचने की कोशिश की जा रही है। फेडरेशन ने चेताया है कि यदि शीघ्र निर्णय नहीं हुआ तो आंदोलन को और व्यापक व उग्र रूप दिया जाएगा।

11 सूत्रीय मांगों में क्या-क्या शामिल

फेडरेशन ने स्पष्ट किया है कि उनकी मांगें कोई नई नहीं हैं, बल्कि लंबे समय से लंबित और पूर्णतः जायज हैं। इनमें—

- केंद्र के समान डीए-डीआर तत्काल लागू करना
- 9 प्रतिशत लंबित डीए एरियर्स का भुगतान
- चार स्तरीय वेतनमान (8, 16, 24 व 32 वर्ष) का लाभ
- सहायक शिक्षक, सहायक पशु चिकित्सक अधिकारियों को समयमान वेतनमान
- नियमितीकरण की प्रक्रिया में तेजी
- पदोन्नति व वेतन विसंगतियों का निराकरण
- अनुकंपा नियुक्ति नियमों में सरलता
- अन्य राज्यों की तर्ज पर कर्मचारी सुविधाएं लागू करना

प्रमुख हैं।

जिला पंचायत सीईओ ने ग्राम पंचायत तुड़पारास का किया निरीक्षण

■ **विकास कार्यों, आंगनवाड़ी एवं योजनाओं की प्रगति की ली जानकारी**

दंतेवाड़ा /नवप्रदेश। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री जयंत नाहटा ने आज ग्राम पंचायत तुड़पारास का निरीक्षण कर पंचायत क्षेत्र में संचालित विभिन्न विकास कार्यों की गहन समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान सीईओ श्री नाहटा ने ग्राम पंचायत में चल रहे निर्माण कार्यों का अवलोकन करते हुए उनकी गुणवत्ता, प्रगति एवं निर्धारित समय-सीमा की जानकारी ली। उन्होंने कार्यों में पारदर्शिता एवं गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। इस अवसर पर उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्र का भी निरीक्षण किया, जहां बच्चों तथा गर्भवती एवं धात्री महिलाओं को दी जा रही सुविधाओं की स्थिति का जायजा लिया। आवश्यक सुधार हेतु संबंधित कर्मचारियों को स्पष्ट दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत स्वीकृत आवासों की प्रगति की समीक्षा करते हुए सीईओ ने हितग्राहियों से संवाद किया तथा आवास निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण कर पात्र हितग्राहियों को समय पर लाभ सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।इसके साथ ही जल शक्ति अभियान के अंतर्गत किए जा रहे जल संरक्षण एवं संवर्धन कार्यों का निरीक्षण किया गया। सीईओ श्री नाहटा ने जल स्त्रोतों के संरक्षण, संवर्धन एवं ग्रामीणों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने हेतु योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष जोर दिया। निरीक्षण के दौरान पंचायत एवं विभागीय अधिकारी, सरपंच, सचिव सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

पुलिस ने नागरिकों को लौटाए गुम 70 मोबाइल

दंतेवाड़ा/नवप्रदेश। दंतेवाड़ा पुलिस ने आम नागरिकों को बड़ी सौगात देते हुए उनके गुम हुए मोबाइल फोन को सीईआईआर पोर्टल के माध्यम से तलाश कर इया आपलो सामान निया कार्यक्रम के तहत वापस किया। अभियान के तहत् कुल 70 मोबाइल जिनकी अनुमानित कीमत लगभग 14 लाख है, जिन्हें उनके वास्तविक मालिकों को सौंपी गई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि बरामद किए गए मोबाइल सिर्फ दंतेवाड़ा जिला सहित जगदलपुर, सुकमा, बीजापुर, कोंडागांव के साथ-साथ अन्य राज्यों जैसे मध्य प्रदेश और ओडिशा से भी मोबाइल खोजकर बरामद किए गए हैं। एसपी गौरव राय, एएसपी राम कुमार वर्मा और साइबर

सेल नोडल अधिकारी उप पुलिस अधीक्षक ठाकुर गौरव सिंह ने कहा पुलिस का कहना है कि सुरक्षा ही सावधानी है और सावधानी ही साइबर अपराध से बचाव है।

आम नागरिकों की सुविधा के लिए साइबर हेल्पलाइन नंबर 9479151665 जारी किया है। इसके अलावा भारत सरकार द्वारा जारी 1930 हेल्पलाइन नंबर एवं पोर्टल पर भी शिकायत दर्ज कराई जा सकती है। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि अनजान कॉल, संदिग्ध व्हाट्सएप मैसेज, लिंक या बैंक व सोशल मीडिया खातों में किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि होने पर तुरंत साइबर हेल्पलाइन दंतेवाड़ा 9479151665 पर संपर्क करें।

व्हाट्सएप अकाउंट भी बनाया

साइबर हेल्पलाइन दंतेवाड़ा के नाम से व्हाट्सएप अकाउंट भी बनाया गया है, जहां नागरिक व्हाट्सएप के माध्यम से अपनी शिकायत दर्ज कर सकते हैं। शिकायत दर्ज होने पर प्रार्थी को व्हाट्सएप के जरिए ही एक्नॉलेजमेंट नंबर प्रदान किया जाता है।

साइबर अपराध के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के लिए सायबर संगवारी दंतेवाड़ा नाम से एक व्हाट्सएप चैनल भी शुरू किया गया है, जिसमें प्रतिदिन साइबर अपराध और उसकी रोकथाम से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां साझा की जाती हैं। चैनल से जुड़ने के लिए नागरिक दिए गए क्यूआर कोड को स्कैन कर सकते हैं।

महिला को टोनही बताकर उतारा मौत के घाट

नारायणपुर/नवप्रदेश। जिले के अबूझमाड़ के थाना सोनपुर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम इरपानार में जादू-टोना के संदेह में 48 वर्षीय महिला की हत्या कर दी गई। घटना 30 दिसंबर 2025 की शाम लगभग 7 बजे की है। मृतका के पति लक्ष्मण मेटामी जब अपने साले के घर आग तापने गए हुए थे, उसी दौरान मुख्य आरोपी पंडी राम वड्डे अपने साथियों के साथ जबरन घर में घुस आया, आरोपियों ने लकड़ी के डंडे एवं फरसा की बेंट से महिला के सिर और शरीर के अन्य हिस्सों पर ताबड़तोड़ हमला कर उसकी मौके पर ही हत्या कर दी।

सोनपुर पुलिस ने मामला किया दर्ज

पुलिस की प्रारंभिक जांच में यह तथ्य स्पष्ट रूप से सामने आया है कि महिला की हत्या अंधविश्वास एवं जादू-टोना के संदेह के चलते की गई, क्षेत्र में फैली ऐसी कुरीतियों ने एक निर्दोष महिला की जान ले ली, घटना की सूचना पर थाना सोनपुर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए हुए भारतीय भ न्याय संहिता की धारा 103, 3 (5) तथा आर्म्स एक्ट की धारा 25 के अंतर्गत अपराध क्रमांक 12/2025 पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की। मामले के मुख्य आरोपी पंडी राम वड्डे को पुलिस हिरासत में ले लिया गया है, जबकि अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

समाज के लिए गंभीर चेतावनी

यह घटना अंधविश्वास के खिलाफ कानून और समाज दोनों की संयुक्त लड़ाई की आवश्यकता को रेखांकित करती है टोनही जैसे आरोप आज भी जानलेवा साबित हो रहे हैं, जो सामाजिक जागरूकता की कमी को उजागर करते हैं। इस वारदात ने न केवल कानून-व्यवस्था बल्कि सामाजिक चेतना पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए है।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका के पद के लिए 10 तक दावा आपत्ति

दंतेवाड़ा/नवप्रदेश। एकीकृत बाल विकास परियोजना किरंदुल से प्राप्त जानकारी अनुसार ग्राम पंचायत क्षेत्र अंतर्गत आंगनबाड़ी केंद्र कोड़ेनार ठेकेदारपारा, अरनपुर पटेलपारा, चोलनार कोटवारपारा, पेरपा गुज्जापारा में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका के रिक्त पद की भर्ती हेतु विज्ञापन जारी किया गया था। प्राप्त आवेदन का निर्धारित मापदण्ड अनुसार पैनल तैयार किया जा चुका है।जिसका मूल्यांकन समिति द्वारा परीक्षण भी किया जा चुका है। अतः पैनल सूची परियोजना कार्यालय किरन्दुल एवं जनपद पंचायत कुआकोण्डा तथा संबंधित ग्राम पंचायत के सूचना पटल पर प्रदर्शित किया जा रहा है।

पेज 1 का शेष

इंदौर में जहरीला पानी...

खरगोन जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी आकाश सिंह और आलीराजपुर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रखर सिंह को इंदौर नगर निगम का अपर आयुक्त बनाया गया है। इंदौर उप परिवहन आयुक्त आशीष कुमार पाठक को भी निगम में अपर आयुक्त पद पर नियुक्त किया गया है। इससे पहले, मध्य प्रदेश सरकार ने अपनी स्टेटस रिपोर्ट हाईकोर्ट में पेश कर दी, इसमें दूषित पानी से सिर्फ4 मौत होने की बात कही है। सरकार की रिपोर्ट तब आई है, जब मृतकों के परिजन और अस्पतालों के जरिए 15 मौतों की जानकारी सामने आ चुकी है। सभी को उल्टी-दस्त और पेट दर्द की शिकायत के बाद भर्ती कराया गया था। कुछ को बुखार भी था। इनमें 5 महीने के मासूम बच्चे से लेकर बुजुर्ग तक शामिल हैं।

हाईकोर्ट में अगली सुनवाई 6 जनवरी को

हाईकोर्ट ने जनहित याचिका पर सुनवाई की अगली तारीख 6 जनवरी तय की है। वहीं, इंटर विनर (हस्तक्षेप कर्ता) गोविंद सिंह बैस की ओर से मीडिया में रिपोर्ट पब्लिश करने पर रोक लगाने की मांग की गई। इस पर कोर्ट ने कोई टिप्पणी नहीं की। बता दें कि इस मामले में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने संज्ञान लेते हुए मुख्य सचिव से विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। इसके लिए दो सप्ताह का अल्टीमेटम दिया है।

जयशंकर बोले-दुर्भाग्य...

प्रधानमंत्री बेगम खालिदा जिया के अंतिम संस्कार में भारत का प्रतिनिधित्व करने गया था। हमें कई तरह के पड़ोसी मिले हैं। अगर आपका कोई पड़ोसी आपके लिए अच्छा है या कम से कम आपके लिए नुकसानदायक नहीं है तो इसमें परेशानी नहीं है। जहां भी अच्छे पड़ोसी होने की भावना होती है, भारत निवेश करता है, भारत मदद करता है, भारत शेयर करता है।'

विदेश मंत्री बोले- अरुणाचल भारत का हिस्सा है और रहेगा

विदेश मंत्री ने कहा कि अरुणाचल प्रदेश भारत का हिस्सा है और हमेशा रहेगा, और इस तरह की चालों से जमीन पर कुछ भी बदलने वाला नहीं है। शंघाई एयरपोर्ट पर चीनी इमिग्रेशन अधिकारियों के अरुणाचल प्रदेश की एक महिला के परेशान करने को लेकर जयशंकर ने कड़ी आपत्ति दर्ज कराई। उन्होंने कहा कि हमने असल में इसका विरोध किया, और हमने यह बात भी साफ कर दी कि इस तरह की हरकतें करने से असल में कुछ भी बदलने वाला नहीं है।

मत-पंथ,भाषा,जाति

घर आएं तब बताऊंगा कि मैं हिंदू हूं। और चौथे वे जो भूल गए हैं कि हम हिंदू हैं। पहले और दूसरे समूह को संगठित करना प्राथमिकता है, बाकी को बाद में शामिल कर लेंगे। जो भूल गए हैं, उन्हें भी समय आने पर याद आएगा। समाज का संगठन ही देश के भाग्य को निर्धारित करता है। उन्होंने कहा कि जिन देशों में एकता और गुणवत्ता की कमी आई, उनका पतन हुआ। जिनमें यह मजबूत रही, उनका उत्थान हुआ। भागवत ने संघ की शाखाओं में अनुशासन, सामाजिक सेवा, परिवार में समरसता, भजन, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और पारंपरिक सामाजिक नियमों के पालन पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि समाज में जितना भी बुरा हो रहा है, उससे कहीं अधिक अच्छा कार्य भी हो रहा है, बस लोगों को जागरूक होकर एकजुट होना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि संघ, विद्या भारती या राजनीतिक दल नहीं है, बल्कि यह समाज के लिए त्याग और समर्पण का संगठन है। उन्होंने सभी से आग्रह किया कि अपने समाज, परिवार और देश के लिए समय दें, अपने पारिवारिक और सामाजिक कर्तव्यों को निभाएं, और भाषा, भोजन और संस्कृति के माध्यम से अपनी पहचान बनाए रखें। भागवत ने कहा कि हमारा देश बड़ा बनाने का कार्य हमें ही करना है; कोई दूसरा नहीं करेगा।÷ उनके शब्दों ने समाज में जागरूकता, जिम्मेदारी और एकता की भावना को मजबूत किया।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व

करवाए। यह सौभाग्य का विषय है कि मध्यप्रदेश सरकार ने देश में सबसे पहले इसे लागू किया। हमने अपने पवित्र ग्रंथ गीता और रामायण के प्रसंगों को स्कूली पाठ्यक्रमों में भी स्थान दिया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को जबलपुर में गीता भवन के लोकार्पण एवं 50 करोड़ से अधिक लागत के विभिन्न विकास कार्यों के लोकार्पण एवं भूमि-पूजन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ऋषि जाबाली की पावन भूमि-जबलपुर को आज भगवान श्रीराम की रामायण के अंतर्राष्ट्रीय आयोजन और भगवान श्रीकृष्ण की पवित्र गीता के नाम पर तैयार हुए गीता भवन की अनुपम सौगात मिल रही है। भारत में चारों दिशाओं में श्रीराम और श्रीकृष्ण ने अपने पराक्रम से लीलाएं कीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कई योजनाओं के हितग्राहियों को हितलाभ एवं 5 विद्यार्थियों को भगवत गीता ग्रंथ का वितरण भी किया। इन विकास कार्यों में रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय में जीर्णोद्धार कार्य और सड़क विकास के कार्य शामिल हैं।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मृत्युलोक में प्रत्येक मनुष्य का जीवन नियत है। भगवान श्रीकृष्ण ने गीता के उपदेश में रिश्तों की उलझनों को दूर करते हुए अर्जुन को कर्मवाद का सिद्धांत समझाया। गीता की महिमा ऐसी है कि हमारे मन का अंधकार दूर हो जाता है। स्वयं कष्ट उठाते हुए कैसे संसार की सेवा करें, यह संदेश हमें गीता के माध्यम से मिलता है। भगवान श्रीकृष्ण के जीवन में उनका लालन-पालन करने वालीं यशोदा मैया और नंद बाबा की भूमिका भी महत्वपूर्ण थी। कार्यक्रम में लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह सहित जनप्रतिनिधि, संत-महंत एवं स्थानीयजन उपस्थित थे।

प्रदेश के विकास की गति

40 लाख की लागत से नवनिर्मित सांदीपनि विद्यालय भवन, 11 करोड़ 30 लाख की लागत से नवीन कृषि उपज मंडी प्रांगण सहित अन्य कार्यों का लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि खाचरौद का सांदीपनि विद्यालय आधुनिक शिक्षण सुविधाओं का प्रतीक बनेगा और विद्यार्थियों को विश्वस्तरीय शिक्षा उपलब्ध करायेगा। उन्होंने कहा कि सांदीपनि विद्यालय प्रदेश में शिक्षा के पवित्र मंदिर के रूप में विकसित किए जा रहे हैं। यह हमारे बच्चों के बेहतर और सुनहरे भविष्य की नई इबारत लिखेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि खाचरौद के नवीन कृषि उपज मंडी प्रांगण में किसानों की सुविधा के लिए कृषक विश्राम भवन, भोजनालय, पानी की टंकी एवं प्याऊ भी बनाये गए हैं। मुख्यमंत्री ने खाचरौद में 9 करोड़ 10 लाख रुपये लागत से बनने वाले संयुक्त तहसील कार्यालय के नवीन भवन, 5 करोड़ 25 लाख लागत से बनने वाले जनपद पंचायत भवन एवं 6 करोड़ 91 लाख रुपये की लागत से स्वच्छ भारत मिशन (एसबीएम-2.0) सहित अन्य प्रस्तावित कार्यों का भूमिपूजन भी किया। मुख्यमंत्री ने राज्य शिक्षा केन्द्र द्वारा संचालित खाचरौद के माध्यमिक विद्यालय में 11 स्मार्ट क्लासेस का लोकार्पण भी इस मौके पर किया।

भगवान श्रीराम के जीवन

वर्ल्ड रामायण कॉन्फ्रेंस का यह आयोजन अद्भुत है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव डबल इंजन की सरकार में प्रदेश में सुशासन और राम राज्य स्थापित करने की ओर बढ़ रहे हैं। भारतीय संस्कृति को मिटाने के लिए हजारों सालों तक प्रयास हुए। कुछ बात है जो हस्ती मिटती नहीं हमारी। सनातन संस्कृति का संरक्षण संतों के कारण ही संभव हो पाया है। वर्ल्ड रामायण कॉन्फ्रेंस में देश-दुनिया के आए 120 विद्वानों के व्याख्यान आयोजित होंगे। यहां के श्रीराम भक्तों ने 28 हजार से अधिक सुंदरकांड के पाठ किए। श्रीराम की महिमा दुनिया के कोने-कोने में है। तुलसीदास जी ने सरल भाषा में रामायण के माध्यम से भगवान श्रीराम के चरित्र से दुनिया को परिचित किया। इसी कारण आज जन-जन में सनातन का प्रवाह हो रहा है। आज सांस्कृतिक पुनर्जागरण के कालखंड में सनातन के मूल्य दुनिया में स्थापित हो रहे हैं। लेकिन इसी के साथ भारत विरोधी ताकतें डिजिटल माध्यमों के जरिए सनातन और भारतीय संस्कृति को बदनाम करने का षड्यंत्र कर रही हैं। हमारे युवा श्रीराम के आदर्शों को जीवन में उतारें और रामायण के ब्रांड एम्बेसडर बनें। यह आयोजन जबलपुर से निकलकर देश के दूसरे शहरों तक पहुंचना चाहिए। स्वामी रामभद्राचार्य जी महाराज ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपने पुत्र का विवाह सामूहिक विवाह सम्मेलन में किया है। उनके बेटा-बहू नर्मदा यात्रा पर निकले हैं। वे सभी बधाई के पात्र हैं। राम शब्द में रा का अर्थ है राष्ट और म का अर्थ है मंगल अर्थात् जिसके द्वारा राष्ट का मंगल होता है, उसका नाम राम है। स्वामी रामभद्राचार्य जी ने सुझाव दिया कि वर्ल्ड रामायण कॉन्फ्रेंस की सफलता इसी में है कि रामायण को राष्ट ग्रंथ घोषित कर दिया जाए।

मां कात्यायनी धाम को मिला पर्यटन स्थल का दर्जा

मां कात्यायनी धाम को पर्यटन स्थल का दर्जा मिलना केवल एक प्रशासनिक निर्णय नहीं बल्कि आस्था, संस्कृति और स्थानीय जीवन को नई पहचान देने वाला कदम है। वर्षों से श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र रहा बिहार के खगड़िया जिले में बागमती नदी के किनारे स्थित यह धाम एक प्राचीन शक्तिपीठ है जो माँ कात्यायनी को समर्पित है। यह धाम अब संगठित पर्यटन मानचित्र पर अपनी जगह बना रहा है। इससे न केवल धार्मिक यात्रियों को बेहतर सुविधाएँ मिलेंगी बल्कि क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक विकास को भी नई दिशा मिलेगी। मां कात्यायनी को नवदुर्गा के छठे स्वरूप के रूप में पूजा जाता है। यह धाम विशेष रूप से नवरात्रि के दौरान श्रद्धा, तप और साधना का बड़ा केंद्र बन जाता है। मान्यता है कि यहाँ मां की आराधना से साहस, आत्मबल और निर्णय-शक्ति प्राप्त होती है। वर्षों से दूर-दराज़ से आने वाले श्रद्धालु यहाँ केवल दर्शन के लिए नहीं बल्कि आंतरिक शांति और मनोबल पाने के लिए भी आते रहे हैं। पर्यटन स्थल का दर्जा मिलने से इस आस्था को सम्मानजनक और व्यवस्थित रूप मिलेगा।

ऐतिहासिक और पौराणिक महत्व

मां कात्यायनी धाम का उल्लेख पौराणिक कथाओं और लोक मान्यताओं में मिलता है। इसे ऋषि कात्यायन की तपोभूमि से जोड़ा जाता है जहाँ देवी ने अवतार लिया था। स्थानीय कथाओं, परंपराओं और त्योहारों में इस धाम की विशेष भूमिका रही है। पर्यटन के विकास के साथ अब इन कथाओं, इतिहास और लोक विश्वासों को दस्तावेज़ी रूप में प्रस्तुत करने की संभावना बढ़ेगी, जिससे नई पीढ़ी भी इस धरोहर से जुड़ सकेगी।

इंदौर में पानी नहीं जहर बंटा और प्रशासन कुंभकर्णी नींद में: राहुल

इंदौर/नवप्रदेश। देश के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर में दूषित पीने के पानी से दस्त और उल्टी की महामारी फैल गई है। इस वजह से कम से कम 15 लोगों की मौत हो चुकी है और 1400 से ज्यादा लोग बीमार पड़ चुके हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने इस मुद्दे पर कड़ा रुख अपनाते हुए सूबे की बीजेपी सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने इसे सरकार की लापरवाही बताया और जिम्मेदार अफसरों व नेताओं पर कार्रवाई की मांग की। घटना ने पूरे शहर को हिला दिया है, क्योंकि इंदौर पिछले 8 सालों से लगातार भारत का सबसे स्वच्छ शहर चुना जाता रहा है।

'जिम्मेदार अफसरों और नेताओं पर कार्रवाई कब होगी?'

राहुल गांधी ने 'X' पर एक पोस्ट में कहा, 'इंदौर में पानी नहीं, जहर बंटा और प्रशासन कुंभकर्णी नींद में रहा। घर-घर मातम है, गरीब बेबस हैं और ऊपर से बीजेपी नेताओं के अहंकारी बयान। जिनके घरों में चूल्हा बुझा है, उन्हें सांत्वना चाहिए थी; सरकार ने घमंड परोस दिया। लोगों ने बार-बार गंदे, बदबूदार पानी की शिकायत की, फिर भी सुनवाई क्यों नहीं हुई? सीवर पीने के पानी में कैसे मिला? समय रहते सप्लाई बंद क्यों नहीं हुई? जिम्मेदार अफसरों और नेताओं पर कार्रवाई कब होगी?'

'मध्य प्रदेश अब कुप्रशासन का एपिसेंटर बन चुका है'

राहुल गांधी ने आगे कहा, 'ये 'फोकट' सवाल नहीं ये जवाबदेही की मांग है। साफपानी एहसान नहीं, जीवन का अधिकार है। और इस अधिकार की हत्या के लिए बीजेपी का डबल इंजन, उसका लापरवाह प्रशासन और संवेदनहीन नेतृत्व पूरी तरह जिम्मेदार है। मध्य प्रदेश अब कुप्रशासन का एपिसेंटर बन चुका है, कहीं खांसी की सिरप से मौतें, कहीं सरकारी अस्पताल में बच्चों की जान लेने वाले चूहे, और अब सीवर मिला पानी पीकर मौतें। और जब-जब गरीब मरते हैं, मोदी जी हमेशा की तरह खामोश रहते हैं।'

पाइपलाइन में रिसाव की वजह से पानी गंदा हो गया था

इंदौर के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर माधव प्रसाद हसानी ने गुरुवार को बताया कि शहर के एक मेडिकल कॉलेज की लैब रिपोर्ट से साफहुआ है कि भागीरथपुरा इलाके में पीने के पानी की पाइपलाइन में रिसाव की वजह से पानी गंदा हो गया था। इसी इलाके से महामारी की शुरुआत हुई। डॉक्टर हसानी ने रिपोर्ट के नतीजे विस्तार से नहीं बताए, लेकिन अधिकारियों का कहना है कि भागीरथपुरा में एक पुलिस चौकी के पास मुख्य पानी की पाइपलाइन में रिसाव पाया गया था। उस जगह के ठीक ऊपर एक शौचालय बनाया गया है। उन्होंने दावा किया कि इसी रिसाव से इलाके के पानी की सप्लाई गंदी हो गई। एक लैबोरेटरी जांच ने इसकी पुष्टि कर दी है कि दस्त और उल्टी की महामारी फैलने की वजह पीने का पानी गंदा होना है।

कश्मीर में आतंकी साजिश नाकाम: गांदरबल में दो ग्रेनेड, चीनी पिस्तौल बरामद, दो मददगार गिरफ्तार

गांदरबल/ए.। जम्मू-कश्मीर पुलिस की आतंकियों और उनके मददगारों के खिलाफकार्रवाई जारी है। पुलिस ने वीरवार को मध्य कश्मीर के गांदरबल जिले में एक महिला सहित दो आतंकी मददगारों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से हथियार, दो हैंड ग्रेनेड और आठ लाख से ज्यादा की नकदी बरामद की गई है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि गांदरबल पुलिस ने देर शाम स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप के साथ मिलकर सर्च ऑपरेशन चलाया था। गुंडरेहमान के पास नाका लगाकर चेकिंग की गई। इस दौरान सूचना के आधार पर एक

लोड कैरियर को रोका। तलाशी लेने पर वाहन में 1 चीनी पिस्तौल, पिस्तौल की 1 मैगजीन, पिस्तौल के 4 कारतूस, 2 हैंड ग्रेनेड और 8,40,500 नकदी बरामद की गई। साथ ही आतंकी मददगार गुलाम नबी मीर निवासी हाजिन बांदीपोरा और शबनम नजीर निवासी शालाबुग, गांदरबल को गिरफ्तार किया गया। बरामद हथियारों से जुड़े स्रोत का पता लगाने में जुटी पुलिसः प्रवक्ता ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ गैरकानूनी गतिविधियां अधिनियम और शस्त्र अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत पुलिस थाना गांदरबल में मामला दर्ज कर लिया गया है। बरामद हथियार, गोला-बारूद और कैश से जुड़े स्रोत, मकसद और संभावित संबंधों का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि पुलिस जिले में शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

अवंतीपोरा में जमात के सदस्य के घर पर छापा

अवंतीपोरा पुलिस ने वीरवार को प्रतिबंधित संगठन जमात-ए-इस्लामी के सदस्य के घर छापा मारकर आपत्तिजनक सामग्री व डिजिटल डिवाइस बरामद की है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि कार्रवाई अवंतीपोरा थाने में दर्ज एफआईआर के संबंधी डाडसरा में की गई। कई लोगों से पूछताछ कर कानूनी प्रावधानों के तहत पाबंद किया गया है। यह तलाशी अभियान आतंकी इकोसिस्टम और उसके सपोर्ट स्ट्रक्चर को खत्म करने के लिए चल रहे प्रयासों के तहत चलाया गया है।

आईआईटी खड़गपुर ने छात्रों को क्षितिज 2026 में भाग लेने किया आमंत्रित

नई दिल्ली। आईआईटी खड़गपुर अपने प्रतिष्ठित वार्षिक टेक्नो-मैनेजमेंट महोत्सव 'क्षितिज 2026' का आयोजन 16 जनवरी से 18 जनवरी 2026 तक करने जा रहा है। इस 23वें संस्करण में 40 से अधिक कार्यक्रम शामिल होंगे, जिनमें प्रतियोगिताएँ, कार्यशालाएँ, अतिथि व्याख्यान, इंटरएक्टिव सत्र और प्रदर्शनियों का समावेश होगा। यह महोत्सव छात्रों को तकनीक और प्रबंधन के नवीनतम नवाचारों से रूबरू कराने का एक अनूठा मंच प्रदान करेगा। महोत्सव का भव्य उद्घाटन 16 जनवरी को होगा। प्रमुख आकर्षणों में डीआरडीओ, भारतीय वायुसेना, और अत्यंत आकर्षक कनाडियन ड्रोन लाइट शो की प्रदर्शनियाँ शामिल होंगी। इसके अलावा ऑटो एक्सपो,

डीजे नाइट और कई मनोरंजक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाएगा। पूर्व में क्षितिज ने प्रतिष्ठित व्यक्तित्वों जैसे डॉ. ए. वेल्लुमणी (संस्थापक, थायरोकेयर), सबीर भाटिया (संस्थापक, हॉटमेल).. प्रेरणादायी वक्ता डॉ. तनू जैन, और प्रसिद्ध शिक्षक मेंटर विजेंद्र सिंह चौहान को आमंत्रित किया है।

बल्लरी हिंसा मामले में विधायक समेत 11 के खिलाफ एफआईआर दर्ज

घटना में कई लोग घायल हुए

बंगलूरू। कर्नाटक के बल्लारी में गुरुवार को हुई हिंसा के मामले में भाजपा विधायक जनार्दन रेड्डी समेत 11 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। वहीं हिंसा के बाद बल्लारी में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है और भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। दरअसल बैनर लगाने को लेकर कांग्रेस विधायक भरत रेड्डी और भाजपा विधायक जनार्दन रेड्डी के समर्थक आपस में भिड़ गए थे। इस हिंसा में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी।

तनाव को देखते हुए इलाके में भारी पुलिस बल तैनात

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया 'फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है और अतिरिक्त सुरक्षा बल की तैनाती की गई है। हालात अभी शांतिपूर्ण हैं और सभी एहतियाती कदम उठाए गए हैं और यह सुनिश्चित किया गया है कि कोई भी अवांछित घटना न हो।' सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में दिख रहा है कि एक व्यक्ति हथियार लहरा रहा है और हवाई फायरिंग कर रहा है। इस मामले में पुलिस ने शुक्रवार को भाजपा विधायक जनार्दन रेड्डी, पूर्व मंत्री और भाजपा नेता श्रीरामुलु, शेखर, अलिखन और सोमशेखर रेड्डी समेत 11 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

जर्मनी में भारतीय छात्र की मौत,पसरा मातम

बर्लिन (जर्मनी)। जर्मनी की राजधानी बर्लिन में एक भारतीय छात्र की बुधवार की रात भीषण अग्निकांड में मौत हो गई। बताया जा रहा है कि उनके अपार्टमेंट में भीषण आग लगी। आग और घने धुएं से बचने की कोशिश में छात्र अपार्टमेंट की ऊपरी मंजिल से कूद गया और उसके सिर पर चोटें आईं। उसे पास के

अस्पताल में ले जाया गया। लेकिन उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान तेलंगाना के जंगांव जिले के मल्कापुर गांव निवासी रितिक रेड्डी के रूप में हुई है। संक्रांति के त्योहार पर उनका परिवार उनके घर लौटने का इंतजार कर रहा था। लेकिन नए साल के पहले दिन यह हादसा हो गया। उनके निधन की खबर सुनकर घर शोक में डूब गया। परिवार अब उनके असामयिक निधन से सदमे में है। रितिक रेड्डी यूरोप विश्वविद्यालय से एमएस की पढ़ाई के लिए जून 2023 में जर्मनी के मैगडेबर्ग गए थे।

मिथुन चक्रवर्ती ने ममता बनर्जी पर बोला तीखा हमला

नई दिल्ली। भाजपा नेता मिथुन चक्रवर्ती ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर तीखा हमला बोला। मिथुन चक्रवर्ती ने ममता बनर्जी द्वारा कथित तौर पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को धमकी देने पर कड़ी नाराजगी जाहिर की और दावा किया कि इस बार बंगाल में भाजपा सरकार बनाएगी। सिलीगुड़ी में मीडिया से बात करते हुए मिथुन चक्रवर्ती ने कहा, 'उन्होंने गृह मंत्री अमित शाह को धमकी दी। उनसे कहिए पूरी तरह धमकी दें, फिर मजा देखिएगा।

खेल, व्यापार एवं मनोरंजन

नए साल में भारत बना सबसे आशावादी उपभोक्ता बाजार,60 प्रतिशत भारतीय अगले छह माह में बढ़ाएंगे

नई दिल्ली। भारत नए साल में सबसे आशावादी उपभोक्ता बाजार के रूप में उभर रहा है, जिसमें भारतीयों में घरेलू खर्च करने के इरादे में मजबूत बढ़ोतरी हुई है। खास बात है कि खर्च को लेकर आत्मविश्वास का स्तर कई प्रमुख देशों की तुलना में ज्यादा है। नुवामा की ताजा रिपोर्ट में कहा गया है कि करीब 60 फीसदी भारतीय उपभोक्ताओं को उम्मीद है कि वे अगले छह महीनों में अपना घरेलू खर्च बढ़ाएंगे। खर्च करने की यह इच्छा उपभोक्ताओं के बढ़ते आत्मविश्वास और बेहतर आर्थिक स्थितियों की उम्मीदों को स्पष्ट दिखाती है।

रिपोर्ट के मुताबिक, व्यापक तौर पर देखें तो मजबूत आर्थिक वृद्धि, महंगाई में राहत, औद्योगिक गतिविधियों में तेजी और आय वृद्धि के दम पर भारतीय उपभोक्ता घरेलू खर्च को लेकर आशावद के मामले में प्रमुख देशों से काफी आगे हैं। इनमें शुद्ध आशावाद का

स्तर 27 फीसदी है, जबकि वैश्विक औसत शून्य से नीचे 12 फीसदी है। इस मामले में चीन सबसे आगे है, जहां उपभोक्ता घरेलू खर्च बढ़ाने को लेकर आश्वस्त हैं। भारत इस मामले में दूसरे स्थान पर है।

स्नैक्स और सॉफ्ट ड्रिंक्स पर कम खर्च की योजना

वाहन, मोबाइल फोन और घर के किराये जैसी लंबी अवधि वाली एवं जरूरी कैटेगरी के लिए खर्च करने का इरादा ज्यादा मजबूत बना हुआ है। इसके उलट, पैक्ड स्नैक्स और सॉफ्ट ड्रिंक्स जैसी रोजाना इस्तेमाल होने वाली कैटेगरी के लिए इरादा तुलनात्मक रूप से कम है। यह रोजाना के खर्च के लिए ज्यादा सोच-समझकर और मूल्य आधारित अप्रोच दिखाता है।

नई कारें खरीदने पर सर्वाधिक खर्च करेंगे लोग

भारतीय उपभोक्ता जिन मोर्चों पर सर्वाधिक खर्च करना चाहते हैं, उनमें गाड़ियां सबसे आगे हैं। 70 फीसदी भारतीय उपभोक्ता नई कारें खरीदने के लिए सबसे ज्यादा खर्च करने की योजना बना रहे हैं। इसके बाद 63 फीसदी उपभोक्ता स्मार्टफोन और मोबाइल प्लान पर खर्च बढ़ाने की तैयारी में हैं। एक तिहाई भारतीय उपभोक्ता कुल मिलाकर ज्यादा खर्च करने की योजना बना रहे हैं, जिसमें गैर-जरूरी खरीदारी मुख्य वजह बनकर उभरी है। गैर-जरूरी खर्च करने के इरादे का यह स्तर सभी रिकॉर्ड किए गए बाजारों में सबसे ज्यादा है।

भारतीय महिला हॉकी टीम में कोच शोर्ड मारिन की वापसी

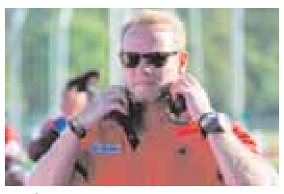

नई दिल्ली। भारतीय महिला हॉकी टीम के साथ टोक्यो ओलंपिक 2020 (2021) में जमकर सुर्खियां बटोरने वाले कोच शोर्ड मारिन की फिर से वापसी हो गई है। उनका टीम इंडिया के साथ यह तीसरा कार्यकाल होगा। 14 जनवरी से वह भारतीय महिला टीम के साथ बतौर चीफ कोच जुड़ेंगे। साल 2017 में जब पहली बार उन्होंने यह जिम्मेदारी संभाली थी तो भारतीय महिला हॉकी टीम बुरे दौर में थी। नीदरलैंड्स के शोर्ड ने भारतीय महिला टीम को अपनी कोचिंग में टोक्यो ओलंपिक के ब्रॉन्ज मेडल मैच तक पहुंचाया था। दुर्भाग्यवश भारतीय टीम वह मैच हार गई थी। उसके बाद टीम इंडिया चौथे स्थान पर रही थी। अब एक बार फिर से इस साल होने वाले कॉमनवेल्थ गेम्स और एशियन गेम्स के मद्देनजर शोर्ड मारिन को बतौर चीफ कोच भारतीय महिला हॉकी टीम में वापस लाया गया है। शोर्ड मारिन के जाने के बाद भारतीय महिला हॉकी टीम पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालिफाई तक नहीं कर पाई थी। कई सीनियर खिलाड़ियों की मांग पर उन्हें वापस से टीम में लाया गया है। अब उनकी पहली चुनौती होगी टीम के साथ मार्च 8 से 14 तक होने वाले विश्व कप क्वालिफिकेशन टूर्नामेंट की, जो हैदराबाद में खेला जाएगा। शोर्ड मारिन के साथ अर्जेंटीना के पूर्व मिडफील्डर मटियास विला को अनालिटिकल कोच नियुक्त किया गया है। वह 2000 सिडनी ओलंपिक और 2004 एथेंस ओलंपिक में अर्जेंटीना की टीम का हिस्सा थे।

'हर फिल्म अलग होती है', कृति सेनन नहीं लेती बॉक्स ऑफिस के नंबर्स का दबाव

मुंबई। कृति सेनन बॉलीवुड में अपने करियर के 11 साल पूरे कर चुकी हैं। इन 11 साल में कृति कई बड़ी फिल्मों का हिस्सा रही हैं। साथ ही उन्होंने कई हिट फिल्में भी दी हैं। उनकी आखिरी रिलीज फिल्म 'तेरे इश्क में' भी बॉक्स ऑफिस पर सफल रही थी। वहीं फिल्म में उनके अभिनय की भी काफी तारीफ हुई। अब कृति नए साल में अपनी आगामी फिल्म 'कॉकटेल 2' के साथ प्रवेश कर रही हैं। यह उनकी 20वीं फिल्म भी है। इस मौके पर कृति ने 'कॉकटेल 2' को लेकर बात की और साथ ही बताया कि क्या फिल्मों की सफलता उनके ऊपर दबाव डालती है या नहीं। कृति ने बॉक्स ऑफिस नंबर के प्रेशर के बारे में बात की। एक फिल्म की सफलता क्या दूसरी फिल्म के बॉक्स ऑफिस नंबर के आंकड़ो को लेकर दबाव बनाती है? अभिनेत्री ने कहा कि वो अपने

ऊपर किसी भी तरह का दबाव नहीं लेती है। उन्होंने कहा कि मैं ऐसा दबाव नहीं लेती। हर फिल्म अलग होती है, आप यह उम्मीद नहीं कर सकते कि हर फिल्म एक ही तरह के दर्शकों को आकर्षित करेगी। आगे 'कॉकटेल 2' को लेकर एक्ट्रेस ने कहा कि 'कॉकटेल 2' के दर्शक 'तेरे इश्क में' से बिल्कुल अलग हैं। आप बस कड़ी मेहनत और पूरी ईमानदारी से काम कर सकते हैं। आपको हर फिल्म में अपना सर्वश्रेष्ठ देना होता है। इसके अलावा बाकी सब हमारे हाथ में नहीं है, क्योंकि बॉक्स ऑफिस पर फिल्म की सफलता को प्रभावित करने वाले कई और कारण भी होते हैं। इसलिए मैं वह दबाव नहीं लेना चाहती। मैं अपने फिल्म निर्माताओं पर भी वह दबाव नहीं डालती। बल्कि मैं बस इस प्रक्रिया का आनंद लेती हूं। मैं उत्साहित हूं।

इससे पहले एक इंटरव्यू में बात करते हुए कृति ने 'कॉकटेल 2' के बारे में बताया था कि 'कॉकटेल 2' बिल्कुल सही समय पर बनी। मुझे इसकी बहुत चाह थी। मैं एक रोमांटिक कॉमेडी की उस युवा, शहरी और मजेदार दुनिया में कदम रखना चाहती थी। बेशक यह एक सीक्वल है, लेकिन मुझे लगता है कि यह सिर्फ एक अलग माहौल का सीक्वल है। कहानी पूरी तरह से अलग है, किरदार पूरी तरह से अलग हैं और उनकी पृष्ठभूमि भी पूरी तरह से अलग है।

न्यूज गैलरी

अत्याचार पीड़ितों को दिलाया जाए त्वरित न्याय - कलेक्टर

जिला सतर्कता एवं मॉनिटरिंग समिति की बैठक आयोजित

02 करोड़ 89 लाख 53 हजार रूपये राहत राशि स्वीकृत

सीहोर/नवप्रदेश। अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर कलेक्टर श्री बालागुरू के. की अध्यक्षता में जिला स्तरीय सतर्कता एवं मॉनिटरिंग समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर ने स्पष्ट रूप से कहा कि अत्याचार से पीड़ित व्यक्तियों के मामलों में किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी और प्रत्येक प्रकरण में पूरी संवेदनशीलता, तत्परता एवं मानवीय दृष्टिकोण के साथ कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पीड़ितों को समयबद्ध राहत, सहायता और न्याय उपलब्ध कराना शासन-प्रशासन का दायित्व है। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने कहा कि जिन प्रकरणों में बैंक खाते नही होने के कारण राहत राशि का वितरण नहीं हो पाया है, ऐसे व्यक्तियों से संपर्क कर उनके बैंक खाते खुलवाए जाएं। ताकि उन तक आर्थिक सहायता शीघ्र पहुंचाई जा सके। बैठक में जानकारी दी गई कि अत्याचार निवारण अधिनियम के अंतर्गत विभिन्न धाराओं में दर्ज प्रकरणों में अनूसूचित जाति एवं जनजाति के हितग्राहियों को राशि स्वीकृत की गयी है। 01 अप्रैल 2025 से 31 दिसंबर 2025 तक अनुसूचित जाति के 226 प्रकरणों में 02 करोड़ 40 लाख 60 हजार रूपये की राशि स्वीकृत की गई है और 83 प्रकरणों में 01 करोड़ 02 लाख 06 हजार रूपये की राशि का भुगतान किया गया है। इसी प्रकार 01 अप्रैल 2025 से 31 दिसंबर 2025 तक अनुसूचित जनजाति के 48 प्रकरणों में 48 लाख 93 हजार रूपये की राशि स्वीकृत की गई है और 11 प्रकरणों में 14 लाख 93 हजार रूपये की राशि का भुगतान किया गया है। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने विवेचना एवं न्यायालयीन प्रक्रिया में गति लाने, प्रकरणों के शीघ्र निराकरण तथा राहत राशि के वितरण में अनावश्यक विलंब न करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जाति प्रमाण पत्र की प्रक्रिया को सरल एवं त्वरित बनाया जाए और पात्र व्यक्तियों के आवेदन लंबित न रखे जाएं। बैठक के दौरान कलेक्टर ने पूर्व बैठकों में दिए गए निर्देशों के अनुपालन की समीक्षा करते हुए पीड़ितों को प्रदत्त राहत राशि, हत्या के मामलों में मासिक जीवन निर्वाह भत्ता, रोजगार एवं स्वरोजगार से संबंधित कार्यवाही, बच्चों की शिक्षा, पुलिस थानों में दर्ज प्रकरणों तथा लंबित मामलों की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय से कार्य करने और अधिनियम की भावना के अनुरूप पीड़ितों को त्वरित राहत एवं न्याय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में अजाक्स के एसडीओपी श्री प्रवीण चड़ोकर, जनजातीय कार्य विभाग के जिला संयोजक श्री अरविंद कुशवाह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर विश्वकर्मा की अध्यक्षता में जिला स्तरीय वन अधिकार समिति की बैठक सम्पन्न

रायसेन/नवप्रदेश। कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा की अध्यक्षता में अनुसूचित जनजाति एवं अन्य परम्परागत वन निवासी अधिनियम 2006 एवं नियम 2008 अंतर्गत जिला स्तरीय वन अधिकार समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में सम्पन्न हुई। बैठक में कलेक्टर श्री विश्वकर्मा द्वारा नवीन व्यक्तिगत वन अधिकार लंबित दावों और पूर्व के निरस्त व्यक्तिगत वन अधिकार लंबित दावों, वन ग्रामों को राजस्व ग्रामों में सम्परिवर्तन की अद्यतन स्थिति सहित अन्य विषयों पर चर्चा की गई। बैठक में डीएफओ औबेदुल्लागंज श्री हेमंत रायकवार, अपर कलेक्टर श्री मनोज उपाध्याय भी उपस्थित रहे। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने जिला स्तरीय वनाधिकार समिति के पास लंबित 34 दावों का पॉलीगन सर्वे पुनः/सूक्ष्म परीक्षण हेतु उपखण्ड स्तरीय समिति के पास भेजने के लिए कहा। उपखण्ड स्तरीय समिति को 15 दिवस में इनका निराकरण करना होगा। इसी प्रकार वन ग्रामों को राजस्व ग्रामों में सम्परिवर्तन की अद्यतन स्थिति पर चर्चा की गई। जिनमें सात में से पांच प्रकरण लंबित हैं। इनमें रायसेन वन क्षेत्र के दो प्रकरणों में कार्यवाही हो गई तथा औबेदुल्लागंज वन क्षेत्र के शेष तीन प्रकरणों में कार्यवाही पूर्ण करने के लिए कहा। यह सातों प्रकरणों को भोपाल वरिष्ठ कार्यालय में भेजा जाएगा, जिनमें एमपी एसीडी से नक्शा प्राप्त होना है। इसके अतिरिक्त बैठक में ग्राम झिरीबहेडा में बेतवा उद्गम स्थल का सामुदायिक दावें पर भी चर्चा करते हुए दिशा-निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने निर्देश दिए कि ग्राम वन अधिकार समिति द्वारा आवेदक की भूमि का सत्यापन, सीमांकन एवं सर्वे कार्य एमपी वनमित्र पोर्टल एप के माध्यम से सूक्ष्म रूप से की जाए। पोर्टल में आवेदक का जाति प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, बुजुर्गो का कथन एवं अन्य समस्त दस्तावेजों को अनिवार्य रूप से अपलोड किए जाने के निर्देश दिए। इसी प्रकार ग्राम वन अधिकार समिति की

खेल मैदान हमें अनुशासन सिखाते हैं : विधानसभा अध्यक्ष तोमर

ग्वालियर में 69वी राष्ट्रीय शालेय बालिका हॉकी प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ

विधानसभा अध्यक्ष तोमर ने किया उदघाटन

आकर्षक मार्च पास्ट निकला, मनोहारी सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने बांधा

समां देश के विभिन्न राज्यों, केन्द्र शासित प्रदेशों व शिक्षा बोर्डों की 27 टीमें ले रही हैं हिस्सा

ग्वालियर/नवप्रदेश। ऐतिहासिक नगरी ग्वालियर में 69वी राष्ट्रीय शालेय बालिका हॉकी प्रतियोगिता का विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेन्द्र सिंह तोमर के मुख्य आतिथ्य में शुक्रवार को भव्य शुभारंभ हुआ। कम्पू स्थित राजमाता विजयाराजे सिंधिया खेल परिसर में 2 से 7 जनवरी तक आयोजित हो रही बालिकाओं के लिये 14 व 19 वर्ष आयु वर्ग की इस राष्ट्रीय हॉकी प्रतियोगिता में देश के विभिन्न राज्यों, केन्द्र शासित प्रदेशों एवं विभिन्न शिक्षा बोर्ड की कुल 27 टीमें भाग ले रही हैं। प्रतियोगिता के उदघाटन अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष श्री तोमर ने कहा कि इस आयोजन में लघु भारत के सजीव दर्शन हो रहे हैं। उन्होंने कहा खेल का मैदान हमें अनुशासन सिखाता है। अनुशासित होकर ही देश को तेजी से विकास के पथ पर ले जा सकते हैं। विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि खेल सिर्फ व्यायाम व प्रतिस्पर्धा भर नहीं है। खेल हमें अनुशासन भी सिखाते हैं। खेलों में निहित प्रतिस्पर्धा व अनुशासन की भावना विकास का मार्ग प्रशस्त करती है। साथ ही आपसी मेलजोल और देश की बहुआयामी संस्कृति को जानने का मौका भी राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के माध्यम से मिलता है। ग्वालियर में आयोजित हो रही इस प्रतियोगिता के माध्यम से भी ÷अनेकता में एकता हमारी विशेषता÷ के सजीव दर्शन हो रहे हैं। उन्होंने प्रतियोगिता में भाग लेने आई सभी खिलाड़ियों, कोच व ऑफिशियल्स को नव वर्ष की बधाई व शुभकामनायें दीं। साथ ही कहा कि आप सब अपने प्रदेश व संगठन के साथ-साथ देश का भी नाम रोशन करें। विधानसभा अध्यक्ष श्री तोमर ने ध्वज फहराकर राष्ट्रीय शालेय हॉकी प्रतियोगिता का विधिवत शुभारंभ किया। साथ ही सभी खिलाड़ियों को खेल भावना के साथ प्रतियोगिता में भाग लेने की शपथ भी इस अवसर पर दिलाई गई। उदघाटन कार्यक्रम में शासकीय पद्मा उमावि व शासकीय एमएलबी कन्या उमावि की छात्र-छात्राओं ने रंगारंग एवं मनोहारी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर समा बांध दिया। आरंभ में राष्ट्रीय शालेय बालिका हॉकी प्रतियोगिता में भाग ले रहीं सभी टीमों ने आकर्षक मार्च पास्ट किया। स्थानीय विद्या विहार स्कूल के बैंड की मधुर धुन के बीच देश के विभिन्न राज्यों से आई टीमों में शामिल बालिकायें कदम से कदम मिलाते हुए आगे बढ़ीं। कार्यक्रम में मौजूद अतिथियों एवं खेल प्रेमियों ने करतल ध्वनि के साथ सभी टीमों का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर आसमान में छोड़े गए रंगीन गुब्बारों ने अलग ही छटा बिखेरी। कार्यक्रम में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सोजान सिंह रावत ने भी विचार व्यक्त किए। साथ ही जिला प्रशासन की ओर से देश भर से आई टीमों का ग्वालियर की धरती पर आत्मीय स्वागत किया। जिला शिक्षा अधिकारी श्री हरओम चतुर्वेदी ने स्वागत उदबोधन दिया। उन्होंने जानकारी दी कि इस प्रतियोगिता में 27 टीमों में शामिल खिलाड़ियों, कोच व ऑफिशियल्स सहित लगभग 1100 प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं। सभी टीमों के ठहरने, भोजन व आवागमन की उत्तम व्यवस्था की गई है। साथ ही खेल परिसर में एक कंट्रोल रूम भी स्थापित किया गया है। कोई समस्या होने पर टीम के सदस्य कंट्रोल रूम में फोन कर अपनी समस्या का समाधान करा सकते हैं। उदघाटन कार्यक्रम में प्रतियोगिता के ऑब्जर्वर श्री पदम सिंह, खेल विशेषज्ञ श्री केशव सिंह गुर्जर, स्कूल शिक्षा विभाग के खेल अधिकारी श्री आर के सिंह व श्री पंकज शर्मा सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद थे। यह टीमें ले रही हैं हिस्सा राज्य शासन के लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा जिला प्रशासन एवं स्कूल शिक्षा विभाग के सहयोग से आयोजित की जा रही राष्ट्रीय शालेय बालिका हॉकी प्रतियोगिता में मेजबान मध्यप्रदेश सहित कुल 27 टीमें भाग ले रही हैं। इनमें उत्तराखंड, पंजाब, दिल्ली, गुजरात, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, चंडीगढ़, राजस्थान, उत्तरप्रदेश, केरला, आंधप्रदेश, तेलंगाना, तमिलनाडु, कर्नाटिका, महाराष्ट्र, उड़ीसा, झारखंड, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़, सीबीएसई, आईपीएससी, केवीएस, विद्या भारती, इंटरनेशनल बोर्ड व स्कूल स्पोर्ट्स आर्गनी काउंसिल की टीमें शामिल हैं।

जिला प्रशासन व रोटरी के सहयोग से 17 मार्च से 24 मार्च तक वृहद स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

ग्रामीण क्षेत्रों में शिविर के प्रचार-प्रसार की कार्यवाही तत्परता के साथ हो

शिवपुरी/नवप्रदेश। जिला प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग व रोटरी के सहयोग से रोटरी रीजनल मेडिकल मिशन शिवपुरी अंतर्गत 17 मार्च से 24 मार्च तक वृहद स्वास्थ्य शिविर का आयोजन मेडिकल कॉलेज शिवपुरी में किया जाएगा। इस विशाल रोटरी मेडिकल मिशन के संदर्भ में तैयारियों की बैठक बुधवार को जिलाधीश कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित हुई। बैठकों में कलेक्टर रवीन्द्र कुमार चौधरी, रोटरी रीजनल मेडिकल मिशन के अध्यक्ष भूपेन्द्र जैन, प्रान्तपाल प्रदीप पाराशर, प्रदेश कार्यकारी समिति के सदस्य हरवीर रघुवंशी, रोटरी रीजनल मेडिकल मिशन के उपाध्यक्ष उदित चतुर्वेदी, मेडिकल कॉलेज शिवपुरी के डीन डॉ.डी.परमहंस, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विजय राज, एसडीएम शिवपुरी आनंद राजावत सहित रोटरी के पदाधिकारी, समाजसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि, अन्य विभागीय अधिकारीगण उपस्थित रहे। कलेक्टर रवीन्द्र कुमार चौधरी ने कहा कि इस शिविर में मरीजों को चिन्हित किया जायेगा, उसके बाद जिला मुख्यालय पर मरीजों को लाकर 17 मार्च से 24 मार्च तक बीमारियों का इलाज किया जायेगा। इस रोटरी मेडीकल मिशन में सैक?ों चिकित्सक नई दिल्ली, भोपाल, इन्दौर, बॉम्बे से आयेंगे। इस शिविर में मेडीकल, ऑपरेशन, बच्चों के हृदय से संबंधित जांच एवं ऑपरेशन, नेत्र रोग, स्त्री रोग, ईएनटी, बाल रोग, हड्डी की जांच, दातों की जांच, न्यूरोलोजी, स्कीन की जांच की जायेगी व उसका इलाज किया जायेगा। हमारा प्रयास है कि हम दिव्यांगता एवं विकलांगता के लिये भी उपकरण वितरित किए जाए एवं कटे फटे होठो के ऑपरेशन करायें जायेंगे। हमारा लक्ष्य है कि हम जरूरतमंद व्यक्ति के पास तक पहुंचे और उसे इलाज मुहैया करायें। ग्रामीण क्षेत्रों में शिविर के प्रचार-प्रसार की कार्यवाही तत्परता के साथ हो। रोटरी रीजनल मेडिकल मिशन के अध्यक्ष भूपेन्द्र जैन ने कहा कि ये मेगा कैम्प है, इसे स्वास्थ्य महाकुंभ भी कहा जा सकता है। स्थानीय समाजसेवी संस्थाएं जितना समर्पित होकर कार्य करेंगी, परिणाम उतना ही अच्छा होगा। सभी सदस्यगण इस शिविर को सफलता के सोपान पर पहुंचाने में सहयोग प्रदान करें। उन्होंने कहा कि शासन की सभी योजनाओं को आखिरी व्यक्ति तक पहुंचने में जो कमियां रह जाती है, उन्हें इन शिविरों के माध्यम से पूरा किया जा सकता है।

कलेक्टर विश्वकर्मा ने गॉवों का भ्रमण कर संचालित नलजल योजना का लिया जायजा

ग्रामीणों और पम्प ऑपरेटर से चर्चा कर ली जानकारी

रायसेन/नवप्रदेश। कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा द्वारा जिले में भ्रमण कर योजनाओं के क्रियान्वयन का जायजा लिया जा रहा है। शुक्रवार को कलेक्टर श्री विश्वकर्मा द्वारा सांची विकासखण्ड के ग्राम गुंदरई के (नीमढाना टोला) एवं चांदनगौ?ा और औबेदुल्लागंज विकासखंड के ग्राम देहगांव तथा खमरिया निमावर में संचालित नलजल योजनाओं का स्थल भ्रमण कर योजनाओं के संचालन, संधारण एवं कार्य गुणवत्ता का निरीक्षण किया गया। इसके साथ ही देहगांव में संचालित कामधेनू गौशाला का भी निरीक्षण किया। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने ग्राम नीमढाना में ग्रामवासियों से योजना के संचालन के संबंध में चर्चा करते हुए ग्रामीणों से पूछा कि ग्राम में पेयजल की कोई समस्या तो नहीं है। ग्रामीणों द्वारा बताया गया कि अब ग्राम में पेयजल की कोई समस्या नहीं है। इसी प्रकार पम्प ऑपरेटर से भी योजना संचालन एवं पेयजल वितरण व्यवस्था की जानकारी लिए जाने पर पम्प ऑपरेटर ने बताया कि योजना के संचालन हेतु ग्रामीणों का व्हाट्सएप ग्रुप बना हुआ है। जिस पर ग्रामीणों को योजना से पेयजल प्रदाय संबंधित जानकारी दी जाती है। योजना से सभी ग्रामवासियों को पर्याप्त मात्रा में शुद्ध एवं स्वच्छ पेयजल प्राप्त हो रहा है। इसी प्रकार ग्राम चांदनगौ?ा में भी नलजल योजना संचालन का निरीक्षण करते हुए कलेक्टर श्री विश्वकर्मा द्वारा ग्रामवासियों एवं पंप ऑपरेटर से योजना के संचालन के संबंध में चर्चा की। इस दौरान पम्प ऑपरेटर द्वारा बताया गया कि आधा-आधा घण्टे सभी वितरण लाईनों को चला कर पानी की सप्लाई की जाती है। सभी ग्रामवासियों को पर्याप्त मात्रा में शुद्ध एवं स्वच्छ पेयजल प्राप्त हो रहा है। ग्राम चांदनगौ?ा की प्राथमिक शाला में नलजल योजना के माध्यम से पेयजल प्रदाय करने हेतु निर्देश दिए गए। इसी प्रकार विकासखंड औबेदुल्लागंज के ग्राम देहगाँव एवं खमरिया निमावर में भी संचालित नलजल योजनाओं का स्थल भ्रमण कर योजनाओं के संचालन/संधारण एवं कार्य गुणवत्ता का निरीक्षण किया गया। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा द्वारा पानी की गुणवत्ता के संबंध में कार्यपालन यंत्री श्री गिरीश काम्बले से जानकारी लिए जाने पर उन्होंने बताया कि ग्राम में पानी की गुणवत्ता की जांच हेतु एफटीके किट प्रदाय की गई है, जिसके माध्यम से जल की जांच की जाती है एवं जल नमूना एकत्रित कर प्रयोगशाला में भी जल परीक्षण किया जाता है। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा द्वारा निर्देशित किया गया कि समस्त ग्रामों में पेयजल परीक्षण की जांच उपरांत परिणामों को चार्ट बनाकर दीवार पर चिपकाएं जिससे ग्रामवासियों को शुद्ध पेयजल संबंधी जानकारी मिल सके। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा द्वारा देहगांव में कामधेनु गौशाला का निरीक्षण किया गया।

सभी राजनैतिक दल प्रत्येक मतदान केन्द्र के लिये अपने-अपने बीएलए नियुक्त करें : संभाग आयुक्त खत्री

रोल प्रेक्षक एवं संभाग आयुक्त श्री खत्री ने राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में की एसआईआर कार्य की समीक्षा

ग्वालियर/नवप्रदेश। निर्वाचक नामावली के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का कार्य पूरी पारदर्शिता के साथ एवं भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के तहत पूर्ण करें। यह निर्देश रोल प्रेक्षक एवं संभागीय आयुक्त श्री मनोज खत्री ने ग्वालियर जिले के एसआईआर कार्य की समीक्षा के दौरान दिए। उन्होंने बैठक में मौजूद राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को जानकारी दी कि नो : मैपिंग वाले मतदाताओं को जारी नोटिस की सुनवाई के दौरान संबंधित मतदाता आयोग द्वारा निर्धारित दस्तावेजों में से कोई एक दस्तावेज प्रस्तुत कर सकता है। साथ ही यदि सुनवाई में उपस्थित न हो पाएं तो वह संबंधित बीएलओ, ईआरओ व एईआरओ को भी दस्तावेज प्रस्तुत कर सकता है। शुक्रवार को संभाग आयुक्त कार्यालय में आयोजित हुई बैठक में प्रभारी कलेक्टर श्री कुमार सत्यम, उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अनिल बनवारिया, जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों के रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधिगण मौजूद थे। संभागीय आयुक्त श्री मनोज खत्री ने राजनैतिक दल के प्रतिनिधियों से अपील की कि वे अपने दलों की ओर से नए मतदान केन्द्रों सहित सभी मतदान केन्द्रों के लिये बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) अवश्य नियुक्त करें। साथ ही इस बात का ध्यान रखें कि बीएलए संबंधित मतदान केन्द्र के क्षेत्र का ही निवासी हो। उन्होंने कहा कि बीएलए के माध्यम से सर्वे कराकर 01 जनवरी 2026 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके पात्र एवं नवविवाहित महिलाओं के छूटे नाम मतदाता सूची में जु?वाने के लिये फॉर्म-6 भरवाने का काम कराएं। साथ ही मृत व स्थानांतरित मतदाताओं के नाम हटवाने के लिये फॉर्म-7 व फॉर्म-8 भरवाकर बीएलओ को उपलब्ध कराए जा सकते हैं। उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री बनवारिया ने बैठक में

महिला सुरक्षा एवं जागरूकता के लिए चलेगा विशेष अभियान - सिंह

अभियान के लिए सभी विभागों की समय-सीमा तय

भोपाल/नवप्रदेश। भोपाल संभागायुक्त श्री संजीव सिंह ने समय-सीमा बैठक में सभी जिलों में महाविद्यालयों एवं स्कूलों में महिला सुरक्षा के जागरूकता अभियान कार्यक्रमों के लिए उच्च शिक्षा, स्कूल, महिला एवं बाल विकास एवं पुलिस विभाग के साथ संयुक्त दलों का गठन किया है। जिसमें महिलाओं एवं बालिकाओं को जिला स्तर पर हब फॉर इमपॉवरमेंट बूमेन जन जागरूकता कार्यक्रम अंतर्गत, घरेलू हिंसा, निरोधक कार्यक्रम, बाल विवाह मुक्त, प्रतिज्ञा, पीसीपीएनडीटी अधिनियम, जागरूकता अभियान, सायबर सुरक्षा, आत्म रक्षा कार्यक्रम के साथ महिला सम्मान एवं सुरक्षा को लेकर बालिकाओं एवं समाज में व्यापक संवेदनशीलता विकसित करने के लिए अभियान चलाया जाए। संभागायुक्त श्री सिंह ने कहा कि प्रथम चरण में सभी महाविद्यालयों एवं संभाग के सभी जिलों में 50 - 50 स्कूलों को शामिल किया जाए। जिला स्तरीय ऑनलाइन मॉनीटरिंग सिस्टम जिला टॉस्क फोर्स कमेटी महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा किया जाएगा। सभी जिला स्तर पर मास्टर ट्रेनर नियुक्त किए जाए। मॉस्टर ट्रेनर के साथ पुलिस का दल भी शामिल होगा। जिनके द्वारा सभी जिलों के महाविद्यालय एवं स्कूलों में जागरूकता कैम्प आयोजित किए जाएंगे। श्री सिंह ने कहा कि आगामी एक सप्ताह के अंदर महिला एवं बाल विकास विभाग, स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा संयुक्त कार्य योजना प्रस्तुत करें। संभागायुक्त श्री सिंह ने समय सीमा बैठक में कलेक्टर्स - कमिश्नर्स कान्फ्रेंस के सभी विभागों के बिन्दुओं पर विस्तृत चर्चा कर विभागीय लक्ष्य एवं कार्य योजना बनाने के निर्देश दिए। कृषि एवं संबद्ध क्षेत्र से प्राकृतिक एवं जैविक खेती उत्पादों की प्रभावी मार्केट एवं विक्रय के लिए सभी जिलों में बाजार की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। श्री सिंह ने पशुपालन विभाग की समीक्षा करते हुए भोपाल संभाग में दुग्ध उत्पादन के लक्ष्य को 50 लाख लीटर तक पहुँचाने के महत्वाकांक्षी लक्ष्मा के अनुरूप विस्तृत कार्य योजना बनाने के निर्देश दिए। स्वास्थ्य विभाग में गर्भवती महिलाओं, शिशुओं, कुपोषित बच्चों की पहचान एवं उपचार के लिए विस्तृत कार्य योजना तैयार करने धरती आभा कार्यक्रम के अंतर्गत, जनजातीय, ग्राम पंचायतों में शत-प्रतिशत आयुष्मान कार्ड बनाने के निर्देश दिए। संभागायुक्त श्री सिंह ने निर्देश दिए कि सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों का निराकरण तेजी से किया जाए। जो शिकायतें 100 दिवस से अधिक समय से लंबित हैं, उन पर विशेष ध्यान

नरवाई प्रबन्धन जागरूकता अभियान बना उन्नत खेती का उदाहरण

विदिशा/नवप्रदेश। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्री अंशुल गुप्ता द्वारा चलाई जा रही नरवाई प्रबंधन की मुहिम के चलते विकासखंड नटेरन की ग्राम पंचायत वर्धा के कृषक श्री भूपेंद्र सिंह धाकड़ द्वारा अपने धान के खेत में शेष फसल अवशेष की नरवाई को न जलाते हुए ग्रामपंचायत स्तर के साथ-साथ सम्पूर्ण जिले में भी उन्नत खेती का प्रदर्शन किया है। धाकड़ द्वारा नरवाई प्रबंधन के अंतर्गत किए जा रहे कृषिगत क्रियाओं को दृष्टिगत रखते हुए बताया गया कि ग्राम पंचायत में क्षेत्रीय कृषि अधिकारी श्री लक्ष्मण गुर्जर द्वारा विकसित कृषि संकल्प अभियान एवं समय-समय पर किए गए नरवाई प्रबन्धन जागरूकता कार्यक्रम से मिली प्रेरणा से इस रबी वर्ष में नरवाई को न जलाते हुए चने की फसल किस्म त्टळ 204 की बुवाई की गई। धाकड़ द्वारा उन्नत खेती की परिचय दिया जा रहा है उसमें सम्बंधित कृषक द्वारा कृषि विभाग नटेरन से क्षेत्रीय कृषि विस्तार अधिकारी के माध्यम से मिले राष्ट्रीय खाद्य एवं पोषण सुरक्षा (दलहन) मिशन अंतर्गत चने की त्टळ 204 किस्म का बीज अनुदान पर लिया गया था जिसकी बुवाई धान के खेत में बची नरवाई को रोटावेटर की सहायता से भूमि में मिलाकर की गई एवं खेत की तैयारी के समय पानी की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए धान के खेत

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक यशवंत धोटे द्वारा हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित एवं फ्लैट नंबर 402 , कौशल्या विहार , नेपियर टाउन , 482001 से प्रकाशित, मो. 6262188999 (न्याय क्षेत्र जबलपुर) ।